हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 28 अक्टुबर 2024 | वर्ष : 02 | अंक :163 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

कांग्रेस के बागी नेता खादरी 30 अक्टूबर को नामांकन वापस लेंगेः शिवकुमार,

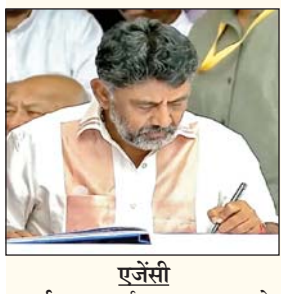

एजेंसी

कर्नाटक:कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस के बागी नेता सैयद अजीम पीर खादरी शिग्गांव से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन वापस लेंगे ।सभी को आश्चर्यचकित करते हुए खादरी ने शुक्रवार को नामांकन के अंतिम दिन शिग्गांव सीट पर 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था ।इस आशंका के बीच कि खादरी कांग्रेस उम्मीदवार यासिर अहमद खान पठान की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाएंगे, पार्टी की कर्नाटक इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने कहा, ह्यह्यखादरी 30 अक्टूबर को अपना नामांकन वापस ले लेंगे। पार्टी उन्हें एक उपयुक्त पद देगी ।सभी को आश्चर्यचकित करते हुए खादरी ने शुक्रवार को नामांकन के अंतिम दिन शिग्गांव सीट पर 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया था।

देश में रचनात्मक ऊर्जा की लहर, मन की बात में पीएम मोदी ने कहा-

एनिमेशन की दुनिया में मेड इन इंडिया छाया हुआ है

छोटा भीम, कृष्णा, हनुमान और मोटू-पतलू जैसे एनिमेशन चरित्रों की लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दूसरे देश के बच्चों को भी खूब आकर्षित करते हैं और इन्हें चाहने वाले भी दुनियाभर में हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली:नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश के रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है और एनिमेशन की दुनिया में ह्यमेड इन इंडिया और मेड बाइ इंडियंस छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि एनिमेशन की दुनिया में भारत नयी क्रांति की राह पर है जबकि गेमिंग स्पेस का भी यहां विस्तार हो रहा है और वह दुनिया में लोकप्रिय हो रहे हैं ।आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 150वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आत्मनिर्भर हो रहा भारत, हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने देशवासियों से भारत को एनिमेशन की दुनिया की वैश्विक शक्ति बनाने का संकल्प लेने का भी आह्वान किया ।छोटा भीम, कृष्णा, हनुमान और मोटू-पतलू जैसे एनिमेशन चरित्रों की लोकप्रियता का उल्लेख करते हुए मोदी

ने कहा कि यह सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दूसरे देश के बच्चों को भी खूब आकर्षित करते हैं और इन्हें चाहने वाले भी दुनियाभर में हैं। उन्होंने कहा, एनिमेशन की दुनिया में भारत नई क्रांति करने की राह पर है। भारत के गेमिंग स्पेस का भी तेजी से विस्तार हो रहा है। भारतीय गेम्स भी इन दिनों दुनिया-भर में लोकप्रिय हो रहे हैं। पिछले दिनों भारत के अग्रणी गेमर्स से हुई अपनी मुलाकात को याद करते हुए उन्होंने कहा, वाकई, देश में रचनात्मक ऊर्जा की एक लहर चल रही है। एनिमेशन की दुनिया में ह्यमेड इन इंडियाह्न और ह्यमेड बाइ इंडियंसह्न छाया हुआ है ।प्रधानमंत्री ने इस बात पर खुशी जताई कि भारतीय प्रतिभाएं वैश्विक स्तर पर भी गेमिंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने स्पाइडर मैन और ट्रांसफॉर्मर्स जैसी फिल्मों में भारतीय एनिमेटर हरि नारायण राजीव के योगदान की चर्चा की और कहा कि अब भारत के युवा मौलिक सामग्री तैयार कर रहे हैं, जो देश की संस्कृति की झलक दर्शाती है। उन्होंने कहा, एनिमेशन क्षेत्र आज एक ऐसे उद्योग का रूप ले चुका है कि जो दूसरे उद्योगों को ताकत दे रहा है ।प्रधानमंत्री ने ह्यमन की बातह्न की इस कड़ी में ह्यडिजिटल पर्यटनह्न की बढ़ रही लोकप्रियता का भी जिक्र किया और युवाओं से अपनी सृजनात्मकता को विस्तार देने की अपील की। उन्होंने कहा, क्या पता दुनिया का अगला सुपर हिट एनिमेशन आपकेकम्प्यूटर से निकले !

डिजिटल अरेस्टह्न के बढ़ते मामलों पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताई चिंता, रूको, सोचो और एक्शन लो का दिया मंत्र

एजेंसी

नई दिल्ली:नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए इससे बचने के लिए रविवार को देशवासियों से ह्यरूको, सोचो और एक्शन लो का मंत्र साझा किया और इस बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ह्यमन की बातह्न की 150वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने ह्यडिजिटल अरेस्टह्न से जुड़े एक फरेबी और पीड़ित के बीच बातचीत का वीडियो भी साझा किया और कहा कि कोई भी एजेंसी न तो धमकी देती है, न ही वीडियो कॉल पर पूछताछ करती है और न ही पैसों की मांग करती है। इंटरनेट के तेजी से बढ़ते उपयोग के बीच डिजिटल अरेस्ट फरेब का एक बड़ा माध्यम बनता जा रहा है। इसमें किसी शख्स को ऑनलाइन माध्यम से डराया जाता है कि वह सरकारी एजेंसी के माध्यम से अरेस्ट हो गया है और उसे

प्रधानमंत्री ने कहा कि ह्यडिजिटल अरेस्ट के नाम पर जो फरेब चल रहा है उससे निपटने के लिए तमाम जांच एजेंसी राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम कर रही हैं और आपसी तालमेल के लिए नेशनल साइबर कोआर्डिनेशन केंद्र की स्थापना की गई है।

जुमार्ना देना होगा। कई लोग ऐसे मामलों में डर जाते हैं और शिकार बन जाते हैं ।प्रधानमंत्री ने ह्यमन की बातह्न के दर्शकों को विस्तार से बताया कि इस प्रकार के फरेब करने वाले गिरोह कैसे काम करते हैं और कैसे ह्यखतरनाक खेल खेलते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल अरेस्टके शिकार होने वालों में हर वर्ग और हर उम्र के लोग हैं।

राजद में शामिल हुए शहाबुद्दीन की पत्नी और बेटे, सिवान क्षेत्र में पार्टी का जनाधार बढ़ने की उम्मीद बढ़ी

एजेंसी

सिवान:दिवगंत आरजेडी नेता शहाबुद्दीन की पत्नी हिना साहब और बेटे ओसामा रविवार को राजद में शामिल हो गए हैं। दोनों के राजद में शामिल होने पर पार्टी को सिवान क्षेत्र में राजनीतिक लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। बता दें, हिना साहब और ओसामा ने राजद प्रमुख लालू यादव की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता हासिल की। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई है। ये कार्यक्रम राबड़ी देवी के 10 सर्कुलर रोड आवास पर आयोजित किया गया था ।इस मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा, 'आज आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी में हम लोगों की कद्दावर नेता रही हिना शहाब ने पुनः पार्टी सदस्यता ग्रहण की है उनके पुत्र ओसामा शहाब भी पार्टी में शामिल हुए हैं। कई समर्थकों ने भी पार्टी की सदस्यता ली है। मेरा विश्वास है कि इससे सिवान के साथ-साथ पूरे बिहार में पार्टी को मजबूती मिलेगी। हम लोगों की जो धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा है इस माध्यम से इसे हम जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।'

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने जेपी नड्डा से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली:मुख्यमंत्री ने नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की और कहा कि राज्य राष्ट्रीय खाद्य भंडार में गेहूं की आपूर्ति में लगभग 50 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने कहा कि गेहूं की खेती के लिए डीएपी सबसे जरूरी तत्व है और इस साल गेहूं की बुआई के लिए राज्य में 4.80 लाख टन डीएपी की जरूरत है ।मान ने कहा कि अब तक राज्य को 3.30 लाख मीट्रिक टन डीएपी खाद मिला है जो अपर्याप्त है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात समझ में आती है कि 70 प्रतिशत डीएपी दूसरे देशों से आयात किया

जाता है, इसलिए यूक्रेन युद्ध और अन्य अंतरराष्ट्रीय कारणों से डीएपी की कमी है ।हालांकि, उन्होंने कहा कि राज्य में डीएपी की जरूरत मुख्य रूप से 15 नवंबर तक है, इसलिए केंद्र सरकार को अन्य राज्यों की तुलना में राज्य को डीएपी आवंटित करने में प्राथमिकता देनी चाहिए क्योंकि दूसरे राज्यों को बाद में इसकी जरूरत पड़ेगी।

सीमा पार घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है : अमित शाह

एजेंसी

पेट्रापोल (पश्चिम बंगाल) । केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है। शाह ने दावा किया कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता में आयी तो पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन रोका जाएगा। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रापोल भू पत्तन पर एक नए यात्री टर्मिनल भवन और एक मैत्री द्वार के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस

(टीएमसी) सरकार की आलोचना की और राज्य के लोगों से 2026 में राजनीतिक बदलाव लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है।

वामपंथियों को हराने के लिए सांप्रदायिक ताकतों से गठजोड़ कर रही आईयूएमएल : विजयन

एजेंसी

केरल:केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उसने वामपंथियों को हराने के लिए जमात-ए-इस्लामी जैसे सांप्रदायिक और आतंकवादी समूहों के साथ गठजोड़ किया है ।यह वीनर्स नकली दांतों से 300 गुना बेहतर है ! और कीमत बहुत सस्ती हैऔर जानेंविपक्षी दल कांग्रेस की प्रमुख सहयोगी आईयूएमएल का बचाव करते हुए केरल प्रदेश कांग्रेस समिति

(केपीसीसी) के प्रमुख के. सुधाकरन ने मुख्यमंत्री पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए अल्पसंख्यक संगठनों का बहिष्कार करने का आरोप लगाया ।इससे पहले दिन में, विजयन ने माकपा की प्रदेश समिति के सदस्य पी. जयराजन की किताब केरलमः मुस्लिम राष्ट्रियम -राष्ट्रीय इस्लाम का विमोचन करने के बाद कहा कि आईयूएमएल राज्य में वामपंथियों के खिलाफ काम करने के लिए सांप्रदायिक और आतंकी ताकतोंके साथ जुड़ने में संकोच नहीं करती है ।उन्होंने अपने भाषण में कहा, लीग (आईयूएमएल) द्वारा खड़ा किया गया। एक बड़ा खतरा यह है कि वामपंथियों को हराने की अपनी उत्सुकता में, इसने एसडीपीआई, जमात-ए-इस्लामी और किसी भी अन्य सांप्रदायिक आतंकवादी संगठन के साथ गठजोड़ करने से संकोच नहीं किया है।

बांद्रा रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में नौ लोग घायल, विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार

एजेंसी

मुंबई : मुंबई के बांद्रा रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह भगदड़ मच गयी, जिसमें नौ लोग घायल हो गए। यह हादसा बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन पर चढ़ने के दौरान हुआ।अधिकारियों के मुताबिक, बांद्रा टर्मिनल के प्लेटफॉर्म संख्या एक पर भारी भीड़ थी। ट्रेन पर चढ़ने के दौरान धक्का-मुक्की हुई, जिसकी वजह से भगदड़ मच गयी और नौ लोग इसमें घायल हो गए। घायलों को भाभा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार,

इन नौ में से दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है ।घायलों की हुई पहचानबृहन्मुंबई महानगरपालिका के एक अधिकारी ने बताया कि घायलों की पहचान हो गयी है। बांद्रा स्टेशन पर घायल हुए लोगों की पहचान शबीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदर गुप्ता (28), रवींद्र हरिहर चूमा (30), रामसेवक रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगे (27), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत सहानी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के रूप में की गयी है ।विपक्ष ने मोदी सरकार को घेरा बांद्रा रेलवे स्टेशन पर हुए इस हादसे पर राजनीति शुरू हो गयी है।

अशांति फैलाने वालों के खिलाफ सख्त ममता बनर्जी, पुलिस को दिए बड़े निर्देश, कहा-

मैं सांप्रदायिक तनाव नहीं चाहती

एजेंसी

पश्चिम बंगाल:पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पुलिस से राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने का आग्रह किया है। उन्होंने दावा किया था कि कुछ बदमाश आगामी काली पूजा, दिवाली और छठ पूजा समारोहों के दौरान अशांति पैदा करने की योजना बना रहे हैं। हालाँकि उन्होंने इसमें शामिल लोगों की पहचान उजागर नहीं करने का फैसला किया, लेकिन उन्होंने खुफिया प्रयासों को मजबूत करने और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की मौजूदगी बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया। बनर्जी ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी उत्सव के माहौल का फायदा उठाकर अशांति पैदा न कर सके ।चक्रवात दाना से प्रभावित सात जिलों में स्थिति का आकलन करते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से बात करते हुए उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा, "मैं बंगाल में सांप्रदायिक तनाव नहीं चाहती। पुलिस किसी भी उकसावेबाज के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, लेकिन मैं मीडिया से आग्रह करती हूं कि इसे सनसनीखेज न बनाएं। कृपया जनता को भड़काने से बचें।" ओडिशा और पश्चिम बंगाल दोनों राज्यों में शुक्रवार को तूफान के गुजर जाने के बाद उड़ानें, रेलगाड़ियां और बस सेवाएं शीघ्र ही बहाल हो गईं, क्योंकि अधिकारी चक्रवात के कारण उत्पन्न व्यवधानों का आकलन करने और उन्हें दूर करने में लगे हुए थे। चक्रवात आधी रात के बाद धामरा और भीतरकनिका के बीच पहुंचा था।

दिल्ली में फिर वायु गुणवत्ता ह्यबेहद खराब श्रेणी में दर्ज, कई स्थानों पर एक्यूआई गंभीर

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में दो दिन के अंतराल के बाद रविवार को फिर से वायु गुणवत्ता ह्यबेहद खराबह्न श्रेणी में दर्ज की गई क्योंकि प्रदूषण के स्तर में सुधार लाने वाली हवा की रफ्तार धीमी हो गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 359 दर्ज किया गया जबकि शनिवार को यह 255 था।

सीपीसीबी ने 40 निगरानी केंद्र में से 36 का आंकड़ा साझा किया, जिसमें से आनंद विहार, अलीपुर, बवाना, जहांगीरपुरी, मुंडका, वजीरपुर, विवेक विहार और सोनिया विहार में वायु गुणवत्ता ह्यगंभीरह्न श्रेणी में दर्ज की गई जबकि शेष 28 में एक्यूआई ह्यबेहद

खराबह्न श्रेणी में रहा। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को ह्यअच्छाह्न, 51 और 100 के बीच ह्यसंतोषजनकह्न, 101 और 200 के बीच ह्यमध्यमह्न, 201 और 300 के बीच ह्यखराबह्न, 301 और 400 के बीच ह्यबेहद खराबह्न तथा 401 और 500 के बीच एक्यूआई को ह्यगंभीरह्न श्रेणी में माना जाता है ।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में हवा की रफ्तारशून्य किमी प्रति घंटा थी। पिछले दो दिन से अनुकूल हवाओं के कारण राजधानी की वायु गुणवत्ता ह्यबहुत खराबह्न से सुधरकर ह्यखराबह्न श्रेणी में पहुंच गई थी। दिल्ली में रविवार तड़के धुंध की मोटी परत छा गई जिससे दृश्यता बहुत कम हो गई। राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान 20.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से एक डिग्री अधिक था ।आईएमडी ने बताया कि दिल्ली में सुबह आर्द्रता का स्तर 93 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने राजधानी में आज आसमान साफ ??र

भाजपा कार्यालय में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अन्य नेताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में स्वदेश, संस्कृति एवं सुरक्षा की विशेष चर्चा कर देश की उन्नति की जिक्र किया : सम्राट चौधरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 27 अक्टूबर। बिहार भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' को आज भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह बिहार सरकार में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी समेत तमाम नेता और कार्यकताओं ने बैठकर सुना।

भाजपा कार्यालय में मन की बात के 115 वें एपिसोड को सुनने वालों में उप मुख्यमंत्री श्री चौधरी के अलावा उपाध्यक्ष सिद्धार्थ शंभु, महामंत्री जगन्नाथ ठाकुर, कार्यालय मंत्री प्रवीण चंद्र राय, अमित प्रकाश बबलू, ओम प्रकाश भुवन, रोहित चंद्रा, सजल झा सहित प्रदेश के कई पदाधिकारी, नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मन की बात सुनने के बाद उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक उद्बोधन कार्यक्रम मन की बात को वरिष्ठ नेतागण और कार्यकर्तागण के साथ में सुना।प्रधानमंत्री 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने आत्मनिर्भर भारत, बिरसामुंडा, कार्टून कैरेक्टर छोटा भीम, भारतीय संस्कृति, स्वामी विवेकानंद का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने आत्मनिर्भर भारत की उपलब्धियों को गिनाते हुए डिजिटल अरेस्ट, भारतीय संस्कृति और फिट इंडिया कैंपेन पर भी लोगों को जागरूक किया। उन्होंने देश के प्रगति के पथ पर चलने का भी जिक्र किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष 15 नवंबर को मैं भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके जन्मस्थान झारखंड के उलिहातू गांव गया था। इस यात्रा का मुझ पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा। मैं देश का पहला प्रधानमंत्री हूं, जिसे इस पवित्र भूमि की मिट्टी को अपने माथे से लगाने का सौभाग्य मिला।उन्होंने विवेकानन्द के दिए गए मंत्र का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने कभी सफलता का मंत्र दिया था। उनका मंत्र था, 'एक विचार लो, उस एक विचार को अपना जीवन बना लो, उसके बारे में सोचो, उसके सपने देखो, उसे जीना शुरू कर दो।' आज आत्मनिर्भर भारत अभियान भी सफलता के उसी मंत्र पर चल रहा है। ये अभियान हमारी सामूहिक चेतना का हिस्सा बन चुका है।

सम्भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने तरारी में सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात'

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ प्रधानमंत्री के संबोधन सुनने से जनसेवा और प्रगति के लिए निरंतर प्रयास करने की मिलती है प्रेरणा : डॉ. दिलीप जायसवाल

पटना, 27 अक्टूबर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की "मन की बात" तरारी में सुनी। इस मौके पर पार्टी के कई पदाधिकारी और सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ता और आम लोगों ने भी इस जनसंवाद कार्यक्रम का सीधा प्रसारण सुना।

मन की बात सुनने के बाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन से हम सभी में एक नई ऊर्जा का संचार होता है एवं जनसेवा और प्रगति के लिए निरंतर प्रयास करने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने बताया कि इस जनसंवाद कार्यक्रम के जरिये प्रधानमंत्री ने कई नई चीजों की जानकारी लोगों को दी है , जिसका लाभ पूरे देश को मिला है। उन्होंने कहा कि आज के मन की बात एपिसोड में प्रधानमंत्री ने देश की उन्नति का जिक्र किया तो कई महापुरुषों का उद्धरण पेश किया। उन्होंने कार्टून कैरेक्टर छोटा भीम की भी चर्चा की। उन्होंने सरदार वल्लभ भाई पटेल और भगवान विरसा मुंडा का जिक्र करते हुए कहा कि इन दोनों महापुरुषों के सामने चुनौतियां अलग-अलग थीं, लेकिन उनका विजन एक ही था, 'देश की एकता'। प्रधानमंत्री ने मन की बात में भारतीय मशहूर कार्टून कैरेक्टर छोटा भीम के जरिए भारतीय एनीमेशन सेक्टर को मिले बूस्ट का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत के एनिमेशन कैरेक्टर, यहां की एनिमेशन फिल्में, अपने कंटेंट और क्रिएटिविटी की वजह से पूरी दुनिया में पसंद की जा रही हैं। भारत एनिमेशन की दुनिया में एक नई क्रांति लाने की राह पर है। भारत का गेमिंग सेक्टर भी तेजी से बढ़ रहा है। भारतीय खेल भी आजकल पूरी दुनिया में मशहूर हो रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने जोर देकर कहा कि आज के मन की बात एपिसोड में प्रधानमंत्री ने 'वोकल फॉर लोकल' का मंत्र दोहराते हुए सभी से आत्मनिर्भर भारत के लिए किए जा रहे प्रयासों को जितना हो सके, उतने लोगों को शेयर करने की बात कही। उन्होंने लोगों से आपने अपने आस- पड़ोस में कौन-सा नया इनोवेशन देखा, किस लोकल स्टार्टअप ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया।

दिघवारा थानान्तर्गत ग्राम-मानपुर से कुल 17,190 रुपए, 05 मोबाइल, 01 मोटरसाइकिल के साथ 09 जुआरिओं को किया गया गिरफ्तार।

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक-27.10.24 को दिघवारा थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम मानपुर आम के बगीचा में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। उक्त सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दिघवारा थाना पुलिस टीम ग्राम- मानपुर आम के बगीचा पहुँच कर छापामारी किया। छापामारी के क्रम में नगद 17,190 रूपया, 01 मोटरसाईकिल, 05 मोबाइल, 02 तास की गड्डी तथा जुआ खेलते 09 व्यकित 1. राजेश प्रसाद, पिता- मोती साह, साकिन थाना- हरनौत, जिला- नालंदा 2. पंकज कुमार, पिता ब्रह्मदेव महतो, 3. अनिल राय पिता- परमेश्वर राय, 4. विशाल कुमार, पिता स्व० रामजी राय, 5. मनोज राय, पिता रामजी राय 6. परमात्मा कुमार, पिता- प्रयाग राय 7. कामेश्वर महतो, पिता- पलटू महतो, 8. विनोद महतो, पिता प्रहलाद महतो, 9. जय प्रकाश साह, पिता भीषण साह सभी साकिन मानुपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण को गिरफ्तार किया। इस संबंध में दिघवारा थाना कांड सं0-387/24, दिनांक-27.10.24 धारा 11 बंगाल जुआ अधि० दर्ज कर घटना में संलिप्त अन्य की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।

? गिरफ्तार अभियुक्त का नाम एवं पता :-

1. राजेश प्रसाद, पिता मोती साह, साकिन थाना हरनौत, जिला- नालंदा . पंकज कुमार, पिता ब्रहादेव महतो, साकिन मानुपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण।2 3. अनिल राय पिता परमेश्वर राय, साकिन मानुपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण। 4. विशाल कुमार, पिता स्व० रामजी राय, साकिन मानुपुर, थाना दिघवारा, जिला सारण। 5. मनोज राय, पिता रामजी राय, साकिन- मानुपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण। 6. परमात्मा कुमार, पिता- प्रयाग राय, साकिन 7. कामेश्वर महतो. पिता पलटू महतो, साकिन मानुपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण। मानूपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण। 8. विनोद महतो, पिता प्रहलाद महतो, साकिन मानूपुर, थाना दिघवारा, जिला सारण। 9. जय प्रकाश साह, पिता भीषण साह, साकिन मानुपुर, थाना-दिघवारा, जिला- सारण।

> जप्त / बरामद सामानों की विवरणी :-

1. नगद राशि 17,190 रूपया 2. मोटरसाईकिल 01, 3. मोबाईल 05, एवं त्तास 02

? टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी/कर्मी :-

1. पु०अ०नि० रविशंकर कुमार थानाध्यक्ष दिघवारा थाना, 2. पु०अ०नि० राजकुमार सिंह, 3. पु०अ०नि० ओमप्रकाश सिंह, 4. प्र०पु०अ०नि० शेलेन्द्र कुमार 5. स०अ०नि० भोली दास 6. सि० सदानंद कुमार 7. सि० प्रभाकर कुमार 8. सि० रामानुज कुमार 9. सि० पंकज कुमार 10. गृहरक्षक ओमप्रकाश सिंह दिघवारा थाना एवं थाना के अन्य कर्मी।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत वर्तमान ऋण सीमा को उभरते उद्यमियों को प्रोत्साहन देने के लिए 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये किया गया है :- अरविन्द सिंह

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 27 अक्टूबर :- भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरविन्द कुमार सिंह ने कहा है कि एनडीए सरकार की केन्द्रीय बजट के 2024-25 में घोषणा के अनुरूप प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत एनडीए सरकार में मुद्रा ऋण की मौजूदा सीमा को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है।

एनडीए सरकार द्वारा यह वृद्धि मुद्रा योजना के समग्र उद्देश्य को प्रोत्साहन देने की एक और सकारात्मक पहल है। श्री अरविन्द ने कहा है कि यह वृद्धि विशेष रूप से उभरते उद्यमियों के लिए लाभकारी है, जिससे उन्हें विकास और विस्तार में सहायता मिलेगी। एनडीए सरकार द्वारा यह पहल एक मजबूत उद्यमी इको-सिस्टम को बढ़ावा देने की एनडीए सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

यह तरुण प्लस की नई श्रेणी 10 लाख रुपये से अधिक एवं 20 लाख रुपये तक के ऋणों के लिए है। और यह उन उद्यमियों को उपलब्ध होगी जिन्होंने तरुण श्रेणी के अंतर्गत पिछले ऋणों का लाभ उठाते हुए उनका सफलतापूर्वक भुगतान भी किया है।

20 लाख रुपये तक के प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) ऋणों की गारंटी कवरेज माइक्रो यूनिट्स के लिए क्रेडिट गारंटी फंड (सीजीएफएमयू) के तहत प्रदान की जाएगी।

इनर व्हील क्लब सारण ने स्लम एरिया के बच्चों के बीच मनाई दिवाली बाटी खुशियां

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

इनर व्हील क्लब सारण के तरफ से गरीब बच्चों के बीच पटाखे, लड्डू और मिट्टी के दिया बांटा गया । इनर व्हील सारण की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने बच्चों को पटाखे उड़ाने में सावधानियां बताई और उससे पर्यावरण को नुकसान के बारे में भी बताया, मिट्टी के दीए जलाने के लिए जागरूक किया । क्लब की अध्यक्ष ने बच्चों के साथ दिवाली मनाई और पटाखे जलाई, जिससे बच्चे बहुत ही खुश हुए। इसकी जानकारी क्लब की अध्यक्ष शिल्पी कुमारी ने दिया ।

पुलिस ने चार लोगों को अलग अलग मामले में पकड़कर भजा जेल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सिमरिया भिंडी गांव से न्यायालय के आदेश पर दो वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा। इस संबंध में थानाध्यक्ष सह प्रशिक्षु डीएसपी विकास केशव ने बताया कि जेल भेजे गये वारंटी की पहचान गांव के ही दिलीप सहनी व सुनील सहनी के रूप में की गई है। वहीं दूसरी ओर चकमेहसी थाना की पुलिस के एएसआई संजीव कुमार सिंह ने थानाध्यक्ष दिव्य ज्योति के निर्देश पर पुलिस बल के साथ नामापुर गांव में छापेमारी कर एनबीडब्लू गांव निवासी प्रेमलाल साह एवं मुकेश साह को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। इसकी पुष्टि थाना अध्यक्ष दिव्या ज्योति ने की।

हरपुर रेवाड़ी पंचायत में विकास हुआ टांय टांय फीस, मुखिया ने कहा कोई अधिकारी मेरी बातों को सुनता नहीं

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के उजियारपुर के अंतर्गत हरपुर रेवाड़ी पंचायत में सरकारी योजना नहीं मिलने पर यहां की जनता आंसू बहाने पर मजबूर है। पंचायत चुनाव हुए तीन वर्ष बीतने को है मगर सरकारी कोई योजना नहीं मिलने पर पंचायत में विकास का काम नहीं हो रहा है। पूछे जाने पर उक्त पंचायत की मुखिया ममता देवी ने बताया कि अगर सरकार हमें योजना देती तो मैं अपने पंचायत में विकास की झड़ी लगा देती। मुखिया ने बताया कि नलजल योजना मात्र तीन से चार वार्डों में चल रहा है। उन्होंने बताया कि जिस जगह जल मीनार बना है वह काफी नीचे है, जिसके कारण ऊंचे एक दो वार्ड में पानी भी सही से लोगों को नहीं मिल रहा है। मुखिया ममता देवी ने बताया कि सोलर लाईट जहां जहां लगा है वह भी टांय टांय फीस हो गया। कोई भी सोलर लाईट सही से काम नहीं कर रहा है। इतना ही नहीं हरपुर रेवाड़ी में पेंशन धारियों को पेंशन भी नहीं मिल रहा है, कुछ लोगों वृद्धा पेंशन पूर्व में मिल रहा था उसको भी पेंशन की राशी बंद कर दी गई है। मुखिया ने बताया कि यह सब समस्या को लेकर प्रखंड स्तर पर शिकायत करने से कोई अधिकारी सुधि लेना नहीं चाहते। इन्हीं सब मामले को लेकर यहां के ग्रामीणों में बिहार सरकार के प्रति नाराजगी देखी जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द मोदी के मन की बात का 115 वे एपिसोड को लोगों ने सुना

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। कल्याणपुर विधानसभा के घोघराहा वार्ड संख्या एक दलित बस्ती मे जिला उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल शर्मा सह विधानसभा प्रभारी किसान मोर्चा कि अध्यक्षता में नरेंद्र मोदी के 115 वें मन कि बात एपिसोड रेडियो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल और बिरसा मुंडा की 150 वां जयंती मनाने की बात कही उन्होंने कहा कि आप साइबर फ्रॉड से बचें अगर कोई ऐसा कॉल करता है तब आप अपना ओटीपी या पिनकोड किसी को नहीं दें। कॉल को रिकॉर्ड करें राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर डायल करें और स्क्रीनशॉट ले कोई सरकारी कंपनी फोन पर ना धमकी देती है ना आपसे पैसा मांगती है। इसलिए आप सतर्क रहें और घबराने की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री ने लोगों खादी कपड़ा खरीदने की अपील की। मौके पर भाजपा नेता सुशील कुमार गुप्ता, अजय पासवान आदि मौजूद थे।

मंत्री मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार, रत्नेश सादा ने रहिका प्रखंड के बलिया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो .अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी,मंत्री मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार, रत्नेश सादा ने रहिका प्रखंड के बलिया पंचायत के रैयाम चीनी मिल के परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का किया उद्घाटन।

सरकार द्वारा लागू की गई शराब बंदी नीति ने राज्य में सामाजिक सुधार की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा है मंत्री।-

नशा सेवन के सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों पर डाला विस्तृत प्रकाश।

नशा मुक्ति एवं शराब के दुष्प्रभाव पर पर कला जत्था की हुई शानदार प्रस्तुति।

? मंत्री मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार सरकार, रत्नेश सादा ने रहिका प्रखंड के बलिया पंचायत के रैयाम चीनी मिल के परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री ने उपस्थित लोगों से सीधा संवाद किया और शराब बंदी के तमाम फायदे बताए। उन्होंने नशा सेवन के सामाजिक और आर्थिक दुष्प्रभावों पर विस्तृत प्रकाश डाला।माननीय मंत्री ने कहा कि सरकार द्वारा लागू की गई शराब बंदी नीति ने राज्य में सामाजिक सुधार की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने नशे से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से जानकारी दिया साथ ही सभी को हर प्रकार की नशा से दूर रहने को लेकर अपील भी किया।अपने संबोधन में उन्होंने उपस्थित लोगों को नशे के सेवन से दूर रहने का संकल्प दिलाते हुए शराब बंदी कानून को सफल बनाने का आह्वान किया। इस दौरान नशा मुक्ति एवं शराब के दुष्प्रभावपर कला जत्था की शानदार प्रस्तुति भी हुई। उन्होंने इस अवसर पर कला जत्था के प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला मंत्री ने कहा कि सतत जीविकोपार्जन योजना ने बिहार के अत्यंत निर्धन परिवारों के जीवन में एक नई उत्साह का संचार किया है। यह योजना गरीबी और बेरोजगारी के कुचक्र को तोड़ने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।मौके पर अधीक्षक, मद्य निषेध विभाग, मधुबनी, विजयकांत ठाकुर, जदयू जिलाध्यक्ष, फुले भंडारी, रामसुंदर सदा, राम नरेश चौपाल, अरुण कुमार राम, प्रभु जी झा, अनिल चौधरी, भरत चौधरी, इंदु भारती, महानारायण राय, संतोष ऋषि मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डॉङ्क अभिषेक कुमार ने किया

बिहार सरकार के मंत्री मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग रत्नेश सादा ने दरभंगा जिले का दौरा कर महादलित बस्ती में आयोजित शराबबंदी जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा):- बिहार सरकार के मंत्री मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग रत्नेश सादा ने दरभंगा जिले का दौरा कर महादलित बस्ती में आयोजित शराबबंदी जागरूकता कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम बिहार सरकार की महत्त्वाकांक्षी योजना है जो जीविका और कला जत्था के द्वारा आयोजित किया गया था। शराबबंदी पर चर्चा करते हुए मंत्री महोदय ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा लागू की गई शराबबंदी नीति ने राज्य में सामाजिक सुधार की दिशा में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने नशे से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तार से बोर्ड पर लिख कर चर्चा करते हुए सभी को हर प्रकार के नशापान से दूर रहने का संदेश दिया। साथ ही सभी को शिक्षा से जुड़ कर गरीबी समाप्त करने की बात कही। इस अवसर पर उन्होंने सतत जीविकोपार्जन योजना के तहत दरभंगा के कुल 671 लाभार्थी परिवारों को दो करोड़ दो लाख एकावन हजार का प्रतीकात्मक चेक प्रदान किया। 06 इलेक्ट्रिक रिक्शा व एक ठेला का फीता काट कर अनावरण कर जीविका दीदियों को चाभी सौंपी। मंत्री महोदय ने सतत जीविकोपार्जन योजना की सफलता की भी सराहना की, जिसे ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत जीविका द्वारा संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना अत्यंत निर्धन परिवारों को गरीबी के कुचक्र से बाहर निकालने में मदद कर रही है और अब तक 2.01 लाख से अधिक परिवारों को इससे जोड़ा जा चुका है। यह एक अद्वितीय सफलता है। दरभंगा जिले में योजना का प्रभाव विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां 7,000 से अधिक निर्धन परिवारों को इसका लाभ मिला है। डीपीएम डॉ. ऋचा गार्गी ने बताया कि सतत जीविकोपार्जन योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और अत्यंत निर्धन परिवारों को आर्थिक सशक्तिकरण की ओर अग्रसर करना है। इसके तहत इन परिवारों को वित्तीय सहायता, क्षमता विकास, और परिसंपत्तियों के निर्माण में सहयोग प्रदान किया जाता है।

साथ ही योजना के माध्यम से इन परिवारों को न केवल रोजगार के अवसर मिल रहे हैं बल्कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना, जन वितरण प्रणाली अंतर्गत राशन कार्ड, शौचालय, और आयुष्मान कार्ड जैसी लाभकारी योजनाओं से भी जोड़ा गया है, जिससे उनकी जीवनशैली में समग्र सुधार हो सके।

एनीमिया मुक्त शिविर का आयोजन किया गया

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

केवटी(दरभंगा) :- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केवटी रनवे की ओर से +2 गेनालाल जयलाल साहु उच्च विद्यालय खिरमा पथरा में एनीमिया मुक्त शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में एनीमिया मुक्त कार्यक्रम के तहत एनीमिया की जांच व इसके उपायों के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें बच्चों, किशोरों, गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं व प्रजनन आयु वर्ग की महिलाओं में एनीमिया को कम करने तथा बच्चों के आहार तय करने के अलावे गंभीर तीव्र कुपोषण और मध्यम तीव्र कुपोषण का इलाज किये जाने की जानकारी दी गई। इस अवसर पर डॉ. राजेश कुमार, प्रयोगशाला प्राविधिक राजीव कुमार, फार्मासिस्ट शशि भूषण, सीएचओ डिंपल कुमारी, पंचायत समिति सदस्य, उप मुखिया, आंगनवाड़ी सेविका, एएनएम, वार्ड सदस्य आदि मौजूद थे।

जनसम्पर्क विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे, वाराणसी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

वाराणसी, 27 अक्टूबर, 2024: रेलवे प्रशासन द्वारा त्यौहारों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये 05111/05112 छपरा-नई दिल्ली-छपरा साप्ताहिक पूजा विशेष गाड़ी का संचलन छपरा से 28 अक्टूबर तथा 04 एवं 11 नवम्बर, 2024 दिन प्रत्येक सोमवार तथा नई दिल्ली से 29 अक्टूबर तथा 05 एवं 12 नवम्बर, 2024 दिन प्रत्येक मंगलवार को 03 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

05111 छपरा-नई दिल्ली पूजा विशेष गाड़ी 28 अक्टूबर तथा 04 एवं 11 नवम्बर, 2024 को छपरा से 14.00 बजे प्रस्थान कर मसरख से 15.00 बजे, दिघवा दुबौली से 15.32 बजे, थावे से 17.03 बजे, तमकुही रोड से 17.35 बजे, पड़रौना से 18.08 बजे, कप्तानगंज से 19.30 बजे, पिपराईच से 20.12 बजे, गोरखपुर से 20.55 बजे, खलीलाबाद से 21.37 बजे, बस्ती से 22.04 बजे, गोण्डा से 23.35 बजे, दूसरे दिन बुढ़वल से 00.42 बजे, सीतापुर जं. से 03.05 बजे, बरेली से 06.50 बजे तथा मुरादाबाद से 08.25 बजे छूटकर नई दिल्ली 11.50 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05112 नई दिल्ली-छपरा पूजा विशेष गाड़ी 29 अक्टूबर तथा 05 एवं 12 नवम्बर, 2024 को नई दिल्ली से 12.50 बजे प्रस्थान कर मुरादाबाद से 17.10 बजे, बरेली से 18.40 बजे, सीतापुर जं. से 22.50 बजे, दूसरे दिन बुढ़वल से 01.05 बजे, गोण्डा से 02.10 बजे, बस्ती से 03.25 बजे, खलीलाबाद से 03.57 बजे, गोरखपुर से 05.10 बजे, पिपराईच से 05.45 बजे, कप्तानगंज से 06.10 बजे, पड़रौना से 06.50 बजे, तमकुही रोड से 07.25 बजे, थावे से 08.35 बजे, दिघवा दुबौली से 09.32 बजे तथा मसरख से 10.05 बजे छूटकर छपरा 11.30 बजे पहुँचेगी।

उत्तर बिहार के अल्पसंख्यक नेत्री हीना शहाब ने फिर राजद का दामन थामा कार्यकर्ताओं मे खुशी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज 27 अक्टूबर रविवार। लंबे समय से नाराज चल रही राजद के बागी नेत्री हीना शाहब व दिवंगत पूर्व सांसद डॉक्टर शहाबुद्दीन साहब की पत्नी को राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री श्री लालू प्रसाद यादव ने राजद नेताओं की उपस्थिति मे अपनी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाया। बता दे की राजद के सच्चा सिपाही कहे जाने वाले दिवंगत पूर्व सांसद शहाबुद्दीन साहब ने अपने जिंदगी मे कभी राजद से नाता नही तोड़ा। लेकिन हीना शहाब ने राज्य सभा सांसद बनाने की पार्टी से अपेक्षा रखने बाद जब उन्हें पार्टी ने राज्य सभा सांसद नही बनाया तो नाराज हो कर राजद से नाता तोड़ लिया जिसे राजद को बीते लोक सभा चुनाव मे पार्टी का टिकट ठुकरा कर निर्दलीय प्रत्याशी के रुप मे सिवान लोक सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा लेकीन हार का सामना करना पड़ा और चुनाव मे दुसरे स्थान पर रह कर महागठबंधन को बिहार मे माय समीकरण को धवस्त कर नुकसान पहुंचाई। लेकिन पार्टी ने बिहार मे विधान सभा के चार सीटों पर हो रहे चुनाव को देखते हुए फिर माय समीकरण बिहार मे कामयाब रहे इसके लिए राजद नेत्री का मान मनौव्वल का दौर लोक सभा चुनाव के बाद से ही की जा रही थी जो आज कामयाब हुआ। वही बिसवस्त सूत्रों के हवाले सेखबर निकल कर आ रही है की पार्टी ने हिना शहाब को राज्य सभा सांसद बनाने और पुत्र ओशामा को विधान सभा चुनाव में पार्टी के टिकट पर सिवान के रघुनाथपुर विधान सभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने का समझौता पर डील हुआ है जिसे अपने पुराने घर में राजद नेत्री ने वापसी की है। वही जिले मे राजद कार्यकर्ताओं का कहना है की शहाबुद्दीन परिवार के राजद मे वापसी से बिहार में महागठबंधन और मजबूत होगा और जिले के कार्यकर्ताओं में उत्साह और खुशी देखी गई ।

राजू तिवारी की अध्यक्षता में आगामी 28 नवंबर को प्रस्तावित पटना के गांधी मैदान में रैली को ऐतिहासिक बनाने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दिनांक 27 अक्टूबर, 2024लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय स्थानीय श्रीकृष्णापुरी पटना में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजू तिवारी की अध्यक्षता में आगामी 28 नवंबर को प्रस्तावित पटना के गांधी मैदान में रैली को ऐतिहासिक बनाने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक को पार्टी के सांसद श्री अरुण भारती नें संबोधित करते हुए बैठक में मौजूद पार्टी के सभी मौजूद वरीय पदाधिकारियों से आगामी 28 नवंबर को पटना के गांधी मैदान में आयोजित पार्टी की रैली को ऐतिहासिक बनाने की अपील की। श्री भारती ने रैली से संबंधित तमाम व्यवस्था और तैयारी का जायजा लिए और सभी बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक पार्टी के पदाधिकारी से सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विमर्श कियें। इस महत्वपूर्ण बैठक में पार्टी के सांसद बिहार से जुड़े राष्ट्रीय पदाधिकारी पार्टी के प्रदेश के सभी प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष शामिल हुए।

इस बैठक में आगामी 28 नवंबर को आयोजित होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने और प्रदेश भर में संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा हुई. जहां सभी नेताओं ने अपने अहम सुझाव दिए। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने बताया कि अवसर पर मुख्य रूप से पार्टी के माननीय जमुई सांसद अरुण भारती, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा, राष्ट्रीय महासचिव सत्यानंद शर्मा, डॉ शाहनवाज अहमद कैफी, शंकर झा बाबा, धनंजय मृणाल, युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव अनिल पासवान पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान, सुरेंद्र विवेक, असरफ अंसारी, संजय कुमार सिंह, सुरेंद्र ठाकुर, डॉ अजय, रामप्रवेश यादव, शोभा सिन्हा, अमित कुमार रानू, मनोज कुमार, अमित किशोर सिंहा, प्रिंस मृणाल, मनोज कुमार, इंदिरा सिंह, परशुराम पासवान, मिथिलेश निषाद मौजूद थे ।

शहर की सबसे पुरानी बी अलंकर ज्वेलर्स एंड संस मे अनेक तरह के गहनों पर विशेष छूट दी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

छपरा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष की धनतेरस दीपावली और छठ के अवसर पर शहर की सबसे पुरानी बी अलंकर ज्वेलर्स एंड संस मे अनेक तरह के गहनों पर विशेष छूट दी गई है जिससे ग्राहकों को पूरा लाभ मिल रहा है यहां चांदी, सोना , हीरा, प्लैटिनम केआभूषण पर कई तरह की छूट धनतेरस के अवसर पर रखी गई है इस दुकान में प्रथम तल पर ज्वेल मैजिक की दुकान स्थित है जो बीबीसी टावर साहिबगंज छपरा में मौजूद है इस दुकान में पूर्ण वारंटी के साथ हर प्रकार का गहना उपलब्ध है

विकास के पथ पर अग्रसर हैं राज्य सरकार : विजय कुमार चौधरी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

विद्यापतिनगर (समस्तीपुर)। राज्य सरकार विकास के पथ पर लगातार अग्रसर है। न्याय के साथ हर गांव, टोले में हर समुदाय व हर तबके का विकास हो रहा है। सरकारी योजनाओं का लाभ आम लोगों तक पहुंच रहा है। गरीब के झोपड़ी तक विकास की रौशनी देखने को मिल रही है। उक्त बातें बिहार सरकार के जल संसाधन सह संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने रविवार को सिमरी पंचायत में आयोजित जदयू के मिलन समारोह के दौरान कही। उन्होंने विभिन्न दलों से आये पांच दर्जन लोगों को जदयू में शामिल होने पर सभी को माला पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराते हुए कहा कि इन लोगों के जदयू में शामिल होने से पार्टी संगठन को काफी मजबूती मिलेगी। समारोह की अध्यक्षता राम उदगार महतो ने की जबकि संचालन पूर्व उप प्रमुख रंजीत कुमार राय ने किया। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि बिहार सरकार राज्य में सभी वर्गों के हित को ध्यान में रखते हुए हर क्षेत्र में अभूतपूर्व काम कर रही हैं। चाहे सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल व्यवस्था, शिक्षा या फिर अपराध नियंत्रण का मामला हो। उन्होंने कहा कि जनता का भरोसा आज भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व पर है। मंत्री का स्वागत पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अनिल राय ने पाग, चादर, माल्यार्पण व बुके भेंटकर किया। मौके पर प्रदेश सचिव धीरेन्द्र कुमार सिंह, वरीय जदयू नेता हरिश्चंद्र पोद्दार, जिला पार्षद अरुण कुमार सिंह, युवा जिलाध्यक्ष विशाल कुमार, यूथ ब्रिग्रेड के अध्यक्ष पदमाकर सिंह लाला, दिनेश राय, रितेश सिंह, कामेश्वर ठाकुर, साधुशरण साह, प्रमोद राय, अनिल राय, ई आदिल ईमाम, गोपाल यादव आदि मौजूद थे

पैक्स चुनाव को लेकर प्रखंड में की गई तैयारी की समीक्षा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड कार्यालय पर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रकोष्ठ में रविवार को अनुमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार ने आगामी पैक्स चुनाव को लेकर प्रखंड में की गई तैयारी की समीक्षा की। मौके पर उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी सह प्रखंड निवार्ची पदाधिकारी देवेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी के साथ विचार विमर्श करते हुए कुछ आवश्यक निर्देश दिए। शांतिपूर्ण माहौल में चुनाव कराये जाने को लेकर कल्याणपुर प्रखंड में पैक्स निर्वाचन संबंधी मतदान केंद्रों का भ्रमण निरीक्षण व प्लस टू उच्च विद्यालय कल्याणपुर परिसर जाकर स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। आगे मतगणना स्थल का निरीक्षण करते हुए उच्च विद्यालय के स्ट्रांग रूम को दिखा। मौके पर हाई स्कूल के रात्रि परहरी हीरा महतो मौजूद थे।

शराब पार्टी में चली गोली, एक युवक गंभीर रूप से जख्मी, पुलिस ने लिया एक को हिरासत में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। जिले के मोहनपुर थाना हल्का के मुर्गिया चक के पास बीती रात चार दोस्तों ने मिलकर शराब पार्टी की। शराब पार्टी के दौरान ही मित्रों में अनबन हो गया। इसी दौरान एक युवक ने गोली चला दी। इसमें 22 वर्षीय दीपक साह नामक युवक घायल हो गया, युवक के उसके सीने में गोली लगी है। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया है। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद परिवार के लोगों ने उसे पटना ले जाकर एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है। दीपक मोहीउद्दीननगर थाना क्षेत्र के चंद्रभूषण साह का बेटा बताया गया है। घटना की पुष्टि एसपी अशोक मिश्रा ने की है। घटना के संबंध में बताया गया है कि दीपक साह पुस्तक की दुकान चलाता है। रात वह अपने दोस्त राहुल पंडित, राहुल कुमार और अंशु कुमार के साथ स्वतंत्रता

सेनानी आश्रम के पास बैठकर शराब पार्टी कर रहा था। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोस्तों में अनबन हो गया। इसके बाद राहुल पंडित ने अचानक गोली चला दी। गोलीबारी की इस घटना में दीपक साह के सीने में गोली लगी है। हल्ला होने पर जुटे आसपास के लोगों ने दीपक को पटोरी अनुमंडलीय अस्पताल लाया, जहां से उसे प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया। परिवार के सदस्य उसे रात में ही लेकर पटना के एक बड़े निजी अस्पताल में लेकर गये है। यहां उसका उपचार चल रहा है। घटना किस कारण से हुई है। यह अबतक खुलासा नहीं हो पाया है। मौके से कुछ शराब की खाली बोतल भी मिली है। जिससे माना जा रहा है कि घटना से पहले यहां पर शराब की पार्टी हुई थी। जख्मी के मामा सुनील कुमार ने बताया कि उनका भांजा पुस्तक की दुकान चलाता है। रात में वह लघुशंका करने के लिए उठा था। इसी दौरान उसने कई लोगों को शराब पार्टी करते हुए देखा। गोलीबारी की घटना हुई है। एसपी अशोक मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि गोलीबारी की इस घटना में दीपक साह जख्मी हुए है। इनका उपचार पटना में चल रहा है। इस मामले में बहरहाल एक युवक को हिरासत में लिया गया है। पकड़े गये पूछताछ की जा रही है। पार्टी किस खुशी में आयोजित थी यह अभी पता नहीं चल सका है।

सुरक्षा को लेकर एसडीएम ने अधिकारियों के साथ पटाखे की दुकान पर छापामारी की

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर बाजार के मारवाड़ी बाजार बहादुरपुर रोड इत्यादिआज समस्तीपुर बाजार के मारवाड़ी बाजार बहादुरपुर रोड इत्यादि में पटाखे की दुकानों पर छापामारी की गई जिसका मुख्य उद्देश्य इन सभी का कारोबार और अस्थाई रूप से हाउसिंग बोर्ड मैदान से व्यापार करने सुरक्षा का सुरक्षा के अनुपालन मानक का अनुपालन करने तथा अनुज्ञप्ति से संबंधित बिंदुओं पर जांच की गई जांच के क्रम में सभी दुकानों पर अवस्थित फायर सिलेंडर को अद्यतन करने हेतु अग्निशमन विभाग को निर्देश दिया गया। सभी अस्थाई दुकानदारों को अनुज्ञप्ति हेतु अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन देने हेतु कहा गया तथा पटाखों का व्यापार हाउसिंग

बोर्ड के मैदान में करने का निर्देश दिया गया साथ ही शहर के संवेदनशील बिंदुओं को चिन्हित कर वहां पर अग्नि सामान की वहां को रखने का निर्देश दिया गया में पटाखे की दुकानों पर छापामारी की गई जिसका मुख्य उद्देश्य इन सभी का कारोबार और अस्थाई रूप से हाउसिंग बोर्ड मैदान से व्यापार करने सुरक्षा का सुरक्षा के अनुपालन मानक का अनुपालन करने तथा अनुज्ञप्ति से संबंधित बिंदुओं पर जांच की गई जांच के क्रम में सभी दुकानों पर अवस्थित फायर सिलेंडर को अद्यतन करने हेतु अग्निशमन विभाग को निर्देश दिया गया। सभी अस्थाई दुकानदारों को अनुज्ञप्ति हेतु अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में आवेदन देने हेतु कहा गया तथा पटाखों का व्यापार हाउसिंग बोर्ड के मैदान में करने का निर्देश दिया गया ।

कक्षा 1 की छात्रा से 7वीं के छात्र ने की छेड़खानी, स्कूल वालों पर लापरवाही का आरोप

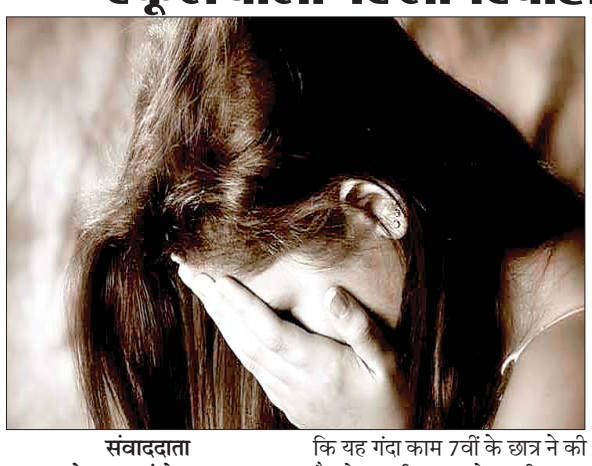

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

समस्तीपुर :- समस्तीपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां कक्षा 1 की छात्रा के साथ छेड़खानी हुई है। आश्चर्य की बात है कि यह गंदा काम 7वीं के छात्र ने की है। छेड़खानी का आरोप उसी स्कूल के छात्र पर है। स्कूल के शिक्षकों पर छात्रा के परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजन के मुताबिक, मामले की जानकारी मिलते ही वे लोग कल्याणपुर थाने पहुंचे, जहां पुलिस ने उनलोगों को पहले अस्पताल जाने की सलाह दी। देर रात तक परिजन थाने में ही रहे और फिर वे घर लौट गए। शनिवार यानी बीते दिन परिजन बच्ची को लेकर सदर अस्पताल पहुंचे, जहां से उन्हें महिला थाने जाने की सलाह दी गई। पूरा मामला समस्तीपुर के कल्याणपुर थाने के एक गांव का है।

दरअसल, परिजनों के अनुसार, शुक्रवार को छात्रा प्राइमरी स्कूल गई थी। बच्ची जब घर वापस आई तो मामले की जानकारी परिजनों को दी। थाने जाने से पहले परिजन स्कूल भी गए थे, लेकिन स्कूल में मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया। शिक्षकों ने कहा कि हर एक बच्ची की जिम्मेदारी नहीं है, यहां 300 से अधिक बच्चे पढ़ते हैं। अब परिजन बच्ची को लेकर शिकायत के लिए महिला थाना पहुंचे हैं।

रेलवे मंडल में 30 किमी की रफ्तार से चलेगी ट्रेनें

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

समस्तीपुर। रेलवे लाइन किनारे 100 से अधिक स्थानों पर छठ घाट, सीटी बजाते रहेंगे लोको पायलट दिवाली और छठ में संभावित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे मंडल प्रशासन ने तैयारी कर ली है। रेलवे मंडल में रेलवे लाइन के किनारे 100 से अधिक स्थानों पर छठ घाट है। जिसके कारण अर्घ्य के दिन रेलवे मंडल के सभी रेलवे खंड पर 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन चलाई जाएगी। इसके लिए सभी स्टेशन मास्टर, ट्रेन के गार्ड व चालक को निर्देश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही जिस खंड पर रेलवे लाइन किनारे छठ घाट होगा उसे क्षेत्र में ट्रेन के चालकों को लगातार सीटी बजाते हुए ट्रेन चलाने को कहा गया है। डीआरएम विनय श्रीवास्तव ने कहा कि समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा जहां आरक्षण के लिए यात्रियों की ज्यादा भीड़ होने की संभावना है वहां पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त पीआरएस टिकट काउंटर्स खोले

जाएंगे। अभी तीन - तीन अतिरिक्त काउंटर खालने का प्रस्ताव है। जरूरत हुई तो इसे और बढ़ाया जाएगा। डीआरएम ने बताया कि इसके अलावा रेलवे मंडल के रक्सौल, बापूधाम मोतिहारी, बेतिया, सीतामढ़ी, दरभंगा, समस्तीपुर, जयनगर, सहरसा, बनमनखी तथा पूर्णिया कोर्ट, स्टेशनों पर अतिरिक्त बुकिंग काउंटर खोले जा रहे हैं। समस्तीपुर, दरभंगा, सहरसा, जयनगर, सीतामढ़ी, बापूधाम मोतिहारी बेतिया, रक्सौल तथा नरकटियागंज में अतिरिक्त यूटीएस काउंटर खोले जाएंगे। रेलवे मंडल के 11 स्टेशनों पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी, जो 24 घंटे वहां पर भीड़ नियंत्रण के लिए नजर रखेंगे और इसकी मॉनिटरिंग करेंगे। बुकिंग, पूछताछ और पीआरएस काउंटर के आसपास स्पेशल ट्रेनों के बारे में बैनर लगाकर प्रदर्शित किया गया है, जहां से यात्रियों को वैकल्पिक ट्रेनों के बारे में पुरी जानकारी उपलब्ध हो सके। किसी भी स्थिति में अंतिम समय में नहीं बदला जाएगा प्लेटफार्म। डीआरएम ने बताया कि किसी भी अवस्था में अंतिम समय में गाड़ियों के निर्धारित प्लेटफार्म बदले नहीं जाएंगे। अगर किसी इमरजेंसी में प्लेटफार्म बदलने की जरूरत पड़ी तो एक घंटा पहले ही अथवा पर्याप्त समय रहते इसे बदला जाएगा। यात्रियों को लगातार उदघोषणा प्रणाली के माध्यम से सूचित किया जाएगा। एडीआरएम के बिना अनुमोदन के प्लेटफार्म का परिवर्तन नहीं किया जाएगा। सभी एफओबी टिकट काउंटर्स, एटीवीएम और इंक्वारी में अतिरिक्त कर्मियों की नियुक्ति होगी। परिचालन विभाग को निर्देश दिए गये हैं वे प्लेटफार्म पर बहुत ज्यादा भीड़ होने की स्थिति में गाड़ियों को एक या दो मिनट ज्यादा रोके ताकि सभी यात्री ट्रेन में सवार हो सके। इसकी सूचना कार्यरत ट्रेन मैनेजर को भी सूचित किया जाय। मे आई हेल्प यू काउंटर पर राज्य सरकार के अधिकारियों को भी स्थान दिया जाएगा।

समस्तीपुर: बच्चों को दी गई सड़क दुर्घटना से बचाव की जानकारी, किया मॉकड्रिल

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिले के सभी प्राथमिक, मध्य व उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में सुरक्षित शनिवार का आयोजन किया गया।जिसमें बच्चों को सड़क दुघर्टना से बचाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। इस क्रम में पी.आर.इंटर स्कूल कपूर्रीग्राम में वार्षिक सारणी के अनुसार सड़क दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में उपस्थित बच्चों को सड़क पर होने वाले हादसे तथा उससे बचाव के लिए क्या-क्या सावधानियां बरतेंगे और दुर्घटना के पश्चात प्राथमिक उपचार के लिए कौन-कौन से उपाय करेंगे।इसके बारे में विस्तार से चर्चा किया गया वहीं फोकल शिक्षकों द्वारा क्या करें और क्या ना करें की जानकारी देते हुए सड़क दुर्घटनाओं को अवगत करते हुए छात्रों के बीच मॉक ड्रिल करवाया गया. वही फोकल शिक्षक सुभीत कुमार सिंह ने विद्यालय के बच्चों को मॉकड्रिल कर बताया कि बिहार में प्रतिवर्ष औसतन 5 से 7 हजार लोगों की मौत सड़क दुघर्टना से होती है। इसलिए हमें सड़क पर चलने के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का हमेशा पालन करें और दोपहिया वाहन पर बैठने के दौरान हेलमेट का उपयोग अवश्य करें। साथ ही बाइक चलाते समय न ही मोबाइल का उपयोग करें।
उन्होने बताया कि आप सड़क पार करे तो दोनों तरफ देख ले कोई ट्रेन या ट्रेन की आवाज तो नही आ रही उसके बाद ही रेल पटरी पार करें. वही विद्यालय के बाल प्रेरक कुमारी सिमरन, जुली प्रवीण, सोनम कृष्ण राज हिमांशु, आयुष कुमार सहित कई छात्र-छात्राओं ने मॉक ड्रिल के दौरान सड़कों पर दो पहिया वाहन से चल रहे लोगों को सड़क सुरक्षा अधिनियम के तहत कानूनी जानकारी देते हुए लोगों को जागरूक किया साथ ही अपनी सुरक्षा हेतु हेलमेट के इस्तेमाल के सही तरीके क्या है बताया। कार्यक्रम में मीडिया समन्वयक एसएसए हरिश्चंद्र राम, प्रभारी प्रधानाध्यापक किरण झा, पूर्व प्रधानाचार्य धीरेंद्र मोहन मुकुल, डॉ. बेबी कुमारी, तरुण कुमार, कीर्ति किरण, मुस्कान गुप्ता सहित विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिका एंव छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

संक्षिप्त डायरी

समस्तीपुर शहर के पंजाबी कॉलोनी मुहल्ले में आपसी कलह को लेकर पति ने पत्नी को चाकू गोदा, जख्मी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

अक्टूबर 27, 2024 समस्तीपुर : नगर थाना क्षेत्र के भोला टॉकीज गुमटी के पास पंजाबी कॉलोनी में आपसी कलह को लेकर पति ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर जख्मी कर दिया। जानकारी के अनुसार पंजाबी कॉलोनी निवासी अनुज कुमार गिरी का अपनी पत्नी जुही गिरी से बीते कई दिनों विवाद चल रहा था। बीते दिनों हुए विवाद के बाद में पत्नी ने डायल 112 को फोन कर पुलिस बुला ली थी। इसको लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच हर रोज झगड़ा हो रहा था।
शनिवार की शाम भी विवाद हो रहा था इस बीच अनुज कुमार गिरि ने चाकू से पत्नी के पेट पर हमला कर दिया। जिससे पत्नी जख्मी हो गई। स्थानीय लोगों द्वारा इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसका इलाज किया गया। फिलहाल उक्त महिला खतरे से बाहर बताई गई है। महिला ने थाने में को पति के खिलाफ आवेदन दिया है। वहीं नगर थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार ने बताया कि महिला के आवेदन के आलोक में पुलिस कार्रवाई कर रही है।

बासोपट्टी थाना परिसर में दीपावली व छठ पूजा को लेकर हुई शांति समिति की बैठक

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

मधुबनी जिला बासोपट्टी थाना परिसर में दीपावली एवं छठ महापर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गयी. बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने की. इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अजित कुमार ने कहा कि दीपावली व छठ पूजा शांति, समृद्धि और सदभाव का त्योहार है,इसे सभी लोग हर्षोल्लास के साथ मनाए. वहीं अंचलाधिकारी पूजा कुमारी ने कहा कि बच्चों के द्वारा पटाखा छोड़ते समय अभिभावक को विशेष सावधानियां बरतें. उन्होंने आपसी जन सहयोग से छठ घाटों की साफ सफाई व बैरिकेटिंग और लाईट की व्यवस्था करनें का अनुरोध पूजा समिति व जनप्रतिनिधियों से की. थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि पूजा के दौरान असमाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी. त्योहार के दौरान किसी तरह का अराजकता नही हो इसका विशेष रूप से ध्यान रखे तथा किसी प्रकार के अफवाहों को फैलने न दें. किसी प्रकार की समस्या उतपन्न होने पर अविलंब इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दें.

शराब पीने के आरोप मे दो गिरफ्तार

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद आरीफ

सिवान महाराजगंज दुरौंधा 26 नवम्बर शनिवार। दुरौंधा थाने की टीम ने गसती के दौरान दो शराबियो को शराब के नसे मे गिरफ्तार कर सिवान जेल भेज दिया। दुरौंधा थाना अध्यक्ष श्री छोटन कुमार ने बताए की रुकुंदीपुर निवासी लक्ष्मण प्रसाद और जगदीशपुर निवासी ललन सिंह को शराब पीने के आरोप मे हमारे थाने की गसती दल ने गिरफ्तार किया है जिसे प्राथमिकी दर्ज कर सिवान जेल भेज दिया गया है। वही थाना अध्यक्ष ने बताया की दुरौंधा थाना क्षेत्र में अलग अलग जगहों पर छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी मे उपरोक्त दो लोगो की गिरफ्तारी की गई है

तेजप्रताप यादव ने शुरू किया सदस्यता अभियान, अपने विधानसभा क्षेत्र हसनपुर से दर्जनों लोगों को दिलायी फ्खऊकी सदस्यता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मोहम्मद जुबैर

अक्टूबर 26, 2024समस्तीपुर/हसनपुर :- बिहार सरकार के पूर्व मंत्री सह हसनपुर के विधायक तेजप्रताप यादव ने पटना स्थित आवास पर राजद के सदस्यता अभियान का शुरूआत किया। मौके पर हसनपुर विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों लोगों को राजद की सदस्यता दिलाई गई। उक्त जानकारी हसनपुर विधायक प्रतिनिधि विभा देवी ने दिया।

प्रेम-प्रसंग में किशोर की पीट-पीटकर हत्या, दूसरा गंभीर

नवादा । कादिरगंज थाना क्षेत्र के कादिरगंज बाजार में शनिवार को एक 15 वर्षीय किशोर की प्रेम-प्रसंग में लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान कादिरगंज बाजार के निवासी नीरज कुमार के रूप में हुई है। इस घटना में उसके साथ मौजूद कादिरगंज चौधरी टोला के राजो चौधरी का बेटा सन्नी कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गया। नीरज की मां ने बताया कि शाम 5:30 बजे वह घर से निकले था और रात 10:30 बजे सूचना मिली कि वह पाचंबा गांव में दो लोगों के साथ पकड़े गए हैं। जहां नीरज के साथ मारपीट की गई। जिसके बाद उसे घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के दौरान एक लड़की द्वारा लगातार नीरज की हालत के बारे में पूछताछ की जा रही थी, जिससे परिवार को प्रेम प्रसंग का शक हुआ। नीरज के मामा ने पुलिस को आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। डीएसपी अनोज कुमार ने बताया कि मृतक के परिवार के बयान के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जिस लाठी से पिटाई की गई थी, उसे भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है।

कस्टडी में युवक की मौत, थानाध्यक्ष समेत 3 सस्पेंड

बक्सर में पिता ने शराबी बेटे को किया था पुलिस के हवाले, परिजन बोले-आए तो दिखी लाश

बक्सर । सिमरी थाना में शराब के नशे में गिरफ्तार युवक की पुलिस कस्टडी में शनिवार को मौत हो गई। इस मामले में एसपी ने सिमरी थानाध्यक्ष प्रफुल कुमार, ओडी प्रभारी सीता राम चौधरी को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। चौकीदार हरिकिशुन कुमार को सस्पेंड करने के लिए डीएम को पत्र भेजा गया है। बताया गया कि तत्काल जांच में पुलिस पदाधिकारियों की लापरवाही सामने आई है। बक्सर एसपी ने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया है। एसपी शुभम आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि युवक के पिता ने डायल-112 को सूचना दी थी। शराब के नशे में बेटे को पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं, परिजनों ने रविवार को थाना पहुंचकर हंगामा किया है। परिजनों का कहना है कि हमें बेटे से मिलने बुलाया गया था, यहां आए तो बेटे की लाश मिली। करीब 3 बजे के आसपास शराब पीने की पुष्टि कराई गई। उसके बाद पिता ने बेटे के खिलाफ पुलिस को आवेदन दिया। युवक को चौकीदार की देख रेख में हाजत में बंद किया गया। लेकिन, शाम 5 बजे के आसपास युवक गेट के हाजत में अपनी बेल्ट को अपनी गर्दन में फंसा कर झूलने लगा। पुलिस पदाधिकारियों ने देखा तो हाजत खोल उसे बाहर निकाला। युवक को सांस लेने में तकलीफ होने पर सिमरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। वहां वह अचेत हो गया था। यहां से ऑक्सीजन लगा कर सदर अस्पताल रेफर किया गया। यहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एसपी ने कहा कि आगे की करवाई जारी है। युवक का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जो भी नियम के अनुसार कार्रवाई है, वह की जाएगी। इस संबंध में जांच डुमरांव एसडीपीओ आफाक अख्तर को सौंपी गई है। जिसमें थाना के रल्ड और ओडी प्रभारी की गलती सामने आई है। वहीं, पुलिस कस्टडी में बेटे की मौत के बाद ग्रामीणों ने रविवार की दोपहर सिमरी थाना पहुंचकर हंगामा किया है। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सभी को समझाकर शांत करा लिया है। युवक के बड़े पापा तारकेश्वर प्रसाद का आरोप है कि पुलिस उसे थाना से जब हॉस्पिटल ले गई तो जानकारी नहीं दी। बक्सर में बेटे से मिलने के लिए बुलाया गया और जब पहुंचे तो सामने बेटे का शव रख दिया गया। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि पुलिस ने बेटे का पोस्टमार्टम हमसे पूछे बिना करा दिया। कहा गया कि पुलिस कस्टडी में बेटे की मौत हुई है तो इसकी जिम्मेदार पुलिस है।

लूटपाट कर गोली मारने के मामले में 2 गिरफ्तार

भोजपुर के बालू घाट पर हुई थी फायरिंग, देसी पिस्तौल-राइफल जब्त

भोजपुर। पुलिस को दो अलग-अलग मामलों में उपलब्धि मिली है। पहला मामला संदेश थाना क्षेत्र के खंडोल-काजीक घाट (18बी) स्थित बालू भंडारण केन्द्र के चालान ऑफिस पर धावा बोल लूटपाट करने व दो कर्मियों को गोली मारे जाने का है। इस घटना में पुलिस ने एक और वांछित को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया शंभू यादव सहार थाना के एकवारी गांव का निवासी है। इसकी जानकारी शनिवार को सदर एएसपी परिचय कुमार ने पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी। एएसपी ने बताया कि इसके पूर्व के आपराधिक इतिहास के बारे में पता लगाया जा रहा है। इससे पूर्व इस कांड में श्रीकांत कुमार उर्फ आरजेडी और अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया था। दोनों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा था। दोनों के खिलाफ संदेश व अजीमाबाद थाना में चार केस मिले थे। एक देसी पिस्तौल, एक राइफल, आठ कारतूस, एक बाइक, दो मोबाइल एक मैग्जीन और पांच खोखा के अलावा लूटी गई राशि में से करीब 50 हजार नकद बरामद किए गए थे। जब्त बाइक अमित की थी, जिसका उपयोग जिले के अन्य आपराधिक कांडों में भी हुआ था। 13 अगस्त की रात घटना घटित हुई थी। गोलीबारी के दौरान करीब नौ लाख 40 हजार रुपए की लूट हुई थी। स्टाक की संवेदक रीता देवी पति कृष्णा सिंह के बयान पर प्राथमिकी की गई थी,जिसमें छह की पहचान की गई थी।
टीम में संदेश थानाध्यक्ष संतोष कुमार समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे। कांड में संलिप्त अन्य अपराधियों की तलाश जारी है। संदेश थाना क्षेत्र के बडीहां गांव में पुलिस ने छापेमाारी कर अवैध हथियार के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया राजेन्द्र यादव बडीहां गांव का निवासी है। सदर एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बडीहां गांव में कुछ लोग अवैध हथियार लहरा रहे है। थानाध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान एक देसी पिस्तौल व एक कारतूस के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। इसे लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बिहार के 18 जिलों में साइक्लोन 'दाना' का असर

पटना। साइक्लोन 'दाना' का असर बिहार के 18 जिलों में अभी भी देखने को मिल रहा है। इनमें 5 जिले भागलपुर, बांका, मुंगेर, खगड़िया और जमुई में आज भारी बारिश की संभावना है। बाकी के 13 जिलों में बादल छाए रहेंगे। पटना, आरा, बक्सर, जहानाबाद, नालंदा, जहानाबाद में रविवार सुबह बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, भले ही साइक्लोन 'दाना' कमजोर पड़ गया हो, लेकिन इसका असर 31 अक्टूबर तक देखने को मिलेगा। इसके बाद मौसम साफ होने का अनुमान है। दिवाली के बाद राज्य के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। पटना मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, ओडिशा के उत्तरी भागों में लो प्रेशर का क्षेत्र बना हुआ है, जो अगले 12 घंटे के दौरान कमजोर पड़ जाएगा। पटना में शनिवार देर रात अच्छी बारिश हुई। राजधानी के अलावे लखीसराय, नालंदा, जहानाबाद, भागलपुर, कटिहार, पूर्णिया, शेखपुरा और बेगूसराय में शनिवार को बारिश हुई। इन जिलों में आज भी बारिश की संभावना है। बीते 24 घंटे के दौरान सीतामढ़ी सबसे गर्म जिला रहा। यहां शनिवार को अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, शनिवार को मोतिहारी, किशनगंज और वाल्मीकि गर का न्यूनतम तापमान

बड़े ने छोटे भाई की पीट-पीटकर की हत्या

कटिहार । मनिहारी थाना क्षेत्र के कांटाकोश पंचायत में दो सगे भाइयों के बीच मवेशी चारा को लेकर हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया, जिसमें बड़े भाई के पिटाई से छोटे की मौत हो गई। मृतक की पहचान अबू ताहिर के रूप में हुई है। घटना बाबूपुर गांव की है। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि शनिवार की शाम बड़े भाई मोहम्मद बदरुद्दीन के दरवाजे पर रखे मवेशी चारे को अबू ताहिर के बछड़े ने खा लिया। इसी मामूली बात पर दोनों भाइयों के बीच विवाद छिड़ गया, जो जल्द ही मारपीट में बदल गया। विवाद के दौरान लाठी-डंडे चलने लगे, जिससे अबू ताहिर के सिर पर गंभीर चोट आई और बदरुद्दीन भी बुरी तरह से जख्मी हो गया। पड़ोसियों ने बीच-बचाव कर दोनों को अनुमंडल अस्पताल मनिहारी पहुंचाया, जहां अत्यधिक खून बहने के कारण अबू ताहिर को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, बदरुद्दीन और अन्य घायल लोगों का इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही मनिहारी थानाध्यक्ष पंकज आनंद, एसआई गौतम कुमार और मोहम्मद सद्दाम अस्पताल पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए कटिहार भेजा गया। पुलिस ने बड़े भाई बदरुद्दीन को हत्या के आरोप में हिरासत में ले लिया है।

महिला की पीठ पर बैठे 3 बदमाश, फिर की डकैती

मुंह में ठूंस दिया था दुपट्टा, 7 लाख रुपए की डकैती, दो साल पहले भी हुई थी यहीं पर वारदात

दरभंगा । बदमाशों ने 7 लाख रुपए की डकैती की है। यहां 3 बदमाश महिला के पीठ पर बैठ गए। मुंह में दुपट्टा ठूंस कर वारदात को अंजाम दिया है। 2 साल पहले भी इस घर में डकैती की घटना हुई थी। मामला जाले थाना क्षेत्र के कछुआ पंचायत स्थित कालिका स्थान के समीप का है। घर के एक कमरे में अकेली सो रही महिला को बंधक बनाकर डकैती की गई। जानकारी के अनुसार सभी परिजन अलग-अलग कमरे में थे। डकैत घर के खिड़की का ग्रिल खोल कर अंदर पहुंच गए। एक कमरे में पिंकी कुमारी अकेली सो रही थी। डकैत ने पहले उसके मुंह में उसका ही दुपट्टा ठूंस दिया, फिर उसके पीठ पर तीन लोग बैठ गए। जबकि, एक अलग-अलग चीजों की तलाशी ले रहा था। 15 से 20 मिनट तक पिंकी को पांच डकैतों ने दबोच कर रखा। घर में रखे जेवर और पैसों की जानकारी मांगी। गोदरेज का चाबी नहीं मिलने पर एक डकैत को पिंकी के पास छोड़कर बाकी चार बाहर पेचकस लाने चले गए। इतने में पकड़ ढीली हुई और पिंकी ने उसे झटका देकर दरवाजा खोला और आंगन में दौड़कर भाग गई। इसके बाद सभी डकैत मामला बिगड़ता देख वहां से भाग खड़े हुए। गृह स्वामी ने बताया कि डकैती में लगभग 7 लाख रुपए की संपत्ति लूट ली गई है। पीड़ित पिंकी कुमारी ने बताया कि रात एक बजे अचानक उनके कमरे के खिड़की का ग्रील तोड़कर 5 डकैत अंदर घुस आए। जबकि, दो बाहर ही पहरेदारी कर रहा था। तीन उनके पीठ पर बैठ गया और एक पांव पर बैठा हुआ था। बचा हुआ एक कमरे में तलाशी कर चीजों की चोरी कर रहा था। इसी क्रम में एक डकैत के चेहरे से गमछा हट गया। कमरे के अंदर के पांच डकैतों में से एक के पास पिस्तौल थी। इसने कनपटी पर उसे सटा कर रखा था। दूसरे डकैत ने आंख के पास चाकू सटा रखा था। पिंकी ने बताया कि मैं हिल नहीं सकती थी। अंत में डकैतों ने गोदरेज का चाबी मांगा। मैंने बताया कि मेरे पास नहीं है। तब सभी पेचकस खोजने लगे। चार डकैत पेचकश खोजने बाहर चले गए। बचे हुआ एक डकैत की पकड़ हल्की ढीली हुई। तो उसे झटका देकर में दरवाजा खोल कर आंगन में भाग गई। फिर उसके बाद अपनी सास, ससुर और ननद को जगाई। पीड़ित रानी मिश्रा ने बताया कि इससे पहले भी 2022 में उनके यहां डकैती हुई थी। उस वक्त वह और उनके ससुर केवल घर में थे। उस दौरान 3 लाख के गहने की चोरी हुई थी। इस बार की डकैती में लगभग 7 लाख रुपए के जेवर डकैत ले गए है। घटना की रात घर में रानी मिश्रा उनके पति राम सुंदर मिश्रा, उनकी बेटी इंदिरा कुमारी, ढाई साल का बेटा चित्रांश और उनकी बहू पिंकी कुमारी मौजूद थी। थाना अध्यक्ष संदीप पाल ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची है। मामले की छानबीन की जा रही है। पीड़ित के आवेदन पर प्राथमिकी

14 लाख जेवर समेत 5 लाख कैश की चोरी

पूर्णिया । मधुबनी थाना क्षेत्र के शास्त्रीनगर इलाके के वार्ड 3 में चोरों ने घाट का ताला तोड़कर 19 लाख रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने घर के तीन कमरों में घुसकर आलमीरा में रखा 14 लाख के सोने और चांदी के जेवरात के अलावा 5 लाख कैश की चोरी कर ली। घटना चंद्र किशोर सिंह के बेटे राजीव रंजन के घर में हुई है। चोरी हुए कैश को पीड़ित अपने पैतृक गांव में बन रहे घर की ढलाई के लिए इकट्ठा कर रखे थे। इसकी जानकारी मधुबनी थाना पुलिस को दी गई। मामले को लेकर थाना में लिखित आवेदन दी गई है। इस मामले में पीड़ित ने बताया कि शनिवार को बनमनखी में किसी जानने वाले के यहां बर्थडे पार्टी थी। वो परिवार समेत करीब 6:35 में घर के दरवाजे पर ताला लगाकर पार्टी में शामिल होने गए थे। रात 12 बजे के करीब जब घर पहुंचे तो मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। सभी कमरे खुले हुए थे। दूसरे दरवाजे का लॉक भी टूटा मिला। लॉक टूटने की स्थिति देखकर चोरों ने पहले दरवाजे पर लगा ताला तोड़ने के बाद दूसरे दरवाजे को जोर से धक्का दिया। जिस वजह से कुंडी समेत उसका लॉक उखाड़ गया। चोर इसी रास्ते से कमरे में घुसे। जिसके बाद सभी कमरे के आलमीरा का लॉक तोड़ा।

ट्रेन पलटाने की साजिश 2 फीट लंबा, 6 किलो वजनी लकड़ी का टुकड़ा ट्रैक पर मिला

लखनऊ। में मलिहाबाद और काकोरी रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन पलटाने की साजिश सामने आई है। अराजकतत्वों ने पटरी पर 2 फीट लंबा, 6 किलो वजनी लकड़ी टुकड़ा और पत्थर रख दिया था, जिससे ट्रेन का एक्सल टूट गया। दो घंटे तक ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही ठप रही। घटना गुरुवार रात करीब 9:15 बजे की है, लेकिन आश्चर्च की बात यह है कि घटना के 40 घंटे बाद भी घटनास्थल पर ट्रैक की क्लिप उखड़ी मिली। जबकि रेलवे सहित RPF, GRP और पुलिस की टीमों ने मौके पर जांच की थी। वहीं, शनिवार को यूपी ATS की टीम भी मौके पर जांच के लिए पहुंची। जब क्लिप उखड़ी होने का सवाल महिलाबाद स्टेशन मास्टर एके गुप्ता से पूछा गया कि क्लिप क्यों उखड़ी

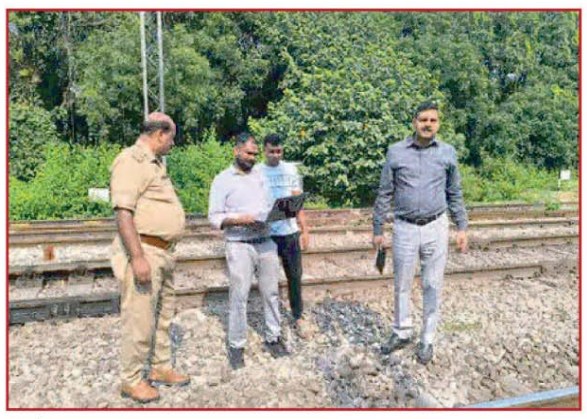

हुई है? क्या कोई हादसा हो सकता है? तो उन्होंने कुछ भी साफ कहने से इनकार कर दिया। बस, इतना कहा कि रेलवे ट्रैक पर काम चल रहा है। कि कई बार ट्रेनें गुजरती है तो पेंड्रोल (क्लिप) निकल जाता है। इसे तत्काल सही कराया जाएगा। बता दें कि अजय यादव की तहरीर पर ही इस मामले में केस दर्ज किया गया है दूसरी तरफ, उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने इस घटना की जांच के लिए कमेटी का गठन किया है। RPF, GRP और रेलवे की संयुक्त टीम ने मामले की जांच शुरू कर चुकी है। स्थानीय पुलिस भी इनपुट जुटा रही है। आसपास के गांव के लोगों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों की मानें तो यह किसी की शरारत हो सकती है। टीमें जांच कर रही हैं और जो भी फैक्ट सामने आएगा, आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लोको पायलट की सूझबूझ से टला हादसा रेलवे अधिकारियों की मानें तो लोको पायलट की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। गुरुवार की रात करीब 9:05 बजे बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस (14236) के इंजन में रेलवे ट्रैक पर रखा भारी लकड़ी का टुकड़ा फंस गया था। लोको पायलट ने त्वरित प्रतिक्रिया दी और अपनी सूझबूझ से ट्रेन को तुरंत रोक दिया। इससे संभावित दुर्घटना को टाल दिया गया। घटना के बाद स्टेशन मास्टर ने अप और डाउन ट्रैक के लिए चेतावनी जारी की और ट्रैक से गुजरने वाली गाड़ियों को रोका गया। 2 घंटे बाद शुरू हो पाया ट्रेनों का संचालन रेलवे अधिकारियों ने बताया कि अप ट्रैक पर लकड़ी का टुकड़ा और पत्थर मिलने से ट्रेनों का संचालन को रोका गया। इस कारण दो घंटे तक लखनऊ-हरदोई रेल मार्ग पर ट्रेनों का आवागमन बंद रहा। पूरी जांच-पड़ताल के बाद रात 11:15 बजे ट्रेनों की आवाजाही बहाल कर दी गई। अधिकारियों ने बताया कि रेलवे ट्रैक पर करीब दो फीट लंबा व 6 किलो वजनी लकड़ी का टुकड़ा रखा गया था। साथ ही ट्रैक के छोटे-छोटे पत्थर भी रखे गए थे।

संक्षिप्त डायरी

बाबू की लापरवाही से 12 लाख का चूना लगा

बस्ती। नगर पालिका परिषद को एक बाबू की लापरवाही के चलते 12 लाख रुपये का चूना लगा है। मामले की शुरूआत तब हुई जब नगर पालिका ने वर्ष 2014-15, 2015-16 और 2016-17 में शहरी क्षेत्र में ठंड से बचाव के लिए अलाव जलाने के लिए लकड़ी का टेंडर जारी किया था। इस योजना के तहत 27 लाख रुपये से अधिक का बजट निर्धारित किया गया था। ठेकेदार ने अलाव के लिए लकड़ी की आपूर्ति समय पर कर दी, लेकिन नगर पालिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए भुगतान रोक दिया। यह टालमटोल इतना बढ़ा कि 10 साल बीत गए। ठेकेदार ने अंततः न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। सिविल जज सीनियर डिवीजन अमित मिश्रा ने मामले को गंभीरता से लिया और नगर पालिका को भुगतान करने का निर्देश दिया।लिका को वित्तीय संकट में डाला हालांकि, नगर पालिका प्रशासन ने ढुलमुल रवैया अपनाते हुए कई बार नोटिस मिलने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की। बाबू की लापरवाही के कारण नगर पालिका को ब्याज के रूप में अतिरिक्त 12 लाख रुपये चुकाने पड़े। अंततः, नगर पालिका के राज्य वित्त के बजट से बकाया राशि के साथ ब्याज मिलाकर कुल 39 लाख रुपये स्टेट बैंक से काटकर भुगतान किया गया। इस घटना ने नगर पालिका को वित्तीय संकट में डाल दिया है और बाबू की लापरवाही ने साबित कर दिया है कि प्रशासनिक ढांचे में सुधार की कितनी जरूरत है।

सिरसिया घाट पर मिला युवक का शव फॉरेंसिक टीम ने मौके पर जांच की

रुधौली। थाना क्षेत्र के बस्ती सिद्धार्थनगर बार्डर पर स्थित पड़री के निकट सिरसिया घाट पर आमी नदी में एक युवक का लावारिश शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई है। इस घटनाक्रम के चलते थाना क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की छानबीन शुरू की, साथ ही फॉरेंसिक टीम भी मामले की जांच के लिए मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ की और उसे मर्चरी हाउस भेज दिया। युवक की पहचान नहीं हो पाई जानकारी के अनुसार, शव एक 35 वर्षीय युवक का है, जिसने काले रंग की शर्ट और पैंट पहन रखी थी। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचकर प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ छानबीन की। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, शव के बारे में ग्रामीणों से पूछताछ की जा रही है, लेकिन अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। मौके पर एसआई उपेंद्र मिश्रा, एसआई जयप्रकाश मिश्रा सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। इस प्रकार की घटनाओं से इलाके में सुरक्षा के सवाल उठने लगे हैं, जबकि पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच तेज कर दी है। शव की पहचान और मौत के कारणों का पता लगाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

सौगातः सामुदायिक भवन व सड़कों का विधायक पीएन पाठक ने किया लोकार्पण

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शनिवार को कुशीनगर विधायक पी.एन पाठक ने विधानसभा को एक सामुदायिक भवन समेत चार सड़कों का लोकार्पण वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ किया। यह सौगात विधायक श्री पाठक ने दी है। 61.67 लाख की लागत की यह सौगात विधायक श्री पाठक ने दी है। उन्होंने सखवनिया शिव मंदिर परिसर में 10.96 लाख की लागत से निर्मित सामुदायिक भवन का लोकार्पण किया उसके उपरांत ग्रामसभा महुआडीह के लौंगरापुर में मेनरोड से ब्रह्मस्थान तक 15.25 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड व ग्रामसभा महुआडीह लौंगरापुर में पिच-रोड से श्मशान जाने वाले मार्ग पर 9.07 लाख की लागत से हुए खड़ंजा का और ग्रामसभा

अम्मरपुर प्राथमिक विद्यालय के मेन गेट से अभयप्रताप के घर जाने वाले मार्ग पर 18.09 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड का समेत ग्रामसभा भरवलिया में बड़े पांडेय के घर से पिचरोड तक 8.18 लाख की लागत से निर्मित सीसी रोड का लोकार्पण किया। श्री पाठक ने कहा कि ल विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास मेरी प्राथमिकता है।

विधानसभा क्षेत्र में सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाईट, खड़ंजा , नाली, आरओ वाटर मशीन सहित कई अन्य आवश्यक बुनियादी सुविधाएं दी जा रही है। विकास से अछूता न रहने पाए। जहां अब तक पक्की सड़क नहीं बनी है अथवा मुख्य मार्ग से नहीं जुड़े हैं उन्हें प्रत्येक दशा में जोड़ा जाएगा। इससे पूर्व श्री पाठक का स्वागत माल्यार्पण और ढोल नगारों के साथ किया गया। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, रामायण कुशवाहा, विनोद गुप्ता, छेदी शर्मा, अवर अभियंता पीएन मिश्रा, अमित मालवीय,सरोज राव, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, नीतीश यादव,सजीव सिंह, राज पाठक,सूर्यनाथ यादव, सजीव दूबे, शिवम, राजेश सिंह, प्रधान प्रतिनिधि उग्रसेन मल्ल, कमलेश पटेल,मधसूदन मिश्रा, लहरी सिंह, मंजीत सिंह, मनोज जायसवाल, राजकुमार, जितेंद्र मिश्रा, आदित्य त्रिपाठी, संजय राव समेत भारी संख्या में स्थानीय लोग व भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

3 डॉक्टरों ने ट्रेनी डॉक्टर को पीटा

बस्ती। जिले के मेडिकल कॉलेज से संबद्ध कैली अस्पताल से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां के ट्रेनी डॉक्टर को तीन डॉक्टरों ने घसीटकर पीटा। मारपीट के बाद हॉस्टल से ट्रेनी डॉक्टर को घसीटकर इमरजेंसी तक लाया गया। यहां बीच-बचाव के बाद मामला शांत हुआ। ट्रेनी डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राचार्य ने भी जांच के लिए चार सदस्यीय टीम गठित की है। कुशीनगर जिले के तरयासुजान थानांतर्गत बहादुरपुर निवासी डॉ. कुलदीप गुप्ता ने महर्षि वशिष्ठ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय बस्ती से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की है। वह एक साल के लिए ट्रेनी इंटर्न डॉक्टर के तौर पर मेडिकल कॉलेज में सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने तहरीर दी है कि कैली अस्पताल में गुरुवार की शाम वह एक नवजात शिशु को देख रहे

थे। नवजात की हालत ठीक नहीं थी और उसे रेफर करने की तैयारी थी। इसके लिए संबंधित विभाग के डॉक्टर को अवगत कराया। आरोप है कि वह आते ही बिना किसी कारण अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए हमलावर हो गए। टेबल उठाकर मारने लगे। वहां अन्य डॉक्टर और नर्स भी मौजूद थे। उसके बाद गायनी विभाग के डॉक्टर ने हस्तक्षेप कर उन्हें हॉस्टल के कमरे पर भेज दिया। कोतवाली जाकर दी जानकारी उक्त डॉक्टर दो अन्य डॉक्टरों के साथ उनके कमरे पर आए और दरवाजा तोड़ने लगे।

91वीं वाहिनी, दुत कार्य बल एवं माही वेलफेयर सोसाइटी द्वारा सामग्री वितरित

संवाददाता

लखनऊ। 91वीं वाहिनी, दुत कार्य बल एवं माही वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनांक 26 अक्तूबर 2024 को प्राथमिक विद्यालय अहमदपुर कमालपुर विजनौर में स्कूल के छात्र/छात्राओ के दिलों में राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी सहभागिता एवं पुलिस व समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निवर्हन करने के उद्देश्य से सिविल एक्सन एंड कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्रामका आयोजन कर बच्चो को पेन, पेंसिल , पानी बोतल ,फुटबाल, और अध्यापको के लिए टेवल चेयर एवं कूलर दिया गया । यह कार्यक्रम 91वीं वाहिनी, दुत कार्य बल के कमाण्डेंट श्री जीतेन्द्र कुमार ओझा के मार्गदर्शन में किया गया। उक्त कार्यक्रम में श्रीमती निशात जहाँ, प्रधानाध्यापिका प्राथमिक विद्यालय, कमालपुर एवं 91वीं वाहिनी, दुत्त कार्य बल के अधिकारीगण श्री सोहन सिंह द्वितीय कमान अधिकारी श्री आलोक कुमार, उप कमा०, श्री नजीर अफजल, उप कमा०, श्री लोकेश बाबू, उप कमा०, व श्री सुधीर सिंह सहा० कमा० एवं निरीक्षक बिरेन्द्र सिंह, निरीक्षक शिवेन्द्र मणि त्रिपाठी व अन्य जवान एवं माही वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष दिनेश कुमार सिविल एक्सन एंड कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम में बढ़-चढ़ कर भाग लिया ।

लघु एवं खादी ग्रामोद्योग के बने उत्पादों को लेकर स्वदेशी कसया महोत्सव शुरू

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर के बेनेट क्लब के मैदान में लघु एवं खादी ग्रामोद्योग के बने उत्पादों को बढ़ावा देने को लेकर स्वदेशी कसया महोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि बेनेट क्लब अध्यक्ष ईश्वर चन्द सिंह द्वारा फीता काटकर किया गया। मुख्य अतिथि एडवोकेट श्री सिंह ने लघु एवं खादी ग्रामोद्योग के बने उत्पादों की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। लघु उद्योगों के माध्यम से युवा रोजगार प्राप्त कर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। खादी को बढ़ावा देने से लूम व हाथ के बने कपड़े, खाद्य, दवा, कारपेट आदि सुलभ होंगे। अतिथियों को बुके देकर आयोजक/ मेला के प्रबन्धक अनुराग मिश्रा, कृष्ण कुमार मिश्रा ने स्वागत किया। मेले में उत्पादों की बिक्री के लिए 65 स्टाल लग रहे हैं। कसया महोत्सव में हैंडलूम, हैंडी क्राफ्ट, कश्मीरी स्टाल, सहारनपुर की फर्नीचर, भदोही का कार्पेट, प्रतापगढ़ का आंवला , मुरब्बा, कानपुर का आरके लेदर, फाजिलनगर गांधी आश्रम का रेशम पालन कीट, गर्म कपड़े, शर्ट एवं कुर्ते, ठंड के कपड़े विशेष आकर्षण होंगे। इस दौरान बेनेट क्लब महामंत्री राजीव कुमार त्रिपाठी, पूर्व अध्यक्ष ओंकार नाथ पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र लाल श्रीवास्तव, जितेंद्र पटेल, संजय सिंह, संजय सिंह, राधाकृष्ण शर्मा, अशोक सिंह सहित आकाश मिश्रा, रंजीत मिश्रा, अनिल राठौर व गणमान्य जन उपस्थित रहे।

गोबरही पहुंचे भाजपा नेता निरज सिंह बिट्टू, ली जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। कसया थाना क्षेत्र के गोबरही में बिते दिनों दो पक्षों में मोटरसाइकिल रखने को लेकर मारपीट हो गया था जिसको लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए थे और तीन लोग घायल हो गए थे जिसकी जानकारी होने पर शनिवार को पिडित राजेश राव के वहा दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री राजेश्वर सिंह के पुत्र निरज सिंह बिट्टू पहुंचे और घटना की जानकारी हासिल किया और उच्च अधिकारियों से टेलीफोन से वात किया और आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही वहां मौजूद लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आरजकता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा चाहे वह कितना भी ताकतवर हो कारवाई होनी है मौके पर हल्का दरोगा रघुनाथ गौतम से घटना की जानकारी हासिल किया और कारवाई के विषय में जानकारी हासिल कर जो भी मुलजिम गिरफतार नहीं किए गए हैं उसको अभिलम्ब गिरफ्तार करने की बात दोहराई इस दौरान लोगों ने कहा कि यहां आरजकता बढ़ गया है इस्को लेकर थाना प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश उपाध्याय से बात कर आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही इस दौरान अजित राव, पिंटू राव, चंकू राव आदि मौजूद रहे।

मौदहा में रेड स्कीम के तहत पुलिस बल के साथ पैदल गश्त एवं सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में अपर जिला अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने पुलिस बल के साथ कस्बा मौदहा में रेड स्कीम के अंतर्गत पैदल गश्त किया। इसका उद्देश्य क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना और संभावित अराजक तत्वों पर निगरानी रखना है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी हमीरपुर व अपर पुलिस अधीक्षक हमीरपुर ने पुलिस बल के साथ पैदल भ्रमण करते हुए सभी सुरक्षा प्वाइंट्स का निरीक्षण किया और तैनात पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने दंगा नियंत्रण उपकरणों के साथ भी तैयारी का जायजा लिया। रेड स्कीम के अंतर्गत सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे सख्त निगरानी रखें और नागरिकों को सुरक्षित माहौल प्रदान करने में कोई कसर न छोड़ें। जनपद में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाना है, ताकि नागरिक भयमुक्त वातावरण में रह सकें और किसी भी असामाजिक गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा सके। इस मौके पर उप जिलाधिकारी मौदहा, क्षेत्राधिकारी मौदहा सहित अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

रुद्रप्रताप मिश्र जेआरएफ में चयनितः क्षेत्र में हर्ष

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के लक्षियां देवरिया निवासी उपेन्द्र मिश्रा के पुत्र रुद्रप्रताप मिश्रा ने जूनियर रिसर्च फेलोशिप (जेआरएफ) की परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्रीय लोगों ने बधाईयां दिया है। रुद्रप्रताप की प्राथमिक शिक्षा फाजिलनगर से हुई। इसके बाद हाई स्कूल और इण्टर की शिक्षा गोरखपुर से पूरा करने के बाद स्नातक की शिक्षा डीडीयू से पूरा किया। पीजी की पढ़ाई इतिहास विषय से प्रयागराज से पूरी करने के बाद यूजीसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित परीक्षा प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण कर उनका जेआरएफ के लिए चयन हो गया।

अपनी इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, गुरुजनों और अपने निरंतर प्रयासों को दिया।उनकी इस सफलता पर बधाई देने वालों में उपेन्द्र मिश्र, शान्ति देवी, अरविंद मिश्र, अमित ओझा , विजयनाथ मिश्र, प्रदीप राय, उमेश पाण्डेय, आदि लोग शामिल है।

सी.पी.भट्ट उर्फ. ढेला बाबा को बेस्ट कॉमिक एक्टर अवॉर्ड मिला

गोरखपुर। भोजपुरी का बेफा अवॉर्ड शो का आयोजन शुक्रवार को पटना बिहार में राजीव रंजन द्वारा आयोजित किया गया ।आयोजन में गोरखपुर के ग्राम पुंडा, सहजनवां निवासी प्रसिद्ध फि ल्म अभिनेता सीपी भट्ट उर्फ ढेला बाबा को अवॉर्ड शो में बेस्ट कॉमिक एक्टर का अवॉर्ड प्रदान किया गया।अवार्ड पाकर प्रसन्न सी पी भट्ट ने अवॉर्ड अपने फैन्स को समर्पित करते हुए कहा कि पुरस्कार के असली हकदार हमारे दर्शक है ।इसके पूर्व भी सी पी भट्ट को मिला के दर्जन भर बेस्ट कॉमेडियन, बेस्ट विलेन, मोस्ट पापुलर कॉमेडियन अवॉर्ड और सैकड़ो सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने दर्शकों को खूब हंसाया और शिल्पी राज के लाइब गाने सइयाँ मोट हो गईले पे देसी ठुमका से लोगो को झूमने पे मजबूर कर दिया ।अपनी हिंदी फि ल्म उन्स और हैंटिंग इन मध्यप्रदेश के लिए अंतरराष्ट्रीय फि ल्म फेस्टिवल में भी दूसरे देशों में भी बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर और बेस्ट नेगेटिव करैक्टर के लिए अवॉर्ड प्राप्त कर चुके है। भट्ट आजकल अनन्द मोहन के साथ कॉमेडी वीडियो के माध्यम से पूरे देश विदेश में ढेला बाबा के नाम से छा गए है। उन्होंने कहा कि भोजपुरी विश्व में प्रसिद्ध है। सरकार इसे आठवीं अनुसूची में शामिल करे। अवॉर्ड शो में निमार्ता अभय सिन्हा, निशांत उज्जवल, दिनेश लाल यादव निरहुआ, अरविंद अकेला कल्लू, अक्षरा सिंह, चिंटू पांडेय, राजकुमार पांडेय, रितेश पांडेय, देवी जी, शिल्पी राज, अंकुश राजा, देव सिंह, प्रेम सिंह, तनु श्री, यश कुमार मिश्रा और स्मृति सिंह ने शो में मौजूद रहे।

अगर बच्चा होमवर्क न करे तो करें बातचीत

अभिभावकों को अक्सर लगता है कि बच्चे स्कूल में अच्छा करें यह उनकी भी जिम्मेदारी बनती है। यह जिम्मेदारी चिंता में तब्दील हो जाती है। आपके विचार बच्चे के बिगड़ते भविष्य तक भी पहुंच जाते हैं। और ऐसा न हो इसके लिए सही तरीके से किया गया होमवर्क पहला कदम नजर आने लगता है।

इस कारण आप बच्चे को बार बार होमवर्क करने के लिए कहते हैं। उसकी नोटबुक देखकर जानने की कोशिश करते हैं आखिर आज का काम क्या है। कुछ समझ आता है कुछ नहीं समझ पाते। जानिए आखिर कैसे आप बच्चे को करा सकते हैं होमवर्क आसानी से और डाल सकते हैं उनके कुछ बहुत अच्छी आदतें डालें।

बच्चे के साथ बैठिए

अपने बच्चे के साथ बैठिए और उसके साथ अपनी आगे आने वाले साल के विषय में बातचीत कीजिए। बेहतर होगा एकेडिमिक ईयर की शुरूआत में ही प्लान बन जाए ताकि आपके और बच्चे के पास भरपूर वक्त और मौका रहे। ऐसी इच्छाएं ही रखिए जो हो सकती हैं। जरूरत से अधिक अपेक्षाएं बच्चे पर अतिरिक्त मानसिक बोझ डाल सकती हैं। अपने बच्चे के कमजोर क्षेत्रों को पहचानें। उसका पिछले साल का रिपोर्ट कार्ड और उसका अनुभव इसमें आपकी मदद करेगा। इस हिस्से पर आपको और बच्चे को अधिक काम करना है।

दिन के घंटे बांटिए आपके बच्चे की पिछले साल भी कुछ दिनचर्या रही होगी। इस बार टाइमटेबल में उन गल्तियों को जगह न दें जो पिछले साल परेशानी का कारण बन गईं थीं। हो सकता है पिछले साल बच्चे का सोने और होमवर्क का समय एक ही हो ऐसे में टीवी के टाइम में कटौती कर थोड़ा पहले होमवर्क करना समझदारीभर होगा।

होमवर्क को रोचक बनाने की कोशिश करें क्या आपका बच्चा पढ़ने से जी चुराता है? ऐसे में आप दूसरे बच्चों के उदाहरण दे देकर उसे इंस्पायर करने की कोशिश करने में उसके मन में जलन और असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं। बच्चा न पढ़ने के बहाने ढूंढ़ने लगता है। बच्चे को दूसरे बच्चे के उदाहरण देने के बदले, पढ़ाई को खेल खेल में सिखाने की कोशिश करें। ऐसे नए तरीके खोजने की कोशिश करें जिसमें बच्चे का मन लगे। आप अपने बच्चे को सबसे बेहतर जानते हैं और आप ही उसकी पसंद की एक्टिविटी आसानी से खोज सकते हैं।

होमवर्क प्लान का आंकलन करें एकेडमिक ईयर की शुरूआत में बनाया गया प्लान हो सकता है सही न हो। इस समस्या के उपाय के तौर पर बीच बीच में इस प्लान का मूल्यांकन करें। अपने बच्चे से सलाह मशवरा करें और अगर जरूरी लगता है तो इसमें बदलाव अवश्य करें।

बच्चों को भी काम की अधिकता इतनी होती है कि अगर सही टाइमटेबल मैंटेन नहीं किया जाए तो काम इकट्ठा हो जाता है और समस्या बहुत बढ़ जाती है। होमवर्क सही तरीके से होता रहे इसके लिए जरूरी है कि आप टाइमटेबल फॉलो होने पर ध्यान दें।6. स्कूल के बाद दें आधे घंटे का ब्रेक स्कूल से लौटने के बाद बच्चे को आधे घंटे का ब्रेक दें। इस दौरान बच्चा न तो टीवी देखें, न इमेल चेक करें और न हीं वीडियों गेम्स खेलना शुरू करे। अगर बच्चा इन सब में लग जाता है तो वह आधे घंटे के बाद उठने से रहा। बजाय रात में होमवर्क के बच्चे को दिन में अधिकतर काम निपटा लेने के लिए प्रेरित करें। रात में घर के सभी सदस्य घर पर होने से बच्चे का मन टीवी और सभी के साथ बैठने का रहता है। ऐसे में अकेले बैठकर पढ़ना मुश्किल काम है।

बच्चों को ज़िम्मेदार भी बनाते हैं पेट्स

आजकल एकल परिवार हैं। ऐसे में बढ़ती महंगाई और खर्चों के कारण अब माता-पिता दोनों काम करते हैं और इस कारण उन्हें ज्यादातर समय घर से बाहर ही रहना पड़ता है। ऐसे में देखा गया है कि बच्चे, विशेषकर अकेला बच्चा, खुद को अकेला और उपेक्षित महसूस करता है। ज्यादातर मामलों में अभिभावक अपने बच्चों के साथी के तौर पर पालतू जानवरों पसंदीदा (पेट्स) को रखते हैं।

एक पालतू जानवर बच्चे के भाई-दोस्त या परिवार के सदस्य की जगह नहीं ले सकता, पर यह बच्चे के खालीपन को जरूर भर सकता है। बच्चा इनके साथ खेलते हुए कई चीजें सीखता है।

ज्यादातर अभिभावक अपने बच्चों को मजबूत बनना सिखाते हैं। लेकिन जब एक बच्चा घर में किसी पेट्स के साथ बड़ा होता है तो वह ज्यादा संवेदनशील होना सीखता है। वह इनके बीमार होने पर दर्द समझता है।

पेट्स के साथ वक्त बिताने का एक अन्य फायदा यह होता है कि बच्चे ज्यादा सतर्क रहना सीख जाते हैं। वह जान जाते हैं कि कब उसे भूख लगी है।

पालतू जानवरों की देखभाल करते वक्त केयरिंग, संवेदनशील और चौकन्ना रहने की जरूरत होती है और पेट्स के साथ वक्त बिताते हुए बच्चे कम उम्र में ही इन खूबियों को अपने अंदर ढाल लेते हैं।

पेट्स के साथ बड़े होने का एक अन्य फायदा है कि इससे बच्चे जिम्मेदार बनना सीखते हैं।

पेट्स का साथ बच्चों को जिम्मेदार बनना सिखाता है क्योंकि वह अपने प्यारे पेट्स की सभी जरूरतों का ख्याल रखते हैं। यदि बच्चे को उसके पेट्स के खाने, घुमाने और डॉक्टर का अपॉइंटमेंट लेने जैसी जिम्मेदारी दे दी जाएं, तो वह अपने काम को सही तरीके से अंजाम देते हैं।

बच्चों को जिंदगी और मौत की अवधारणा के बारे में समझाना बहुत मुश्किल होता है। पेट्स के साथ रखकर उन्हें जिंदगी और मौत के चक्र के बारे में बताया जा सकता है।

एक अभिभावक होने के नाते आप अपने पालतू जानवर के जीवन का हर पड़ाव देखते हैं। आप उसके बचपन से लेकर उसे बड़ा होते हुए और फिर वृद्धावस्था में जाने के बाद उसकी मृत्यु को भी देखते हैं। उनकी यह जिंदगी और मौत हमें इंसान के जीवन के पूरे चक्र के बारे में बताते हैं।

अपने साथ पेट्स को रखना अपने अच्छे दोस्त को घर पर रखने जैसा होता है। घर में रहने वाला पेट्स न सिर्फ घर में सभी के लिए तनाव दूर करने वाला बनता है बल्कि आपके बच्चों को रचनात्मक रूप से व्यस्त भी रखता है। पेट्स की देखभाल करते हुए बच्चे दयालु, निस्वार्थ, केयरिंग और जिम्मेदार बनना सीखते है। घर में रहने वाले पेट्स आपके बच्चे को सही और आसान तरीके से बेहतर इंसान बनने में मदद करते हैं।

बच्चों को लिखना ऐसे सिखायें

लिखना भी एक कला है, लेकिन बच्चों को लिखना सिखाना तो यह और भी बड़ी कला है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है। बहुत से माता-पिता को यह समस्या होती है कि बच्चों को लिखना कैसे सिखाया जाए? जिस प्रकार बच्चों को पढ़ाने के लिए लगातार अभ्यास कराना पड़ता है, उसी प्रकार लिखने का भी निरन्तर प्रयास कराना आवश्यक है। पढ़ने की तुलना में लिखना ज्यादा कठिन है। ऐसा देखा गया है कि जो जल्दी पढ़ना सीख जाते हैं वे लिखना देर से सीखते हैं। कुछ बच्चों को पढ़ना-लिखना साथ-साथ सिखाया जाता है। बच्चों को लिखना सिखाने के लिए माता-पिता, अध्यापक तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों का सहयोग बहुत ही आवश्यक है।

यदि बच्चे ने मेहनत करके लिखा है तो बड़ों को चाहिए कि वह उसे देखें तथा उन्हें पढ़ कर सुनाने के लिए कहें। समान्यत- बच्चे वही लिखते हैं, जो सरल पाते हैं। बच्चे लिखने-पढ़ने में जल्दबाज़ी नहीं करते। कुछ बच्चे लिखना पढ़ना एक साथ सीख जाते हैं। प्रारम्भ में बच्चों को लिखने की शिक्षा माता-पिता तथा घर के अन्य बड़े सदस्यों द्वारा घर पर ही दी जाती है। बाद में जब बच्चा स्कूल जाने लगता है तो यह ज़िम्मेदारी शिक्षकों पर आ जाती है, लेकिन स्कूल जाना प्रारम्भ करने के बाद भी माता-पिता की ज़िम्मेदारी बनी ही रहती है कि बच्चा स्पष्ट व सुंदर लिखे।

शिक्षकों का कहना है कि बच्चों को सर्वप्रथम छपे हुए अलग-अलग वर्णमाला पढ़ना सिखाना चाहिए, जिससे अक्षरों को पढ़ने व पहचानने की क्षमता जागृत हो। आमतौर पर वे बेहद एकाग्र होकर कसकर पैंसिल पकड़ कर लिखते हैं, जिससे उनकी आंखों पर जोर पड़ने की सम्भावना होती है। परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसे चश्मा पहनना पड़ता है। माता-पिता को बच्चों की इस आदत पर नियंत्रण प्रारम्भ से ही रखना चाहिए।

आज की पीढ़ी में देखा गया है कि बच्चे काफी कम उम्र में लिखने-पढ़ने के प्रति रुचि दिखाने लगते हैं। विशेषकर दूरदर्शन, रेडियो आदि के प्रभाव से जल्द समझदार हो जाते हैं। उनमें बड़ों को देख कर लिखने की इच्छा जागती है। वे अपना, अपने मित्रों तथा माता-पिता का नाम लिखने का प्रयास करते हैं। माता-पिता या बड़ों को चाहिए कि वे ऐसे मौके का पूरा फायदा उठाएं, बच्चों में सही व सुन्दर लिखने को प्रोत्साहित करें। सीखने की रुचि बच्चों में स्वयं ही होती है। अत- वह बड़ों के कहने को बहुत ही गम्भीरता से लेते हैं, जिससे उनके लिखने की योग्यता विकसित होती है।

बच्चों के टिफिन को ऐसे करें तैयार

बच्चे बहुत मूडी होते हैं। इसलिए इस बात का खास ख़्याल रखें कि बच्चों का खाना इस तरह का हो, जिससे उन्हें अधिक से अधिक पौष्टिक तत्व मिल सकें और यह उनकी पसंद का भी होना चाहिये। अक्सर बच्चे फल और सलाद खाने में आनाकानी करते हैं, पर उन्हें विभिन्न शेप, साइज़ और डिज़ाइन में काटकर और कलरफुल लुक देकर खाने के लिए प्रेरित किया जा सकता है।

इस प्रकार का खाना रखें

कुछ बच्चे खाने में अधिक समय लगाते हैं। इसलिए खाना स्वादिष्ट, साद व आसानी से खानेवाला होना चाहिए।

कई बार खाना टिफिन में इस तरह से पैक किया हुआ होता है कि बच्चे हाथ गंदे कर लेते हैं या पैकिंग खोल नहीं पाते हैं। इसलिए टिफिन में लंच इस तरह से पैक करें कि बच्चे आसानी से खोल व खा सकें.

सैंडविचेज़, रोल्स और परांठा को काटकर दें, ताकि बच्चे आसानी से खा सकें।

यदि लंच ब्रेक के लिए सेब, तरबूज़, केला आदि दे रही हैं, तो उन्हें छीलकर, बीज निकालकर और स्लाइस में काटकर दें।

टिफिन खरीदते समय ध्यान दें

टिफिन ख़रीदते समय इस बात का ध्यान रखें कि टिफिन ऐसा हो, जिसे बच्चे आसानी से खोल व बंद कर सकें।

बच्चों को टिफिन में फ़ाइड फूड न दें। यदि कटलेट, कबाब व पेटिस आदि दे रही हैं, तो वे भी डीप फ़ाई किए हुए न हों।

लंच में खाने की अलग-अलग वेराइटी बनाकर दें। उदाहरण के लिए- कभी फूट्स दें, तो कभी सैंडविच, कभी वेज रोल, तो कभी स्टफ्ड परांठा।

बच्चों को टिफिन में फूट्स व वेजीटेबल (ककड़ी, गाजर आदि) सलाद भी दे सकती हैं, लेकिन सलाद में केवल एक ही फल, ककड़ी या गाजर काटकर न दें, बल्कि कलरफुल सलाद बनाकर दें। बच्चों को कलरफुल चीज़ें आकर्षित करती हैं।

ककड़ी, गाजर और फल आदि को शेप कटर से काटकर दें। ये शेप्स देखने में अच्छे लगते हैं और विभिन्न शेप्स में कटी हुई चीज़ों को देखकर बच्चे खुश होकर खा भी लेते हैं।

सलाद को कलरफुल और न्यूट्रिशियस बनाने के लिए उसमें इच्छानुसार काला चना, काबुली चना, कॉर्न, बादाम, किशमिश आदि भी डाल सकती हैं।

ओमेगा3 को 'ब्रेन फूड' कहते हैं, जो मस्तिष्क के विकास में बहुत फ़ायदेमंद होता है। इसलिए उन्हें लंच में वॉलनट, स्ट्रॉबेरी, कीवी फ्रूट, सोयाबीन्स, फूलगोभी, पालक, ब्रोकोली, फ्लैक्ससीड से बनी डिश दें।

मल्टीग्रेन ब्रेड रहेगी अच्छी

व्हाइट ब्रेड (मैदेवाली ब्रेड) स्वास्थ्य को नुक़सान पहुंचाती है, इसलिए उन्हें व्हाइट ब्रेड की जगह मल्टीग्रेन ब्रेड से बने सैंडविचेज़ और रोल्स आदि दें। इन सैंडविचेज़ और रोल्स में सब्ज़ियां, सलाद और चीज़ आदि भरकर उन्हें अधिक हेल्दी और टेस्टी बना सकती हैं।

लंच में यदि डेयरी प्रोडक्ट देना चाहती हैं, तो चीज़ स्टिक्स/क्यूब्स और दही दे सकती हैं। यदि दही दे रही हैं, तो वह ताज़ा हो।

खाने के समय बच्चों को अधिक प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें लंच में उबला हुआ अंडा, पीनट बटर, दाल परांठा, काबुली चना, सोया, पनीर, बीन्स आदि से बना खाना दें।हेल्दी लंच के साथ-साथ बच्चों को पानी की बॉटल भी दें।

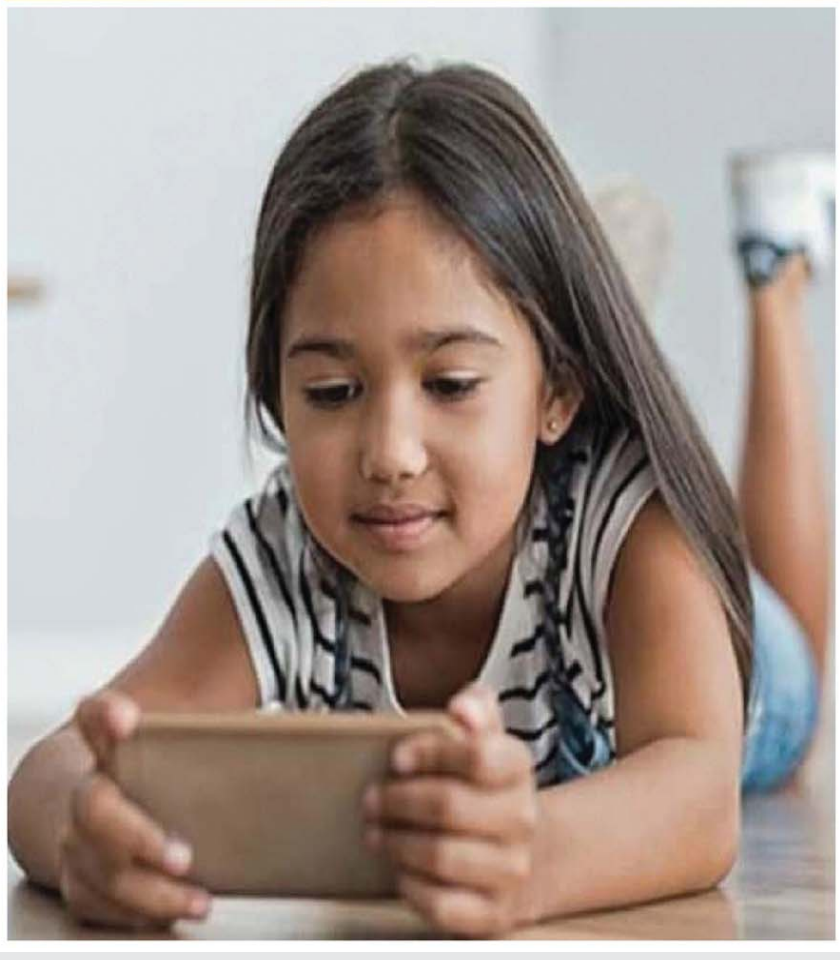

सेल्फी की आदत से बच्चों को दूर रखें

आजकल मोबाइल की पहुंच बच्चों ओर किशोरों तक भी है और वह भी सेल्फी लेने लगे हैं। वहीं इससे लगातार हादसे के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को इस आदत से दूर रखना अभिभावकों का काम है। वहीं विशेषज्ञों के अनुसार हम एक ऐसे युग में रहते हैं जहां मोबाइल फोन हमारे जीवन में प्रवेश कर चुका है और वास्तविक मानवीय संपर्क लगभग न के बराबर है हालांकि प्रौद्योगिकी ने सभी के लिए जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन इसके साथ एक गंभीर समस्या भी है। पिछले दो वर्षो में दुनिया भर में सेल्फी का बुखार बढ़ा है। सेल्फी को दुनिया भर में बड़ी संख्या में मृत्यु दर और महत्वपूर्ण बीमारी से जोड़ा गया है।

इस डिजिटल युग में, अच्छे स्वास्थ्य के लिए तकनीक का इस्तेमाल जरुरत से ज्यादा न हो। हम में से बहुत से लोग ऐसे उपकरणों के गुलाम बन गए हैं जो वास्तव में हमें फ्री टाइम देने और जीवन को बेहतर तरीके से अनुभव करने तथा लोगों के साथ अधिक समय बिताने के लिए बनाये गये थे। जब तक जल्द से जल्द एहतियाती उपाय नहीं किए जाते, यह लत लंबी अवधि में किसी के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मोबाइल फोन के अधिक उपयोग के कारण होने वाली समस्याओं को अभिभावक इस प्रकार रोकें।

बच्चों को सोने से 30 मिनट पहले किसी भी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का उपयोग न करने दें

हर तीन महीने में सात दिन के लिए फेसबुक से दूर रखें।सप्ताह में एक बार, पूरे दिन के लिए सोशल मीडिया का उपयोग न करने दे।अपने मोबाइल फोन का उपयोग केवल तभी करें जब घर से बाहर हों।

अपने मोबाइल टॉक टाइम को दिन में दो घंटे तक सीमित करें। अपने मोबाइल की बैटरी को दिन में एक से अधिक बार रिचार्ज न करें। मोबाइल भी अस्पताल में संक्रमण का एक स्रोत हो सकता है, इसलिए, इसे हर दिन कीटाणुरहित किया जाना चाहिए।

धनतेरस पर सोना-चांदी दोनों में निवेश करना फायदेमंदः बाजार विशेषज्ञ

- दोनों ही की कीमती धातुओं में आगे भी मजबूती आने की संभावना

नई दिल्ली ।

धनतेरस के त्योहार पर भारत में जमकर खरीदारी होती है। विशेष तौर पर देखा जाए तो सोने और चांदी की कीमतें इस साल खूब बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। इस साल 29 मई को चांदी ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। एक जनवरी 2024 को चांदी की कीमत 73,395 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी तरह 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63352 रुपये थी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जब सोने और चांदी की मांग पीक पर होती है, तो निवेशकों को सोच-समझकर फैसले लेना चाहिए। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अभी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आने की कोई आशंका नजर नहीं आ रही है। आने वाले समय में हाजिर और वायदा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतों में और मजबूती आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में कटौती के चलते सोने-चांदी की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। खास बात यह है कि चांदी, जो हाल के महीनों में सोने से पीछे रही है, अब अधिक आकर्षक निवेश विकल्प बन सकती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी दिवाली तक 1,05,000-1,10,000 प्रति किलो तक जा सकती है। उन्होंने निवेशकों को इस मौके का फायदा उठाने और चांदी पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इसके साथ ही जियोपॉलिटिकल टेंशन और फस्टिव सीजन के चलते आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है, वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

यूटीआई का सितंबर तिमाही में मुनाफा बढ़कर 239 करोड़ हुआ

- पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 183 करोड़ का मुनाफा हुआ था

नई दिल्ली ।

यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 31 प्रतिशत बढ़कर 239 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 183 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। यूटीआई एएमसी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि सितंबर तिमाही में उसकी परिचालन आय 33 प्रतिशत बढ़कर 538 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 404 करोड़ रुपये थी। सितंबर तिमाही में यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी का कुल परिसंपत्ति आधार 20.16 लाख करोड़ रुपये था। इसमें यूटीआई म्यूचुअल फंड का परिसंपत्ति आधार 3.42 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यूटीआई एएमसी के एक अे धिकारी ने कहा कि भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग में उल्लेखनीय वृद्धि जारी है। औसत प्रबंधन अधीन परिसंपत्ति 66.22 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो देश भर में मजबूत निवेशक धारणा को दर्शाती है।

अदाणी की बोली के बाद केएसके महानदी के लिए अन्य बोलीदाताओं ने भी दाव बढ़ाए

- अदाणी समूह ने केएसके के लिए 12,500 करोड़ की ऊंची बोली लगाई है

नई दिल्ली ।

केएसके महानदी पावर का अधिग्रहण करने के लिए अदाणी समूह की तरफ से 12,500 करोड़ रुपये की बोली लगाए जाने के बाद अन्य बोलीदाता भी अपनी पेशकश संशोधित करने के लिए प्रेरित हुए हैं और इसका अंतिम आंकड़ा बहुत अधिक हो सकता है। केएसक महानदी पावर के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) की तरफ से बोली को चुनौती देने वाली व्यवस्था शुरू किए जाने के बाद गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) की पूरी वसूली हो जाने की उम्मीद है। हालांकि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत संचालित कार्यवाही में ऐसा हो पाना लगभग दुर्लभ है। आईबीसी व्यवस्था से जुड़े सूत्रों ने केएसके महानदी को लेकर दिलचस्पी जगाने का श्रेय अदाणी समूह को दिया है।

अदाणी समूह ने इस संकटग्रस्त कंपनी के लिए 12,500 करोड़ रुपये की शुरुआती ऊंची बोली लगाई है। यह बोली दूसरे स्थान पर मौजूद बोलीदाता की तुलना में 4,800 करोड़ रुपये अधिक है। इसका नतीजा यह निकला है कि एनटीपीसी समेत 10 मौलिक बोलीदाताओं में से छह ने अब अदाणी समूह की लगाई बोली के आसपास के संशोधित प्रस्ताव पेश किए हैं। यह मजबूत प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है जिससे परिसंपत्ति मूल्य भी बढ़ेगा।

उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि यह अधिकतम मूल्य हासिल करने पर आईबीसी के जोर को दर्शाता है। अदाणी की प्रतिस्पर्धी बोली केएसके महानदी के 10,000 करोड़ रुपये के कथित नकद भंडार और 4,000 करोड़ रुपये की व्यापार प्राप्तियों को जोड़कर करीब 27,000 करोड़ रुपये हो जाती है। इसका मतलब है कि कर्जदाताओं को बकाया कर्ज के 92 प्रतिशत की वसूली हो सकती है। छत्तीसगढ़ में स्थित केएसके महानदी की स्थापित क्षमता 1,800 मेगावाट है। करीब 29,330 करोड़ रुपये के कर्ज बोझ वाली इस परियोजना को 2019 में दिवाला समाधान प्रक्रिया में लाया गया था। अदाणी पावर की 12,500 करोड़ रुपये की बोली प्रतिस्पर्धी संस्थाओं के बीच सबसे ऊंची पेशकश थी।

चालू महीने में खाद्य तेलों का आयात बढ़ने का अनुमान

- पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है रिफाइंड तेल का आयात

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। चालू त्योहारी सीजन में घरेलू बाजार में मांग भी तेजी दिखाई दे रही है। जिसके कारण खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले महीने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में इजाफा का मकसद आयात को हतोत्साहित करना, घरेलू उद्योग और किसानों को फायदा पहुंचाना था। जो फिलहाल पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी के बावजूद चालू महीने में खाद्य तेल का आयात अधिक रहने वाला है। खाद्य तेल कारोबारियों के मुताबिक अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल का आयात 13.50 लाख टन तक पहुंचने वाला है जो अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल के आयात का करीब 9 साल का उच्चतम स्तर हो सकता है। अखिल भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ ने बताया कि रिफाइंड तेल का आयात पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है जबकि पाम तेल 7.50 लाख टन होने का अनुमान है। अक्टूबर 2023 में 6.95 लाख लीटर पाम तेल का आयात हुआ था। पिछले महीने की तुलना में तीन लाख लीटर अधिक पाम तेल के आयात होने का अनुमान है। कच्चे और रिफाइंड पाम तेल का आयात घटने के कारण सितंबर में कुल खाद्य तेल आयात में 29 प्रतिशत की गिरावट रही है। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के मुताबिक पिछले महीने कुल खाद्य तेल आयात 10.64 लाख टन रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 14.94 लाख टन रहा था। केंद्र सरकार ने सितंबर के दूसरे सप्ताह में खाद्य तेलों पर आयात शुल्के बढ़ा दिया गया था। सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया था। इसकी वजह से तीनों तेलों पर कुल आयात शुल्क 5.50 फीसदी से बढ़कर 27.5 फीसदी हो गया है। जबकि रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सोया तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल के आयात पर 13.75 आयात शुल्क के मुकाबले अब 35.75 फीसदी आयात शुल्क लग रही है। पिछले एक महीने के दौरान सोयाबीन की वैश्विक कीमतों में करीब 16 फीसदी, सूरजमुखी में 12 फीसदी और पाम ऑयल में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला।

आरबीआई गवर्नर ने कहा- क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम

- सरकारें क्रिप्टोकरेंसी में संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी जागरूक हो रही हैं

नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शांतिकांत दास कहा कि क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय स्थिरता और मौद्रिक स्थिरता के लिए बड़ा जोखिम है। उन्होंने कहा कि इससे ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है। आरबीआई गवर्नर दास ने थिंक टैंक पीटरसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स में अपनी उपस्थिति के दौरान कहा कि वास्तव में मेरी राय यह है कि यह ऐसी चीज है जिसे वित्तीय प्रणाली पर हावी नहीं होने दिया जाना चाहिए। क्योंकि इसमें वित्तीय स्थिरता के बड़े जोखिम हैं और यह बैंकिंग प्रणाली के लिए भी जोखिम पैदा करता है। उन्होंने कहा इससे ऐसी स्थिति भी पैदा हो सकती है जहां केंद्रीय बैंक अर्थव्यवस्था में धन आपूर्ति पर नियंत्रण खो सकता है। दास ने कहा कि सरकारें क्रिप्टोकरेंसी में संभावित नकारात्मक जोखिमों के बारे में भी जागरूक हो रही हैं और इससे जुड़े बड़े जोखिमों को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा यह ऐसा कुछ नहीं है जिसके बारे में मुझे लगता है कि यह ऐसा कुछ नहीं है जिसे प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह दृष्टिकोण बहुत लोकप्रिय नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि वित्तीय स्थिरता के संरक्षक के रूप में, यह दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि भारत क्रिप्टोकरेंसी के बारे में सवाल उठाने वाला पहला देश था। भारत की अध्यक्षता में जी20 में इस पूरे क्रिप्टो इकोसिस्टम से निपटने के संबंध में एक अंतरराष्ट्रीय समझ विकसित करने पर एक समझौता हुआ था।

बीबी रिटेल ने दिवाली शॉपिंग को बदला

रांची : बिगबास्केट एक फुल-स्टैक क्विक कॉमर्स प्लेयर के रूप में परिवर्तित हो रहा है, जो अपने ग्राहकों के दरवाजे पर किराने के सामान के अलावा और भी बहुत कुछ ला रहा है।

दिवाली नजदीक आने के साथ, बिगबास्केट केवल 10 मिनट में उत्पादों की रोमांचक विविधता की पेशकश करके ग्राहकों के लिए त्योहारी सीजन का जश्न मनाना पहले से कहीं अधिक आसान बना रहा है। आने वाले महीनों में, बिगबास्केट क्रोमा से नवीनतम इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण, मैटल, हैस्ब्रो, लेगो और बेब्लेड जैसे ब्रांडों के खिलौनों के साथ-साथ टाटा क्लिक के परिधान पेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार हो रहा है।

बीबी रिटेल के मार्केटिंग प्रमुख रागलीना श्रीपदा ने कहा, ह्लटियर 2 बाजार हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। हम अपने टियर 2 ग्राहकों के 10 मिनट के भीतर उत्पादों की विशाल रेंज के प्रति उत्साह देखकर रोमांचित हैं। इस दिवाली, हम उपहार देने के कई विकल्प और बहुत-सी कुछ चीजों के साथ दिवाली की जरूरतों की एक विस्तृत श्रृंखला देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अफ्रीका में एयरटेल ने तीन महीने में कमाए 650 करोड़

- एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर कर रही है विचार

मुंबई । दूरसंचार कंपनी एयरटेल अफ्रीका ने सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिनमें कंपनी ने 650 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ दर्ज किया है। इस दौरान शुक्रवार को भारत के शेयर बाजार में एयरटेल के शेयरों में लगभग एक प्रतिशत की गिरावट आई है। इसके बावजूद एयरटेल अफ्रीका आईपीओ के माध्यम से फंड जुटाने पर विचार कर रही है। खबरों के अनुसार कंपनी लंदन में लिस्टिंग कराने का प्रयास कर रही है। भारती एयरटेल की टेलीकॉम यूनिट एयरटेल अफ्रीका को चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.9 करोड़ डॉलर यानी 664 करोड़ रुपए से ज्यादा का मुनाफा हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 1.3 करोड़ डॉलर का घाटा हुआ था। कंपनी ने बयान में कहा कि इसका लाभ 15.1 करोड़ डॉलर के असाधारण डेरिवेटिव और विदेशी मुद्रा घाटे से प्रभावित हुआ, जो इस अवधि के दौरान नाइजीरियाई की मुद्रा नाइरा में मूल्यह्रास का नतीजा है। एयरटेल अफ्रीका की आमदनी सितंबर तिमाही में 9.64 प्रतिशत घटकर 237 करोड़ डॉलर रही, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 262.3 करोड़ डॉलर थी। एयरटेल अफ्रीका कि एक अे धिकारी ने कहा` कि हमने देखा है कि लागत को अनुकूलतम बनाने हमारे कार्यक्रम में पहले से ही प्रारंभिक सकारात्मक परिणाम दिखने लगे हैं। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा कर्ज, बाजार से लिये गये कुल ऋण का मात्र 11 प्रतिशत रह गया है। बहीखाते को जोखिम मुक्त करने के लिए हमारे किए गए कार्य को दर्शाता है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.16 अरब डॉलर घटकर 688.27 अरब डॉलर हुआ

- पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 690.43 अरब डॉलर था

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 2.16 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 688.27 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10.75 अरब डॉलर घटकर 690.43 अरब डॉलर रहा था। हाल के दिनों में मुद्रा भंडार में आई यह सबसे बड़ी गिरावट थी। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 3.71 अरब डॉलर घटकर 701.18 अरब डॉलर रह गया था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 18 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.87 अरब डॉलर घटकर 598.24 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.79 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.44 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 6.8 करोड़ डॉलर घटकर 18.27 अरब डॉलर रह गया। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.32 अरब डॉलर रहा।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट रही

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट देखी गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की सतत बिकवाली से दोनों सूचकांकों में 14 महीने में सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही ब्लूचिप फर्मों के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने और शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की चिंता से भी बाजार में गिरावट को बल मिला है। घरेलू शेयर बाजारों ने नए सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सोमवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांकों में मजबूती दिखी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 545 अंक बढ़कर 81,770.02 अंक पर खुला और 73.48 अंक की गिरावट के साथ 81,151.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 102.10 अंक की बढ़त के बाद 24,956.15 अंक पर खुला और 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत हुए हैं। सेंसेक्स 200 अंकों बढ़कर खुला और 930.55 अंक टूटकर 80,220.72 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 24800 से अधिक बढ़कर खुला और 309 अंक गिरकर 24,472.10 पर बंद हुआ। बुधवार को भारतीय बाजारों में बिकवाली का दबाव जारी रहा क्योंकि बीयर्स लगातार सूचकांकों को नीचे खींचते दिखे। बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स 299 अंक टूटकर 79,921.13 पर खुला और 138.74 अंक गिरकर 80,081.98 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 93.95 अंक की गिरावट के साथ 24,378.15 पर खुला और 36.60 अंक की गिरावट के साथ 24,435.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.07 अंक टूटकर 79,916.91 पर खुला और 16.82 अंक कमजोर होकर सपाट बंद हुआ। निफ्टी 52.71 अंकों की कमजोरी के साथ 24,382.80 पर खुला और 36.10 अंक फिसलकर 24,399.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक लगभग एक प्रतिशत तक नीचे आ गए। दोपहर एक बजकर 54 मिनट पर सेंसेक्स 762.22 टूटकर मनोवैज्ञानिक स्तर 80 हजार से नीचे आ गया और 79,298.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 272.50 अंक टूटकर 24,126.90 के लेवल पर खुला और 218.60 अंक गिरकर 24,180.80 अंक पर बंद हुआ।

रिटर्न दाखिल करने की समयसीमा अब 15 नवंबर तक

- रिटर्न दाखिल करने की यह विस्तारित अवधि कर ऑडिट रिपोर्ट पर लागू नहीं होगी

नई दिल्ली । आयकर विभाग ने शनिवार को मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए कॉर्पोरेट्स द्वारा आयकर रिटर्न दाखिल करने की समय सीमा 15 दिन बढ़ाकर 15 नवंबर तक कर दी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने एक परिपत्र में कहा कि पिछली 31 अक्टूबर की समयसीमा बढ़ाई जाएगी। मूल्यांकन वर्ष 2024-25 के लिए नयी समयसीमा अब 15 नंवबर है। बताया गया है` कि कर रिटर्न दाखिल करने की यह विस्तारित अवधि कर ऑडिट रिपोर्ट पर लागू नहीं होगी। इससे पहले सितंबर में सीबीडीटी ने कर ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की अंतिम समयसीमा सात दिन तक बढ़ाकर सात अक्टूबर कर दी थी।

आरबीआई ने यूएई एक्सचेंज सेंटर का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द किया

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक आवशयकताओं का पालन न करने के कारण यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी का प्राधिकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक के इस कदम के बाद यूएई एक्सचेंज सैंटर एलएलसी (यूएईईसी) सीमा पार धन हस्तांतरण का कारोबार नहीं कर सकेगी। यूएईईसी का पंजीकृत कार्यालय दुबई में है। उसे सीमा पार धन हस्तांतरण परिचालक (ग्राहक से ग्राहक के बीच) के लिए ओवरसीज प्रिंसिपल के रूप में प्राधिकरण प्रमाणपत्र (सीओए) जारी किया गया था। आरबीआई ने कहा कि भुगतान प्रणाली परिचालक का सीओए नियामक आवशयकताओं का पालन न करने के कारण रद्द कर दिया गया है।

इंडिगो को सितंबर तिमाही में 986 करोड़ का नुकसान

- बीते वित्त वर्ष कंपनी को 188.9 करोड़ का लाभ हुआ था

नई दिल्ली । देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 986.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा कि उसे यह घाटा ठप विमानों और ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 188.9 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इंडिगो के एक अे धिकारी ने कहा कि एयरलाइन की वृद्धि और विस्तार जारी रहा और सितंबर तिमाही में इसकी आमदनी 14.6 प्रतिशत बढ़कर 17,800 करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने कहा` कि परंपरागत रूप से कमजोर दूसरी तिमाही में ठप विमानों और ईंधन लागत से संबंधित प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण परिणाम और भी प्रभावित हुए। हमने एक नया मोड़ लिया है क्योंकि ठप विमानों की संख्या और संबंधित लागत में कमी आनी शुरू हो गई है। सितंबर तिमाही में एयरलाइन की ईंधन लागत 12.8 प्रतिशत बढ़कर 6,605.2 करोड़ रुपये हो गई।

8 लाख रुपये तक की इनकम हो सकती है टैक्स फ्री, 9 करोड़ लोग भर सकते हैं आईटीआर

नई दिल्ली।

हर साल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस साल करीब 7.3 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया है और मार्च 2025 तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। यदि सरकार 8 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने का फैसला लेती है, तो यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस छूट की मांग जोर पकड़ रही है और ऐसी संभावना है कि सरकार 60 से 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों को यह राहत दे सकती है।

- 2 करोड़ ज्यादा आईटीआर फाइल होने की संभावना

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर सरकार असेसमेंट ईयर 2024-25 में आईटीआर की संख्या बढ़ाना चाहती है, तो उसे ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यह छूट दी जाती है, तो रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि इस साल करीब 2 करोड़ और आईटीआर फाइल होंगे, जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। अगले साल यह आंकड़ा 10 करोड़ के पार भी पहुंच सकता है।

-टीडीएस कटौती और सर्टिफिकेट में बदलाव की सिफारिश

रिपोर्ट के अनुसार, असेसमेंट ईयर 2022 में कुल 7.3 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे, जो असेसमेंट ईयर 2024 में बढ़कर 8.6 करोड़ हो गए। तय तारीख के बाद आईटीआर भरने वालों की संख्या में गिरावट आ रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोग समय पर आईटीआर फाइल करने के अनुशासन का पालन कर रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी प्रक्रिया और फॉर्म को आसान बना दिया है, जिससे आईटीआर भरना सरल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को टीडीएस कटौती के दायरे में सुधार करना चाहिए और टीडीएस सर्टिफिकेट में भी बदलाव करने चाहिए।

दिवाली से पहले दोगुना हुआ मुद्रा लोन

- अब बिना गारंटी के मिलेंगे 20 लाख रुपए

नई दिल्ली ।

दिवाली से पहले सरकार ने मुद्रा योजना के तहत लोन सीमा बढ़ा दी है। सरकार ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपए कर दिया है, जिसका उद्देश्य छोटे उद्यमियों को मदद करना है। वित्त मंत्रालय ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई को केंद्रीय बजट में इस वृद्धि की घोषणा की थी। यह कदम नए उद्यमियों को अपने उद्योगों का विस्तार करने में सहायक साबित होगा। अधिसूचना के अनुसार तरुण प्लस श्रेणी के तहत 10 लाख रुपए से अधिक और 20 लाख रुपए तक के लोन उन उद्यमियों को उपलब्ध होंगे जिन्होंने पहले का लोन सफलतापूर्वक चुका दिया है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल, 2015 को हुई थी। इस योजना का उद्देश्य गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि छोटे और सूक्ष्म उद्यमियों को बिना गारंटी के 10 लाख रुपए तक का लोन प्रदान करना है। बैंक इस योजना के तहत तीन श्रेणियों में लोन देते हैंः शिशुः 50,000 रुपए तक, किशोरः 50,000 रुपए से 5 लाख रुपए तक और तरुणः10 लाख रुपए तक (अब 20 लाख रुपए)। इसके लिए पात्रता- उद्यमी भारत का नागरिक होना चाहिए, उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, बैंक डिफॉल्ट हिस्ट्री नहीं होनी चाहिए। कॉरपोरेट संस्थाएं इस योजना के अंतर्गत मान्य नहीं हैं।

बेफिक्र रहिये! न कोई कटेगा और न कोई बटेगा

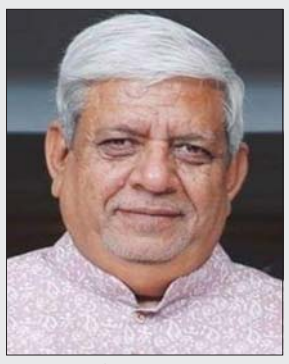

राकेश अचल

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.।

आखिर होसबोले भी वो ही बोले जो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पिछले कई महीनों से लगातार बोलते आ रहे हैं। दोनों की बोली और शब्दों का स्वरूप एक ही है। दोनों देश के बहुसंख्यकों को भयभीत कर रहे हैं कि यदि बँटोगे तो कटोगे। दोनों के निशाने पर देश के वे अल्पसंख्यक हैं जिन्हें आरएसएस आजादी के 77 साल बाद भी भारत का नागरिक नहीं मानता। आरएसएस और महंत योगी आदित्यनाथ के बोल एक संप्रभु, विविधवर्णी देश कि जड़ों में मठा डाल रहे हैं। मै उन लोगों में से नहीं हूँ जो आरएसएस को आतांकवादी संगठन मानते हैं। मै आरएसएस को राष्ट्रद्रोह संगठन भी नहीं कहता, लेकिन मेरे मानने और कहने से कुछ नहीं होता क्योंकि आरएसएस जो है वो खुद प्रमाणित कर रहा है, और तब कर रहा है जब इस विशिष्ट देश ने आरएसएस को 99 साल तक अपनी कोख में पाला पोसा है। ये संघ का शताब्दी वर्ष है। देश ने कभी नहीं कहा कि आरएसएस को भारत में नहीं होना चाहिए। लेकिन आरएसएस है जो न सिर्फ खुद बल्कि अपनी दत्तक संतानों से भी यही कहला रही है कि इस देश को कांग्रेस विहीन होना चाहिए।

दुनिया जानती है कि संघ जिस की बेल है उससे अमृतफल तो नहीं निकल सकते। संघ के भावी मुखिया दत्तात्रेय होसबाले ने उत्तर प्रदेश के मथुरा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे वाले बयान का समर्थन किया, उन्होंने कहा कि हमें इसे आचरण में लाना चाहिए. यह हिंदू एकता और लोक कल्याण के लिए जरूरी है.। दत्तात्रेय होसबाले अभी आरएसएस के सरकार्यवाह हैं उन्हें सरसंघ चालक बनने से पहले वो सब करना और कहना पडेगा जो न सिर्फ अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य भी है।

दुर्भाग्य की बात ये है कि संघ और संघ का दत्तक पुत्र भाजपा एक विचार है, ऐसा विचार जो न सामयिक है और न आवश्यक। संघ और भाजपा का व्यवहार दुनिया में रूढ़ियों से घिरे तालिबानियों से बहुत कुछ मेल खाता है। संघ देश कि विविधता में यकीन करता ही नहीं है, संघ हिन्दुओं कि श्रेष्ठता में न सिर्फ यकीन करता है बल्कि उसे बहुसंख्यक हिन्दुओं के मन-मस्तिष्क में अंगद के पैर की तरह जमा देना चाहता है। दुर्भाग ये कि संघ को लगभग एक सदी में भी इस योजना में कामयाबी नहीं मिली। मुझे लगता है कि इस अभियान को साकार करने के लिए संघ को सात जन्म तो लेना ही पड़ेंगे।

होसबाले 2021 से सरकार्यवाह के रूप में कार्यरत हैं, वे 2024 से 2027 तक अपने इस पद पर रहने वाले हैं दत्तात्रेय होसबाले और योगी आदित्यनाथ में और कोई समानता हो या न हो लेकिन एक समानता ये है कि ये दोनों यदुवंशी हैं। दोनों अविवाहित हैं और दोनों बाल्य-काल से एक खास तरह की दीक्षा से गुजरे हैं जो कोसों तक भारत की राजनीति से मेल नहीं खाती। होसबोले 56 साल से संघ

के साथ हैं और आजीवन रहने वाले हैं। उनका एकमेव लक्ष्य वही है जो 1925 में श्रीमंत केशव वलीराम हेडगवार साहब ने तय किया था। उनका लक्ष्य तो सौ साल में भी पूरा नहीं हुआ लेकिन इस देश को आजाद करने का जो लक्ष्य महात्मा गाँधी ने 81 साल पहले तय किया था वो न सिर्फ फलीभूत हो चुका है बल्कि पल्लि्वत -पुष्पित भी हो रहा है।

जैसा कि मैंने पहले ही कहा कि मै संघ का और समस्त संघमित्रों का बहुत सम्मान करता हूँ। सम्मान इसलिए कि वे बहुत त्यागी होते है। सादगी पसंद होते हैं। उन्होंने सादगी हेडगेवार से नहीं बल्कि शायद महात्मा गाँधी से सीखी है। देश और दुनिया ने गांधी की सादगी को तो अंगीकार कर लिया किन्तु हेडगेवार साहब के हिन्दू राष्ट्र को स्वीकार नहीं किया। यदि किया होता तो ये देश 1947 में ही हिन्दू राष्ट्र बन जाता। हिन्दू राष्ट्र बनकर नेपाल ने देख लिया है। इस्लामिक राष्ट्र बनकर पाकिस्तान ने भी देख लिया है। इन्हें क्या हासिल हुआ ये बताना जरूरी नहीं है। चिंता की बात ये है कि संघ तमाम हकीकत जानते हुए भी हार मानने के लिए तैयार नहीं है।

हमारे बुंदेलखंड में होंस को उत्साह या गर्व कहते हैं और होंस से बोलने वालों को गवीर्ला मना जाता है किन्तु दत्तात्रय जी जो बोल रहे हैं उसमें गर्वोक्ति बिलकुल नहीं है केवल दम्भ है दम्भ। इस दम्भ से देश कि गंगा-जमुनी संस्कृति तबाह हो रही है। संघ और सभी संघमित्र गंगा-जमुनी संस्कृति में यकीन करते ही नहीं हैं। उन्हें लगता है कि संस्कृति मुगलों कि देन है और इसका वसुधैव कुटुंबकम से कोई मेल नहीं है, कोई बराबरी नहीं है। जबकि हकीकत कुछ और है। इस हकीकत को न संघ समझना चाहता है और न हमारी भाजपा। समझे तो आखिर कैसे समझे? उसे तो देश को हिन्दू राष्ट्र बनाना है।

देश हिन्दू राष्ट्र बने तो मुझे भी क्या आपत्ति हो सकती है लेकिन हमारा तजुर्बा बता रहा है कि अब बहुत देर हो चुकी है। देश जो राष्ट्र बन चुका है उसे अब बिगाड़ा नहीं जा सकता। नया देश बनाने के लिए बहुत लम्बी लड़ाई लड़ना पड़ती है। महात्मा गाँधी के नेतृत्व में देश कि जनता ने ये लड़ाई लड़ी है, लड़ी ही नहीं उसे जीता भी है। इस जीत में संघ का कितना योगदान है ये दुनिया जानती है और संघ भी। अब लगता है कि संघ 1947 से पहले कि गयी अपनी भूल सुधार करने कि कोशिश करना चाहता है। देश को एक बार फिर से नया नाम देना चाहता है। और इसी के लिए बँटोगे तो कटोगे का नारा दिया गया है। महात्मा गाँधी ने देश को करो या मरो का नारा दिया था और होसबोले देश को बँटोगे तो कटोगे का नारा दे रहे हैं।

आपको याद रखना होगा कि महात्मा गाँधी भी राम भक्त थे और संघमित्र दत्तरी होसबोले भी राम भक्त है। पूरा संघ रामभक्त है। पूरी भाजपा रामभक्त है लेकिन पूरा देश रामभक्त नहीं है। राम का सम्मान सब करते हैं। उन्हें देवता भी मानते हैं। मुसलमान भी उन्हें इमामे-हिन्द कहते हैं। यहां राम को मानने वाले भी हैं और न मानने वाले भी, लेकिन सब हैं भारतीय। और ऐसे भारतीय जिनका जन्म दत्तात्रय होसबोले से पहले हुआ था। उन्हें भारतीयता का प्रमाणपत्र न संघ से चाहिए और न होसबोले से। उनका आधारकार्ड ही उनके भारतीय होने का प्रमाण है। और संयोग से ये प्रमाणपत्र संघ कार्यालय से नहीं भारत सरकार के कार्यालय से जारी होता है।

मुझे हैरानी तो ये है कि डॉ मोहन भागवत हों या माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी भी इस हकीकत को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हैं, उलटे बार-बार इस हकीकत को ठुकराना चाहते हैं। इन सभी महनुभवों ने देश कि जनता के एक बड़े वर्ग के मन में भय पैदाकरने कि कोशिश की, लेकिन जब ये कोशिश भी असरकारी साबित नहीं हुई तो सबका साथ, सबका विकास से शुरू होकर अब बंटोगे तो कटोगे तक आ पहुंचे हैं। संघ और भाजपा जबरन हिन्दुओं के ठेकेदार बन गए है। जब संघ और भाजपा नहीं थी तब भी इस देश में हिन्दू थे, हिंदुत्व था।

हमारे संघमित्र शायद नहीं जानते कि भारत पर आर्यों ने, फारसियों ने, अलेक्जेंडर ने सेल्यूकस ने, यवनों ने, हूणों ने, अरबों ने मुगलों ने और अंग्रेजों ने हमला किया, शासन किया लेकिन हिन्दू तब भी थे और आज भी हैं। मै संघमित्रों को यकीन दिलाना चाहता हूँ कि भारत में हिन्दू कल भी रहेंगे और बहुसंख्यक बनकर ही रहेंगे, वे न बंटेंगे और न कोई उन्हें काट पायेगा। ये कोशिश सियासत जरूर करती है, लेकिन सियासत भी हर बार कामयाब नहीं होती। कभी-कभी संघ कि विचारधार को कामयाबी मिलती है। जनता भी संघमित्रों को मौका देती है, लेकिन जब हकीकत समझती है तो अपना फैसला बदल भी लेती है। ये लोकतंत्र की विशेषता है। संघ मित्र आज सत्ता में हैं, कल शायद नहीं होंगे और परसों मुमकिन है कि उन्हें फिर सत्ता में आने का मौका मिले। लेकिन ये तभी मुमकिन है जब कि संघमित्र भारत को जबरदस्ती हिन्दू राष्ट्र ; बनाने कि जिद और कोशिश छोड़ दे।

मुझे संघ कि कोशिशों पर भी यकीन है और जनता पर भी। जनता अंततः जनार्दन है। जनता भी नेताओं कि तरह घाट-घाट का पानी पीती है। जनता ने बीते 77 साल में कांग्रेसियों को भी देखा, समाजवादियों को भी देखा, वामपंथियों को भी देखा, संघियों को भी देख लिया है। जनता जिस दिन चाहेगी कि भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाना है उस दिन जनता बना लेगी। जनता को तब न संघ की जरूरत होगी न भाजपा की और न कांग्रेस की। संघ यदि सांस्कृतिक संघठन है तो यही काम ईमानदारी से करे। राजनीति करना छोड़ दे। भाजपा का प्रचार करना छोड़ दे। उसके लिए पसीना बहाना त्याग दे। संघ क्या करे या न करे ये तय करना संघ का अपना काम है।

हमारा काम तो मुर्गे की तरह बांग देने का है। हम भले ही रोज हलाल होते रहें किन्तु बांग देना बंद करने वाले नहीं है। बांग मुर्गा अकेला नहीं देता। मुल्ला भी देता है, पंडित भी देता है, शंकराचार्य जी देते हैं। पॉप और पादरी भी करते है। सेवादार भी देते है। जागरण का दूसरा नाम ही बांग देना है। बांग सुनकर जिन्हें जागना होता है वो जाग जाते हैं और जो जंबोझकर अनसुनी करते हैं उनका भगवान ही मालिक होता है। मुर्गे की बांग सभी के लिए होती ह। उसका हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई से कोई लेना देना नहीं है। जो जगे उसका भी भला और जो न जगे उसका भी भला। मुर्गा सूफी होता है। धर्म निरपेक्ष होता है। उसे जो चाहे काटकर खा सकता है लेकिन मुर्गा कल भी बांग दे रहा था और आज भी अलार्म के जमाने में उसने बांग देना बंद नहीं किया है, हमारी तरह।

संपादकीय

मजबूरी की योजनाएं

भारत सरकार स्पेस सेक्टर में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक हजार करोड़. रुपए खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की मीटिंग में यह तय हुआ। आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय के 6,798 करोड़.रुपए के दो प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति व निजी क्षेत्र की भागीदारी द्वारा भारत के नेतृत्व को मजबूती मिलने की उम्मीद की जा रही है। उत्तर बिहार में रेल विकास के लिए साढ़े चार हजार करोड़. रुपए और आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती को रेलवे से जोड़ने के लिए करीब सवा दो हजार की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इस तीसरे कार्यकाल के दौरान मोदी सरकार अपने पिछले चुनावी वादों को पूरा करने के प्रति प्रतिबद्ध नजर आना चाहती है। बिहार में 256 कलोमीटर की रेल लाइन का दोहारीकरण किया जाएगा, जिससे नेपाल व पूर्वोत्तर का मार्ग जुड़ने से यात्री ट्रेनों के साथ माल-गाड़ियों की आवाजाही में सुविधा हो जाएगी। एनड़ीए सरकार बनने बाद से मोदी बिहार और आंध्र को विशेष तवज्जो दे रहे हैं। जेड़ी (यू) व टीड़ीपी को संतुष्ट रखने को केंद्र की मजबूरी के तौर पर देखा जा रहा है। दोनों दलों ने उस वक्त मंत्रालयों की बजाए राज्यों के विकास के लिए विशेष पैकेजों की खास शर्तें रखी थीं। इसलिए इन प्रस्तावों को दिवाली के तोहफे के तौर पर देखा जा रहा है। हालांकि पिछली कैबिनेट बैठक में रेल कर्मचारियों को बोनस व कृषि योजनाओं को मंजूरी दी थी। सरकारी कर्मचारियों के भत्ते व मंहगाई राहत की दरों को बढ़ा कर सरकार ने सबको साधने वाले पुराने नुस्खे को आजमाया है। बैठक में दिवाली व छठ के लिए स्पेशल ट्रेनों सहित तकरीबन सात हजार ट्रेनें चलाने का भी ऐलान किया। इससे त्योहारों में बड़ी संख्या में घर जाने वाले यात्रियों के लिए सुविधा होगी। देश के आर्थिक हालात व सीमित आय के दरम्यान किन्हीं अन्य क्षेत्रों में कटौती कर सरकार अपने इन सहयोगी दलों के बड़े. हो रहे पेट भरने के प्रयास कर रही है, जबकि केंद्र के लिए हर राज्य की जिम्मेदारी समान है, जिसकी अवहेलना करना उसे शोभा नहीं देता।

चिंतन-मनन

प्रयश्चित ही कर्म फल से मुक्ति का आधार है

यह ठीक है कि जिस व्यक्ति के साथ अनाचार बरता गया अब उस घटना को बिना हुई नहीं बनाया जा सकता। सम्भव है कि वह व्यक्ति अन्यत्र चला गया हो। ऐसी दशा में उसी आहत व्यक्ति की उसी रूप में क्षति पूर्ति करना सम्भव नहीं। किन्तु दूसरा मार्ग खुला है। हर व्यक्ति समाज का अंग है। व्यक्ति को पहुँचाई गई क्षति वस्तुतः प्रकारान्तर से समाज की ही क्षति है। उस व्यक्ति को हमने दुष्कर्मों से जितनी क्षति पहुँचाई है उसकी पूर्ति तभी होगी जब हम उतने ही वजन के सत्कर्म करके समाज को लाभ पहुँचाये। समाज को इस प्रकार हानि और लाभ का बैलेन्स जब बराबर हो जायेगा तभी यह कहा जायेगा कि पाप का प्रायश्चित हो गया और आत्मग्लानि एवं आत्मप्रताड़ना से छुटकारा पाने की स्थिति बन गई।

सस्ते मूल्य के कर्मकाण्ड करके पापों के फल से छुटकारा पा सकना सर्वथा असम्भव है। स्वाध्याय, सत्संग, कथा, कीर्तन, तीर्थ, व्रत आदि से चित्त में शुद्धता की वृद्धि होना और भविष्य में पाप वृत्तियों पर अंकुश लगाने की बात समझ में आती है। धर्म कृत्यों से पाप नाश के जो माहात्म्य शास्त्राह में बताये गये हैं उनका तात्पर्य इतना ही है कि मनोभूमि का शोधन होने से भविष्य में बन सकने वाले पापों की सम्भावना का नाश हो जाये। ईश्वरीय कठोर न्याय व्यवस्था में ऐसा ही विधान है कि पाप परिणामों की आग में जल मरने से जिन्हें बचना हो वे समाज की उत्कृष्टता बढ़ाने की सेवा-साधना में संलग्न हों और लदे हुए भार से छुटकारा प्राप्त कर शान्ति एवं पवित्रता की स्थिति उपलब्ध कर लें।

वैश्विकी: एशिया में कहीं शांति कहीं युद्ध

डॉ. दिलीप चौबे

इस सप्ताह एशिया में कहीं शांति और कहीं युद्ध का नजारा दिखा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान जहां एशिया की दो महाशक्तियों भारत और चीन ने सीमा पर तनाव कम करने और संबंधों को पटरी पर लाने का प्रयास किया वहीं पश्चिम एशिया में इस्त्राइल और ईरान के बीच शक्ति परीक्षण जारी रहा। राष्ट्रपति पुतिन की मेजबानी में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में जहां रूस को अलगझथलग करने की पश्चिमी देशों की कोशिश नाकाम सिद्ध हुई वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह को बल मिला कि वार्ता और कूटनीति से समस्याओं का समाधान संभव है।

यह दावा कोई नहीं करता कि भारत और चीन के विवाद का स्थाई समाधान हो गया है लेकिन दोनों देश जिस रास्ते पर चल रहे हैं उससे यह आशा बंधती है कि भविष्य में सैन्य संघर्ष की स्थिति नहीं बनेगी। दूसरी ओर पश्चिम एशिया का घटनाक्रम इसके ठीक विपरीत है। दुनिया में इस समय संघर्ष के दो क्षेत्र हैं-यूक्रेन और पश्चिम एशिया। इनमें एक बात समान है। अमेरिका और पश्चिमी देश संघर्ष के इन दोनों क्षेत्र से जुड़े.हुए हैं। यह कहना बेमानी नहीं होगा कि पश्चिमी देशों की गैरझजिम्मेदाराना नीतियों के कारण इन संघषाड्ड के समाधान की बजाय इनका विस्तार हुआ। यूक्रेन संघर्ष का समाधान शुरूआती दौर में ही संभव था लेकिन ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और अन्य नेताओं ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को युद्ध जारी रखने के लिए उकसाया। इन देशों की ओर से यूक्रेन को हथियारों की बड़े पैमाने पर आपूर्ति की गई। अमेरिका का रणनीतिक लक्ष्य था कि रूस को सैनिक ड्डष्टि से कमजोर किया जाए। साथ ही आर्थिक प्रतिबंधों के जरिए उसकी अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ी जाए। करीब ढाई साल बाद भी अमेरिका इन लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाया। आर्थिक और सैनिक दृष्टि से रूस आज पहले से अधिक शक्तिशाली है। दूसरी ओर एक देश के रूप में यूक्रेन का अस्तित्व ही दांव पर है। इस समय यदि कोई शांति पहल होती है तो यह यूक्रेन के लिए घाटे का सौदा होगा। कुछ सीमा तक यह बात पश्चिम एशिया पर भी लागू होती है। पिछले वर्ष इस्त्राइल पर हमास के हमले के बाद यदि अंतरराष्ट्रीय बिरादरी ने समस्या के मूल कारणों की पहचान और उनके समाधान की कोशिश की होती तो संघर्ष इतना विकराल रूप नहीं लेता। लेकिन इस्त्राइल के युद्ध पीपासु प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलीस्तीन को सबक सिखाने पर आमादा थे। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने शांति की बजाय खून-खराबे को प्रोत्साहन दिया। आज के सोशल मीडिया के युग में युद्ध और मानव त्रासदी के समाचार और दृश्य आम आदमी तक पहुंचाते हैं। गाजा में मासूम बच्चों की मौत और खंडहरों के बीच जीवन के लिए जूझ रहे लोगों की तस्वीर दिल दहलाने वाली हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की मीडिया में इस मानव त्रासदी को आमतौर पर नजरअंदाज किया गया। लेकिन सोशल मीडिया के जरिए जो समाचार और तस्वीरें सामने आई उससे पश्चिमी देशों की छवि पर कलंक लग गया। इन देशों के युवा वर्ग ने पीड़ित मानवता के पक्ष में आवाज बुलंद की। नेताओं ने उनकी आवाज बंद करने की पूरी कोशिश की। अमेरिका के विश्वविद्यालयों में आज इमरजेंसी और सेंसरशिप जैसे हालात हैं।

इस्त्राइल और ईरान के बीच हमला और जवाबी हमले की स्थिति अभी सीमित दायरे में है। शनिवार को इस्त्राइल का हवाई हमला किस सीमा तक कारगर रहा इससे तय होगा कि ईरान का अगला कदम क्या होगा। फिलहाल ईरान ने दो सैनिकों के मरने की पुष्टि की है। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार ईरान के कई सैनिक अड्ड़ों को नुकसान पहुंचा है। अगले कुछ दिनों में यदि नुकसान अधिक साबित होता है तो ईरान एक बार फिर जवाबी कार्रवाई के बारे में सोच सकता है। ईरान के नये राष्ट्रपति मसूद पेजेशिकयन अपेक्षाकृत उदारवादी हैं, लेकिन सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड.की कमान धार्मिक नेता खेमेनई के हाथ में है। पश्चिम एशिया के सुन्नी देशों ने इस बार इस्त्राइल को प्रत्यक्ष रूप से सहयोग नहीं दिया। लेकिन इन देशों में अमेरिका के सैनिक अड्डे. हैं तथा इनका इस्तेमाल इस्त्राइल को मदद देने में हो सकता है। ब्रिक्स समूह के प्रमुख देश भारत, रूस चीन खाड़ी युद्ध की आग में अग्निशमन का काम कर सकते हैं।

मिट्टी के दीये जलाएं, प्रदूषण को दूर भगाएं और परंपरा जीवंत बनाएं

आज की भागती दौड़ती जिन्दगी में लोग अपनी परंपरा को भूलते जा रहे हैं। इसका परिणाम है कि आज देश में पर्यावरण संकट के साथ-साथ कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही है। जिसके चलते सभी लोग और जीव-जंतु के जीवन पर संकट है।

इस परंपरा में एक दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना भी है। जिसको आज लोग भूलते जा रहे हैं और उसकी जगह पर इलेक्ट्रानिक लाइटों का उपयोग कर रहे हैं। लेकिन जो सुंदरता मिट्टी के दीये जलने पर दिखती है वह इलेक्ट्रानिक लाइटों के जलने से नहीं। इस बात को स्वयं लोग भी स्वीकार कर रहे हैं और इस परंपरा को लोगों के भूलने पर चिंता भी व्यक्त कर रहे हैं। मिट्टी के दीये जलाना परंपरा के साथ हमारी संस्कृति है। अपनी संस्कृति को कोई कैसे भूल सकता है। इसका सभी लोगों को ध्यान रखना चाहिए। मिट्टी के दीये जलाने के कई लाभ है। जिसका उल्लेख कई जगहों पर देखने और सुनने को मिलता है। इसलिए सभी लोग मिट्टी के दीयें जलाएँ।

दीपावली का त्यौहार मिट्टी के दीये से जुड़ा हुआ है। यह हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। दीया जलाने की परंपरा आदि काल से रही है। भगवान राम की अयोध्या वापसी की खुशी में अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाया था, तब से ही कार्तिक महीने में दीपों का यह त्यौहार मनाये जाने की परंपरा रही है। पिछले दो दशक के दौरान कृत्रिम लाइटों का क्रेज बढ़ा है। आधुनिकता की आंधी में हम अपनी पौराणिक परंपरा को छोड़ कर दीपावली पर बिजली की लाइटिंग के साथ तेज ध्वनि वाले पटाखे चलाने लगे हैं। इससे एक तरफ मिट्टी के कारोबार से जुड़े कुम्हारों के घरों में अँधेरा रहने लगा, तो ध्वनि और वायु प्रदूषण फैलानेवाले पटाखों को अपना कर अपनी सांसों को ही खतरे में डाल दिया। अपनी परंपराओं से दूर होने की वजह से ही कुम्हार समाज अपने पुश्तैनी धंधे से दूर होता जा रहा है। दूसरे रोजगार पर निर्भर होने लगे

हैं। एक समय था जब दीपावली पर्व को लेकर लोग मिट्टी के दीये खरीदने के लिए पहले ही कुम्हार को आर्डर कर देते थे। तब गाँव या अन्य किसी गाँव के कुम्हार के घर के सभी सदस्य काम में व्यस्त होते थे। दीपावली पर्व पर कई लोगों के आर्डर को पूरा करने में दिन-रात एक कर मेहनत करते थे। हालांकि उस समय उतनी आमदनी नहीं होती थी, लेकिन कुम्हारों की भी एक रुचि रहती थी कि इस परंपरा को जीवंत रखना है। लेकिन आज लोग मिट्टी के दीये जलाना धीरे-धीरे कम कर दिए हैं, इससे अब कुम्हार भी इसमें रुचि नहीं ले रहे। जिसका नतीजा है कि आज दीपावली पर्व में लोग घर में दो-चार मिट्टी के दीये जला कर सिर्फ.एक परंपरा को किसी तरह निर्वहन कर रहे हैं। ज्यादातर लोग इलेक्ट्रानिक लाइटों, झालर और अन्य लाइटों को जला कर ही दीपावली पर्व में अपने घर को रोशनी से जगमग करने की कोशिश कर रहे हैं। हम सभी अब दीपावली के नाम पर पर्यावरण को दूषित कर रहे हैं। अब हमें पुनः अपनी परंपरा को समझना होगा। हमें मिट्टी के दिये जलाने की परंपरा की पुनः शुरूआत करनी होगी। इससे कीड़े मकोड़े मरते हैं। झालर और लाइट से कीड़े नहीं मरते। हमारी संस्कृति सरसों के तेल के दिये जलाना है, अच्छे पकवान बनाना, मिठाइयाँ खाना और पड़ोसी को भी खिलाना, लोगों को उपहार देना आदि है। लेकिन लोग अब उतने समझदार नहीं हैं इसलिए पटाखे छूटेंगे।

लोग मिट्टी के दीये जलाएँ। इससे प्रदूषण भी नहीं होगा और परंपरा भी जीवंत रहेगी। दीपावली पर्व पर मिट्टी के दीये जलाना पूर्वजों के द्वारा बनाई गई परंपरा है। इसे हम सभी लोगों को बरकरार रखना चाहिए। दिवाली में मिट्टी के दीये जलाना हमारी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ने का बहुत ही सुगम साधन है। यह भारतीय संस्कृति में बहुत ही शुभ और पवित्र माना जाता है। मिट्टी के दीये प्रेम, समरसता और ज्ञान के प्रतीक हैं। सामाजिक व आर्थिक आधार पर भी दीयों की खूबसूरती जगजाहिर है। इस बार दीपावली के दिन मिट्टी के दीये जलाने का संकल्प लेकर संस्कृति का बचाव करना है। सभी लोग मिट्टी के दिये ही जलाएँ। आज की युवा पीढ़ी इलेक्ट्रानिक लाइटों के प्रति अधिक रुचि रख रही है। घरों को सजाने से लेकर दीये जलाने में इलेक्ट्रानिक लाइटों का ही उपयोग कर रही है। जबकि यह सोचना चाहिए कि हमारी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करना युवाओं के कंधे पर ही है। गाँव या किसी शहर में जो कुम्हार है वह आज भी मिट्टी के दीये बनाते हैं। इसमें उन्हें सिर्फ. आमदनी का लालच नहीं होता बल्कि उनमें अपनी संस्कृति और परंपरा को बरकरार रखने का उत्साह होता है। लेकिन लोग इसे भूलते जा रहे हैं।

परंपरा व पर्यावरण के संरक्षण के लिए मिट्टी के दीये जलाना है। इनसे कोई प्रदूषण नहीं होता। कृत्रिम रोशनी आंखों और त्वचा के लिए हानिकारक होती है। मिट्टी के दीये की रोशनी आंखों को आराम पहुँचाती है। मिट्टी के दीये हमारी संस्कृति के एक अहम अंग हैं। दिवाली पर इसे जला कर हम अपनी परंपराओं को याद रखते हैं। मिट्टी के दीये बनाने वाले कारीगरों को प्रोत्साहित करने का भी यह अच्छा मौका है। आइये, इस दीपावली, हम सभी मिलकर मिट्टी के दीये जलाएँ और एक स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण बनाने में अपना योगदान दें। लोगों को इस पर विचार करना चाहिए। वर्तमान में अपनी परंपरा को बरकरार रखने और पर्यावरण बचाने के लिए इस दीपावली मिट्टी की दीये जलाने के प्रति लोगों खास कर बच्चों व युवाओं को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाएँ।

-प्रियंका सौरभ (लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार` मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 **समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।**

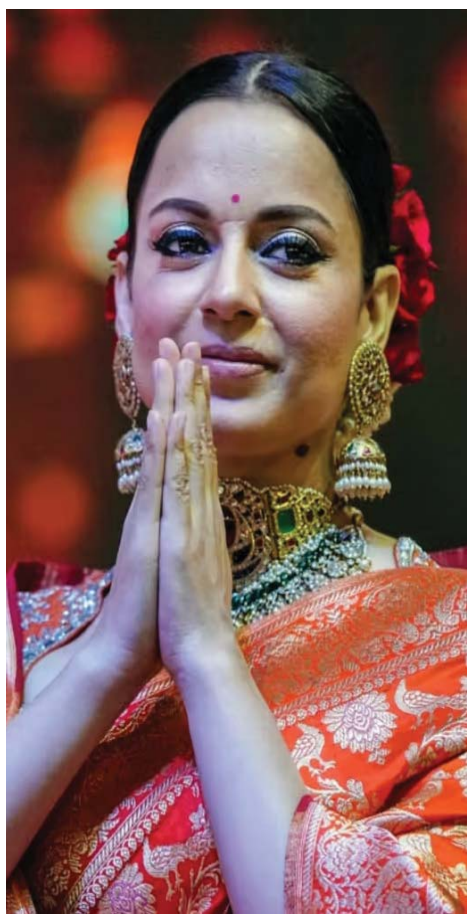

मीराबाई के महल में सुकून के पल बिताये कंगना रनौत ने

इंस्टाग्राम पर बालीवुड की पंगा क्वीन के नाम से मशहूर कंगना रनौत ने अपनी एक नई पोस्ट साझा की, जिसमें वह राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में मीराबाई के महल में सुकून के पल बिताते हुए नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने अपनी यात्रा की झलकियां साझा करते हुए लिखा, अपने कुलदेवी के मंदिर में दर्शन करने के बाद, हम चित्तौड़गढ़ किले और मीराबाई के महल गए। महल प्रभावशाली था और मंदिर दिव्य था। उन्होंने बताया कि मीराबाई के मंदिर में भगवान कृष्ण की प्रतिमा की पूजा की जाती है, और वहां मीरा बाई की एक छोटी मूर्ति भी है। अभिनेत्री ने मंदिर में ध्यान लगाने का अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपनी आंखें खोली, तो मैंने पाया कि कृष्ण की प्रतिमा की त्वचा गोरी है, और उनके सीधे लंबे हल्के भूरे बाल हैं। कंगना ने आगे लिखा, मैंने मीराबाई को देखा और महसूस किया कि वे दोनों एक ही व्यक्ति हैं। उस मंदिर में शायद कृष्ण की पूजा मीरा के रूप में की जाती है।

इस दृश्य ने मुझे इतनी गहराई से प्रभावित किया कि मेरी आंखों में आंसू आ गए। उन्होंने कहा, वह मीरा नहीं, वह कृष्ण थी। आप जिससे प्रेम करते हैं, आप उसी से भर जाते हैं। अभिनेत्री ने साझा की गई तस्वीरों में किले की भव्यता का आनंद लेते हुए और प्राचीन वास्तुकला की खूबसूरती को निहारते हुए अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। तस्वीरों में कंगना चिंतन की मुद्रा में बैठी दिखाई दे रही हैं, जो दर्शाता है कि वह उस स्थान की ऐतिहासिक महत्ता को कितनी गहराई से महसूस कर रही हैं। कंगना के पेशेवर जीवन की बात करें, तो उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म इमरजेंसी रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म में वह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी, और उनके प्रशंसक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में, इमरजेंसी को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से सेंसर सर्टिफिकेट मिला है। कंगना द्वारा निर्देशित यह फिल्म, मणिकर्णिका- द क्वीन ऑफ झांसी के बाद उनकी दूसरी निर्देशित फिल्म है। इमरजेंसी में कंगना के साथ श्रेयस तलपड़े समेत फिल्म जगत के कई सितारे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

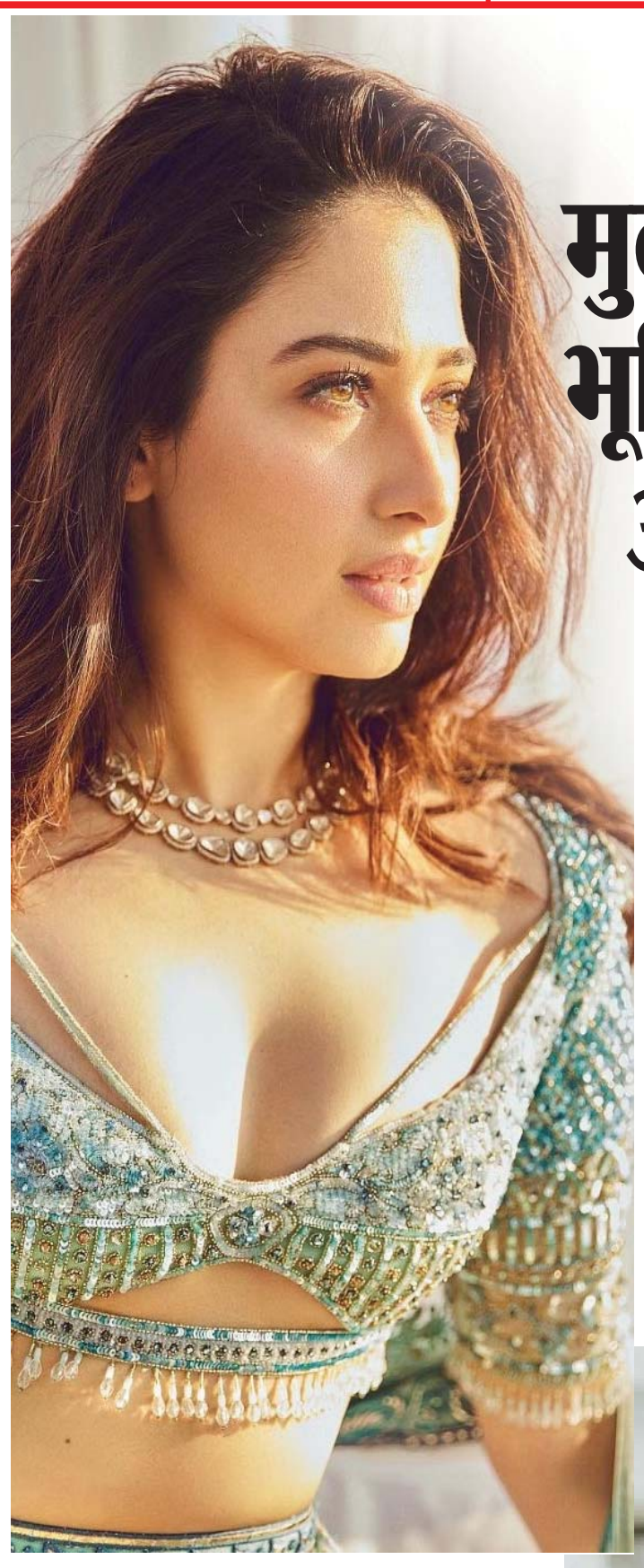

सिकंदर का मुकद्दर में मुख्य भूमिका में नजर आएंगी तमन्ना

जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली हाईस्ट ड्रामा सिकंदर का मुकद्दर में पैन इंडिया स्टार तमन्ना भाटिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म तमन्ना को एक नए और अलग किरदार में पेश करती है, जो उनकी वर्सेटिलिटी को उजागर करती है। उनका किरदार एक यूनिक और एडवेंचरस भूमिका में होगा, जो उनकी फिल्मी यात्रा में एक रोमांचक मोड़ जोड़ता है। इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल और अविनाश तिवारी भी महत्वपूर्ण किरदारों में हैं। फैंस इस बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट में उनकी परफॉर्मेंस का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर इस फिल्म की घोषणा करते हुए तमन्ना के इंटेन्स सीन्स के कुछ स्निपेट और बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो शेयर किए हैं, जिससे दर्शकों की दिलचस्पी बढ़ गई है। पोस्ट में लिखा गया है, '60 करोड़ के हीरे चोरी। एक लंबी तलाश। और एक इंस्पेक्टर जो नहीं मानेगा हार। सिकंदर का मुकद्दर, कमिंग सून ओनली ऑन नेटफ्लिक्स।' हालांकि, फिल्म की आधिकारिक रिलीज़ तारीख़ अभी तक घोषित नहीं की गई है। नीरज पांडे द्वारा निर्देशित इस फिल्म के साथ, तमन्ना ने हाल ही में अपनी आगामी तेलुगु फिल्म ओडेला 2 की शूटिंग भी पूरी की है, जो जल्द ही रिलीज़ होने वाली है। उनकी शुरुआत 2024 में अरनमनई 4 से हुई थी, जिसने तमिल बॉक्स ऑफिस पर रुपए 100 करोड़ से अधिक की कमाई की। तमन्ना की सफलता का सिलसिला जारी है, जिसमें स्त्री 2 के हिट गाने आज की रात भी शामिल हैं, जिसने बॉडी पॉज़िटिविटी को बढ़ावा दिया। जैसे-जैसे वह नई और विविध भूमिकाएँ निभा रही हैं, उनके फैंस आगामी प्रोजेक्ट्स में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को देखने के लिए उत्सुक हैं।

वनवास के टीजर की रिलीज़ को लेकर फैंस में उत्साह

बालीवुड के फिल्म निर्माता अनिल शर्मा ने आगामी प्रोजेक्ट वनवास के टीजर की रिलीज़ को लेकर फैंस उत्साहित है। फिल्म का टीजर कुछ ही दिनों में सामने आएगा। शेयर की गई एक तस्वीर में टैगलाइन है, 'अपने ही देते हैं अपनों को वनवास,' ' जो पारिवारिक संघर्ष और विश्वासघात की कहानी को दर्शाने का संकेत देती है। अनिल शर्मा ने अपने पोस्ट में लिखा, 'बस कुछ दिनों में टीजर जल्द आ रहा है... वो त्रेता युग था जब पिता ने कहा भी नहीं और पुत्र पिता के वचन का पालन करने चला गया वनवास और आज परिवार के लिए एक पारिवारिक फिल्म 20 दिसंबर से सिनेमा में।' इसके अलावा, उत्कर्ष शर्मा ने भी अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा, ' वनवास का टीजर कुछ ही दिनों में आ रहा है... सभी फैंस के लिए दिवाली से पहले का तोहफाज। ' फिल्म वनवास 20 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें अनुभवी अभिनेता नाना पाटेकर और अनिल शर्मा के बेटे उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिकाओं में हैं। उत्कर्ष ने हाल ही में गदर 2 में सनी देओल के बेटे का किरदार निभाया था, और इससे पहले उन्होंने गदर : एक प्रेम कथा में चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में डेब्यू किया था। वनवास अपनी मजबूत परफॉर्मेंस और दिलचस्प कहानी के साथ दर्शकों को आकर्षित करने के लिए तैयार है। यह फिल्म विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह नाना पाटेकर और अनिल शर्मा का पहला सहयोग है।

आलिया ने पूछा सवाल- किसको ट्यूटोरियल चाहिए?

जिगरा स्टार आलिया भट्ट ने अपनी ताजा पोस्ट से प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है, इसमें वह अपना हुनर दिखाती नजर आ रही हैं। इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर को शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा किसको ट्यूटोरियल चाहिए?

साझा की गई तस्वीर में वह मेकअप आर्टिस्ट बनती नजर आ रही हैं। तस्वीर को इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर साझा कर आलिया ने फॉलोअर्स से मजाकिया अंदाज में पूछा। 'राजी' अभिनेत्री खूबसूरत तस्वीर में मेकअप दिखाती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मेकअप मेरे द्वारा। किसको ट्यूटोरियल चाहिए? सेल्फी में आलिया अपने मेकअप और बालों के साथ एकदम सही पोज देती नजर आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री ने अपनी सास नीतू कपूर के साथ पेरिस में अपनी छुट्टियों की कई पुरानी तस्वीरें साझा कीं और लिखा शीशा और यादें। पहली तस्वीर में आलिया स्टाइलिश डेनिम ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। दूसरी में वह नीतू कपूर के साथ बैठी पोज देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री हाल ही में डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की सितारों से सजी दिवाली पार्टी में नजर आई थीं। इसमें उन्होंने अपने मेहंदी की ड्रेस को पहन रखा था। पेशेवर मोर्चे पर बात करें तो आलिया भट्ट बहुप्रतीक्षित फिल्म अल्फा में दिखाई देंगी, जिसकी शूटिंग वह कश्मीर की सुंदर वादियों के बीच कर रही हैं। फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ भी अहम रोल में हैं। शिव रवैल द्वारा निर्देशित फिल्म का निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया है। अल्फा 25 दिसंबर 2025 को क्रिसमस पर रिलीज होने वाली है। आलिया भट्ट पिछली बार वासन बाला की फिल्म जिगरा में वेदांग रैना और मनोज पाहवा के साथ नजर आई थीं। बता दें कि फिल्म जगत की खूबसूरत और सुपरहिट फिल्मों का चेहरा बनीं आलिया भट्ट की गिनती बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश और फैशनेबल अभिनेत्रियों में की जाती है।

पूरे साल की सोशलाइजिंग दो दिनों में पूरी कर ली: सान्या

अभिनेत्री सान्या कई पार्टियों और समारोहों में शामिल होती रही हैं लेकिन अब सान्या अपनी सोशल लाइफ से थक गई हैं। सान्या ने कहा कि केवल दो दिनों में उन्होंने एक साल की सामाजिक गतिविधियां पूरी कर ली हैं।अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह अपनी कार की पिछली सीट पर काले रंग की ड्रेस पहने बैठी हैं। तस्वीर में अभिनेत्री थम्स अप करते मुस्कुराती दिखाई दे रही हैं। कैप्शन में सान्या ने लिखा, 'पूरे साल की सोशलाइजिंग दो दिनों में पूरी कर ली'। उनके करियर पर नजर डालें तो अभिनेत्री वरुण धवन, जाह्नवी कपूर और मनीष पॉल के साथ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमार' में काम कर रही हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' कथित तौर पर 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' का सीक्वल है। इस फिल्म में वरुण और शशांक खेतान फिर से साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'हम्टी शर्मा की दुल्हनिया' और 'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' में काम किया था। वह आरती कदव द्वारा निर्देशित 'मिसेज' में भी नजर आएंगी। फिल्म एक ऐसी महिला की कहानी है, जिसे कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि वह अपनी राह पर चलने की कोशिश करती है। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'मिसेज' के अलावा सान्या के पास वरुण अभिनीत 'बेबी जॉन' है। एक्शन थ्रिलर का निर्देशन कलीज ने किया है और 'जवान' निर्माता एटली ने इसका निर्माण किया है। यह फिल्म एटली की 2016 की तमिल फिल्म थेरी की आधिकारिक रीमेक है। इसमें कीर्ति सुरेश भी हैं, जो वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ के साथ हिंदी फिल्मों में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। दिल्ली में जन्मी, 32 वर्षीय स्टार ने 2016 में आमिर खान अभिनीत 'दंगल' से अभिनय की शुरुआत की।

अपनी अगली फिल्म के साथ आमिर लोकेश कनगराज की दुनिया में करेंगे प्रवेश

बालीवुड फिल्म लगान के सुपर स्टार आमिर खान अपनी अगली फिल्म के साथ फिल्म निर्माता लोकेश कनगराज की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि वे सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म का भी हिस्सा बन सकते हैं।

सूत्र के अनुसार, आमिर खान अपनी अगली फिल्म के साथ लोकेश कनगराज की दुनिया में प्रवेश करेंगे। मनोरंजन उद्योग के ये दो दिग्गज एक साथ आ रहे हैं, जो देखने के लिए बेहद रोचक होगा। यह खास बात है कि अगर आमिर खान और रजनीकांत एक साथ काम करते हैं, क्योंकि यह दूसरी बार होगा जब दोनों सितारे साथ में नजर आएंगे। इससे पहले, उन्होंने 1995 की फिल्म आतंक ही आतंक में काम किया था, जो 1972 की फिल्म द गॉडफादर से प्रेरित थी। लोकेश कनगराज को लियो, विक्रम, कैथी और मास्टर जैसी सफल फिल्मों के लिए जाना जाता है, और इस सहयोग से आमिर खान के करियर में एक और रोमांचक आयाम जुड़ने की संभावना है।

आमिर खान की अगली फिल्म सितारे जमीन पर में भी नजर आएंगे, जिसमें जेनेलिया देशमुख और दर्शील सफारी जैसे कलाकार शामिल हैं। आर.एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। प्रसन्ना ने 2013 में एक अपरंपरागत तमिल रोमांटिक कॉमेडी कल्याण समयाल साधम से अपने करियर की शुरुआत की थी, जो इरेक्टाइल डिसफंक्शन से पीड़ित एक व्यक्ति की कहानी पर आधारित थी। तारे जमीन पर में आमिर का किरदार ईशान, एक कलात्मक रूप से प्रतिभाशाली 8 वर्षीय लड़के का है, जो खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के चलते अपने माता-पिता द्वारा एक बोर्डिंग स्कूल में भेजे जाने के लिए मजबूर हो जाता है।

आमिर की पिछली फिल्म लाल सिंह चड्ढा थी, जो 2022 में रिलीज हुई थी। यह फिल्म 1994 की अमेरिकी फिल्म फॉरेस्ट गंप की रीमेक है, जिसमें आमिर ने करीना कपूर खान, नागा चैतन्य और मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। इस नए प्रोजेक्ट के साथ, आमिर खान एक बार फिर से अपने फैंस को एक नई और रोमांचक कहानी के साथ रोमांचित करने के लिए तैयार हैं। इस सहयोग की उम्मीदें काफी ऊँची हैं और फैंस दोनों सितारों के कमाल के प्रदर्शन की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड से दूसरा टेस्ट हारने के बाद गंभीर का सख्त रुख, रोहित-कोहली की टीम से छीना 'विशेषाधिकार'

पुणे (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट में भारतीय क्रिकेट टीम की हार ने पूरे क्रिकेट जगत को झकझोर कर रख दिया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार का मतलब है कि भारतीय टीम को 12 साल में पहली बार घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा, इससे पहले 2012 में इंग्लैंड ने उसे हराया था। पहले दो टेस्ट के नतीजों के बाद टीम प्रबंधन ने कथित तौर पर एक सख्त कदम उठाते हुए सभी के लिए 'वैकल्पिक प्रशिक्षण' सत्र रद्द कर दिया है जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे वरिष्ठ सितारे और जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज शामिल हैं।

परंपरागत रूप से खिलाड़ियों के लिए एक प्रशिक्षण सत्र को वैकल्पिक रखा जाता है। यह चलन रहा है कि शीर्ष बल्लेबाज और तेज गेंदबाज अक्सर उस सत्र को छोड़ देते थे और खुद को केवल हल्के प्रशिक्षण तक ही सीमित रखते थे। हालांकि, अब ऐसा नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार टीम प्रबंधन ने हर एक खिलाड़ी से अभ्यास सत्र छोड़ने का विकल्प छीन लिया है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, %टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों से 30 और 31 अक्टूबर को दो दिन अभ्यास के लिए उपस्थित रहने को कहा है। यह अनिवार्य है और कोई भी इसे छोड़ नहीं सकता।'

भारत भले ही न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज हार गया हो, क्योंकि मेहमान टीम पहले ही 0-2 की बढ़त ले चुकी है, लेकिन मुंबई में होने वाला तीसरा टेस्ट अभी भी टीम के लिए जीतना जरूरी है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारतीय टीम एक और चूक बर्दाश्त नहीं कर सकती। इसलिए भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर और टीम प्रबंधन के अन्य सदस्य चाहते हैं कि हर खिलाड़ी सभी प्रशिक्षण सत्रों में भाग ले।

आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उतर सकते हैं ऋषभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2025 के लिए मेगा नीलामी में उतरने की संभावनाएं हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली कैपिटल्स अब ऋषभ को कप्तान के तौर पर रिटेन नहीं करना चाहती है। सभी 10 टीमों को आने वाले दिनों में अपनी रिटेंशन लिस्ट जमा करनी हैं। ऐसे में सभी फ्रेंचाइजी अपनी सूची को अंतिम रुप देना चाहती हैं।

प्राप्त जानाकारी के अनुसार ऋषभ को प्रबंधन एक बार फिर कप्तान बनाने को लेकर स्पष्ट नहीं है। प्रबंधन इस मामले पर संशय में है।

ऋषभ साल 2016 से दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, लेकिन अब उनकी स्थिति स्पष्ट नहीं है। रिटेंशन लिस्ट जमा करने की समय सीमा के करीब आने के साथ, यह अटकलें तेज हो गई हैं कि उन्हें रिटेन नहीं किया जाएगा। वह हालांकि आईपीएल में सबसे चर्चित नामों में से एक हैं और उनकी टीम में भूमिका हमेशा अहम रही है। दिल्ली कैपिटल्स के प्रबंधन के लिए उनका भविष्य तय करना एक बड़ा निर्णय होगा। इसका कारण है कि ये विकेटकीपर बल्लेबाज एक मैच विजेता खिलाड़ी हैं। पंत के आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, कई फ्रेंचाइजी उनकी नीलामी में रुचि दिखा सकती हैं, खासकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), जो एक नए कप्तान की तलाश में हैं।

इसके अलावा, पंत के पूर्व कोच रिकी पोंटिंग के साथ उनके अच्छे संबंध भी चर्चा का विषय हैं हालांकि, पोंटिंग अब दिल्ली कैपिटल्स की जगह पर पंजाब किंग्स के कोच बन गए हैं, जिससे यह संभावना बढ़ गई है कि पंजाब भी इस क्रिकेटर को खरीदने के लिए बड़ी बोली लगा सकती है। ऐसे में ऋषभ को लेकर आने वाले दिनों में स्पष्टता मिलने की उम्मीद है। दिल्ली कैपिटल्स के प्रशंसक बेसब्री से इस निर्णय का इंतजार कर रहे हैं, जो टीम के भविष्य को प्रभावित कर सकता है।

एक सीरीज हारने से रणनीति नहीं बदल सकते : रोहित

पुणे (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हार को निराशाजनक बताया है पर कहा कि इससे कुछ निष्कर्ष नहीं निकाले जा सकते हैं न ही अपनी रणनीति बदली जा सकती है। उन्होंने कहा कि भविष्य को ध्यान में रखते हुए शांति से इस बारे में बात करनी होगी, किसी प्रकार का अलग तरीका अपनाना फायदेमंद नहीं रहेगा। न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट में भारत को हराकर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है।

रोहित ने कहा,'कुछ खिलाड़ियों से शांत माहौल में बातचीत करने की जरूरत है। उन्हें यह बताना जरूरी है कि वे कहां है और टीम उनसे क्या उम्मीद रखती है।' अब उनका लक्ष्य खिलाड़ियों को वास्तविकता से अवगत कराना है पर इस दौरान वह कोई विवाद नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा,'मुझे नहीं लगता कि आपको उन्हें एक-एक करके टीम रूम में बिठाने, उनकी पारियों को देखने और उन्हें यह बताने की ज़रूरत है कि उन्हें क्या करना चाहिए और क्या नहीं।'

रोहित ने कहा, 'केवल इसलिए कि हम एक सीरीज हार गए हैं तो हमें अलग तरह से बात करने या अलग तरीके अपनाने की जरूरत है। हमें केवल उन हालातों से बाहर आने की जरुरतत है।' रोहित ने कहा कि उन्हें अपने खिलाड़ियों पर भरोसा है, जिन्होंने भारत को कई मैच जिताए हैं। भारतीय कप्तान ने कहा,'मुझे किसी की क्षमता पर कोई संदेह नहीं है। इस हार से सीख लेते हुए बल्लेबाजों को अपनी तय रणनीति के साथ मैदान पर उतरना होगा। साथ ही अपने पर भरोसा रखना होगा पर मैं किसी प्रकार का गैरजरुरी दबाव नहीं बनाना चाहूंगा।'

पंजाब किंग्स के साथ क्या हुई थी गड़बड़, ग्लेन मैक्सवेल ने खुद किया खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल का इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उतार-चढ़ाव भरा सफर रहा। उन्होंने पंजाब के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए। अब अपनी पुस्तक द शोमैन में मैक्सवेल ने अपनी आईपीएल यात्रा का वर्णन किया है। साथ ही पूर्व साथी और गुरु वीरेंद्र सहवाग के साथ जटिल संबंधों पर प्रकाश डाला है। मैक्सवेल 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे। टीम ने केवल तीन ही मैच गंवाए और फाइनल में पहुंच गई। मैक्सवेल ने इस दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए और किसी भी अन्य खिलाड़ी की तुलना में अधिक छक्के लगाए। हालांकि फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स से पंजाब जीत नहीं पाई।

पंजाब के साथ अपने परफेक्ट सीजन पर बात करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि हम उस वक्त अंतिम ओवर में हार गए। आईपीएल में आपका कितना भी परफेक्ट सीजन न हो अगर ट्रॉफी न हो तो कुछ नहीं। तब मेरे से वादा किया गया था कि टीम मुझे विश्वास में लेकर बनाई जाएगी। लेकिन फिर इसमें असंगतता आ गई। पंजाब का आगामी सीजन में फॉर्म गिर गया। बता दें कि 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही। मैक्सवेल ने उस चुनौतीपूर्ण समय को याद करते हुए कहा कि एक युवा खिलाड़ी के रूप में, यह अधिक कठिन था। मुझे खुद पर संदेह हुआ, नकारात्मकता महसूस हुई, जब मैंने उक्त सोशल मीडिया पोस्ट देखी।

2017 में मैक्सवेल दोबारा पंजाब में लौटे। सहवाग तब मेंटर बन चुके थे। मैक्सवेल का बतौर कप्तान स्वागत हुआ। मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है। उन्होंने कोच जे अरुणकुमार के साथ निर्णय लेने की जिम्मेदारी ली, जिससे खिलाड़ियों और कोचों के बीच भ्रम पैदा हो गया। सेटअप में दरारें स्पष्ट थीं। इस पर मैक्सवेल ने एक उदाहरण याद करते हुए लिखा- एक मुकाबले में इशांत शर्मा को आखिरी समय पर प्लेइंग 11 में जगह दे दी गई जोकि निर्णय लेने में अव्यवस्था को उजागर करता है। टीम पर सहवाग की पकड़ बढ़ती गई और निराशाजनक सीज़न के बाद मैक्सवेल और सहवाग के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया।

मैक्सवेल ने स्वेच्छा से मीडिया को संबोधित किया, लेकिन सहवाग ने इसे स्वयं करने का निर्णय लिया। बाद में, मैक्सवेल को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि सहवाग ने सार्वजनिक रूप से उनकी आलोचना की थी और उन्हें ÷बड़ी निराशा÷ कहा था। मैक्सवेल ने साझा किया कि यह अप्रिय था, खासकर जब मुझे लगा कि हम अच्छी शर्तों पर अलग हुए हैं। उस घटना के बाद दोनों ने फिर कभी बात नहीं की और मैक्सवेल ने फ्रेंचाइजी मालिकों को सूचित किया कि अगर सहवाग जारी रहेगा तो वह चले जाएंगे। फ्रेंचाइजी के साथ सहवाग का कार्यकाल अगले सीजन में समाप्त हो गया।

विराट ने गुस्से में आईस बॉक्स पर मारा बल्ला

पुणे । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली न्यूजीलैंड के खिलाफ हुई सिरीज में पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में असफल रहे और रन नहीं बना पाये। विराट कीवी टीम के स्पिनरों विशेषकर मिचेल सैंटनर के सामने टिक नहीं पाये। वह पहली पारी में फुल टॉस पर क्लीन बोल्ड हो गए। विराट सैंटनर की गेंद खेल नहीं पाये और आउट होने के बाद हताश होकर उन्होंने अपना बल्ला आईस बॉक्स पर दे मारा। विराट के खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैचों में रन नहीं बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा। इस दौरे पर ना सिर्फ मेहमान टीम ने 35 साल बाद भारत में आकर पहली टेस्ट जीत हासिल की बल्कि पहली बार भारत को उसी के घर पर टेस्ट सीरीज में हराने में सफलता की। सैंटनर ने दूसरे टेस्ट में कुल 13 विकेट लेकर भारतीय बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। उन्होंने दोनों पारी में विराट को आउट किया। विराट इस सीरीज में एक बार ही अर्धशतक लगा पाये और बाकि मैचों में वह रन नहीं बना पाये। विराट पिछली चार पारी में 0, 70, 1, 17 रन ही बना पाये।

पेरिस मास्टर्स नहीं खेल रहे जोकोविच

पेरिस । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच इस बार पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट नहीं खेल रहे हैं। जोकोविच के नहीं खेलने के कारणों की जानकारी नहीं है। वहीं आयोजकों ने भी कहा है कि जोकोविच ने अपना नाम वापस ले लिया है पर उसके पीछे के कारण नहीं बताये हैं। जोकोविच ने पिछले सप्ताह 'सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट में भाग लिया था। सबसे लंबे समय तक विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे इस सर्बियाई खिलाड़ी ने कहा, 'मुझे उन प्रशंसकों के लिए दुख है जो मुझे वहां खेलते हुए देखना चाहते थे। वहां सात खिताब जीतने के दौरान पेरिस में मेरी कई अच्छी यादें हैं और उम्मीद है कि अगले साल में वहां वापसी करुंगा। जोकोविच ने पेरिस इनडोर टूर्नामेंट में रिकॉर्ड सात खिताब जीते हैं। उनके इसमें नहीं खेलने से साल के अंत में होने वाले एटीपी फाइनल्स के लिए उनके क्वालीफाई करने की संभावनाओं भी कम हुई हैं। एटीपी फाइनल्स में शीर्ष आठ खिलाड़ी शामिल होंगे। जोकोविच अभी एटीपी फाइनल्स की दौड़ में छठे स्थान पर बने हुए हैं। वहीं जैनिक सिनर, कार्लोस अलकराज, अलेक्जेंडर ज्वेरेव और डेनियल मेदवेदेव ने 10 से 17 नवंबर तक होने वाली एटीपी फाइनल्स के लिए पहले ही क्वालीफाई कर लिया था।

लुईस का शतक, वेस्टइंडीज ने तीसरे और अंतिम वनडे में श्रीलंका को हराया

पाल्लेकल (श्रीलंका) (एजेंसी)। एविन लुईस के नाबाद 102 रन की मदद से वेस्टइंडीज ने शनिवार को वर्षा से प्रभावित तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में डकवर्थ-लुईस पद्धति के तहत श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। श्रीलंका ने 2-1 से श्रृंखला जीती।

वर्ष 2021 से अपना पहला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल रहे लुईस ने छक्के के साथ 61 गेंद में अपना पांचवां शतक पूरा किया और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस सलामी बल्लेबाज ने 51 रन के स्कोर पर टखना मुड़ने के बावजूद खेलना जारी रखा। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 156 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद बारिश के कारण पांच घंटे खेल रुका रहा और मैच को 23 ओवर का कर दिया गया।

वेस्टइंडीज को 195 रन का लक्ष्य मिला

और टीम ने 22 ओवर में दो विकेट पर 196 रन बनाकर जीत दर्ज की। श्रीलंका को जीवनदान पाने वाले दोनों सलामी बल्लेबाजों पथुम निसांका (56) और अविष्का फर्नांडो (34) ने पहले विकेट के लिए 17 आवेर में 81 रन जोड़कर अच्छी शुरुआत दिलाई। इसके बाद बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। दोबारा खेल शुरू होने पर कुसाल मेंडिस (नाबाद 56) ने शुरुआती चार गेंद पर चौके लगाए।

निसांका ने रन आउट होने से पहले 58 गेंद में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। मेंडिस ने सिर्फ 19 गेंद में अर्धशतक जड़ा। उन्हें भी दो जीवनदान मिले। उन्होंने 22 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके और एक छक्का मारा। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 36 रन के स्कोर पर ब्रेंडन किंग (16) का विकेट गंवा दिया। लुईस और कप्तान शाई होप (22) ने दूसरे विकेट के लिए 72 रन जोड़कर पारी को संवारा। होप के आउट होने के बाद लुईस और शेरफेन रदरफोर्ड (नाबाद 50, 26 गेंद, चार चौके, तीन छक्के) ने मोर्चा संभाला और एक ओवर शेष रहते टीम को जीत दिलाई दी। रदरफोर्ड ने सिर्फ 26 गेंद में अपना चौथा अर्धशतक पूरा किया।

ब्राजील के फुटबॉल खिलाड़ी को तीन सेकेंड के भीतर दिखाया गया लाल कार्ड

साओ पाउलो । ब्राजील के एक फुटबॉल खिलाड़ी को शीर्ष डिविजन मुकाबले में दौरान विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मारने के लिए मैच शुरू होने के तीन सेकेंड के भीतर लाल कार्ड दिखाया गया। क्रुजेइरो के राफा सिल्वा ने एथलेटिको पेरेनाएंसे के केइके रोचा को मैच शुरू होते ही कोहनी मारी जिससे टीम को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। रैफरी रोड्रिगो जोस परेरा डि लिमा ने क्रुजेइरो के 32 साल के खिलाड़ी सिल्वा को लाल कार्ड दिखाया जो फुटबॉल के इतिहास में सबसे जल्दी दिखाए गए लाल कार्ड में से एक है। क्रुजेइरो को इस मैच में 0-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

हरभजन बोले, धोनी उपलब्ध रहे तो जरुर रिटेन करेगी सीएसके

मुम्बई । 2025 आईपीएल सत्र को लेकर सभी टीम अभी से अपनी योजनाएं बनाने लगी हैं। इसमें शामिल सभी फ्रैंचाइजियों के एक तय समय के अंदर उन खिलाड़ियों की सूची सौंपनी है जिन्हें वह रिटेन करेंगी। इसके अलावा किन खिलाड़ियों को मेगा नीलामी के लिए रिलीज किया जाएगा ये भी तय करना होगा। वहीं एक ओर जहां दिग्गज खिलाड़ी महेन्द्र सिंह धोनी के खेलने को लेकर संशय जाहिर किया जा रहा है। वहीं पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम इस बार भी धोनी को अपने पास बनाये रखेगी। हरभजन ने धोनी के आईपीएल भविष्य पर अनिश्चितता व्यक्त की पर कहा कि अगर वह उपलब्ध रहते हैं तो वह सीएसके की पहली पसंद होंगे। हरभजन ने मेगा नीलामी 2025 से पहले धोनी के अलावा सीएसके टीम के कप्तान रुतुराज गायकवाड़, ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा, रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को भी रिटेन किये जाने की उम्मीद जतायी है। गौरतलब है कि नये नियमों के तहत आईपीएल फ्रेंचाइजी अपनी टीम के कुल 6 खिलाड़ियों को बरकरार रख सकती हैं। छह रिटेंशन/आरटीएम में अधिकतम पांच कैप्ड खिलाड़ी (भारतीय और विदेशी) और अधिकतम 2 अनकैप्ड खिलाड़ी हो सकते हैं। वहीं हरभजन ने कहा कि मुझे धोनी के खेलने का भरोसा नहीं है पर अगर वह उपलब्ध हैं, तो वह निश्चित रूप से टीम की पहली पसंद होंगे, भले ही उन्हें इस सत्र में अनकैप्ड खिलाड़ी माना जाए पर इसके बाद, अगली पसंद रवींद्र जड़ेजा और फिर रचिन रवींद्र होंगे। जहां तक कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी बरकरार रखे जाएंगे।

फिटनेस को बेहतर बनाने ताइक्वांडो और कराटे का अभ्यास कर रही दीक्षा

गुरुग्राम । महिला गोल्फर दीक्षा डागर आजकल अपनी फिटनेस को बेहतरत बनाने में लगी हैं। इसी के तहत ही वह आजकल ताइक्वांडो और कराटे का अभ्यास कर रही है। दीक्षा कुछ समय पहले एक सड़के हादसे में घायल हो गयीं थी। उसके बाद से ही वह फिटनेस की समस्या से जूझ रही हैं। इससे उनके प्रदर्शन पर भी प्रभाव पड़ा है। दीक्षा ने कहा, ''मैं अपनी फिटनेस के साथ ताकत हासिल करने पर काम कर रही हूं। मैं इसके लिए कराटे सीख रही हूं और नियमित तौर पर जिम जा रही हूं।'' अपने पेशेवर करियर में तीन खिताब जीतने वाली दीक्षा ने कहा, '' मैंने एक सुबह पार्क में जॉगिंग करते समय कुछ बच्चों को कराटे करते हुए देखा और फिर मैंने भी इसे सीखना शुरू कर दिया। इस युवा खिलाडी ने कहा कि पेरिस में हुई सड़क दुर्घटना का उनके खेल पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। दुर्घटना में हालांकि उन्हें ज्यादा चोट नहीं लगी थी।'' हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में खेल रही दीक्षा ने कहा, '' इस कोर्स पर अच्छा करने का मंत्र है कि आप अपने हर शॉर्ट का आनंद उठाओ। मैं अपने खेल में सुधार करने पर काम कर रही हूं और अपनी लय से खुश हूं। मैं इस बार अपने से कोई उम्मीद रखे बिना बस अपने खेल का आनंद उठाना चाहती हूं।'' पिछले सत्र में तीसरे स्थान पर रही दीक्षा ने कहा, '' मैं पिछले साल के प्रदर्शन से सकारात्मक सीख ले रही हूं। यहां मैदान पर गेंद की गति काफी ज्यादा हैं, मैं ताइवान में खेल कर आयी हूं, यहां गति बहुत कम थी। ऐसे में यहां तालमेल बिठाने के लिए थोड़ा परिश्रम करना होगा। यह मानसिक पहलू के बारे में ज्यादा है।'' गौरतलब है कि हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में दुनिया भर से 114 महिला गोल्फ खिलाड़ी भाग ले रही है।

शमी की अनुपस्थिति बड़ा झटका, लेकिन भारत के रिजर्व तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगे: मैकडोनाल्ड

सिडनी (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड का मानना है कि अगले महीने से शुरू होने वाली पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान भारत को मोहम्मद शमी की बहुत कमी खलेगी लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी टीम इस अनुभवी तेज गेंदबाज की जगह लेने वाले तेज गेंदबाजों को कम नहीं आंकेगी। शमी ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह टखने की चोट के कारण पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप फाइनल के बाद से नहीं खेले हैं। उनका ऑपरेशन किया गया। इसके बाद वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में थे। हाल में उनके घुटनों में सूजन आ गई जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार मैकडोनाल्ड ने कहा,''मोहम्मद शमी की अनुपस्थिति उनके लिए बहुत बड़ा झटका है। जिस तरह से हमारे बल्लेबाज उनके जज्बे, उनकी लाइन और लेंथ और अपने काम के प्रति उनके समर्पण की बात करते हैं उसे देखते हुए भारत को उनकी कमी खेलगी।'' भारत ने दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार मौका दिया है। तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा को भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। तेज गेंदबाजी विभाग की कमान जसप्रीत बुमराह संभालेंगे।''

मैकडोनाल्ड ने कहा,''लेकिन हम जानते हैं कि पिछली बार क्या हुआ था। उनके रिजर्व खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, इसलिए उनके खिलाड़ियों को बिल्कुल भी कम करके नहीं आंका जा सकता है।'' ऑस्ट्रेलिया घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को अपनी टीम में चुन सकता है। वह उस्मान ख्वाजा के साथ पारी का आगाज करने के लिए दौड़ में शामिल हैं। मैकडोनाल्ड ने कहा,''हम अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेंगे और अगरइसमें कोई युवा खिलाड़ी शामिल होता है, तो हम उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। यदि चयनकर्ताओं को लगता है कि वह सबसे अच्छा विकल्प है तो हम उसे मौका देंगे।

संक्षिप्त समाचार

फिलीपींस : तूफान ने ढाया कहर, 46 की मौत, 20 लापता

मनीला, एजेंसी। फिलीपींस में इस हफ्ते आए उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है। अधिकारियों ने शुक्रवार को जानकारी दी कि कम से कम 20 लोग अभी भी लापता हैं। सिविल डिफेंस एडमिनिस्ट्रेटर एरियल नेपोमुसेनो के कार्यालय ने एक रिपोर्ट में कहा कि देश भर के नौ क्षेत्रों में ट्रामी से संबंधित मौतों की सूचना मिली है। मनीला के दक्षिण-पूर्व में स्थित बिकोल क्षेत्र, (जो तूफान का सबसे अधिक प्रकोप झेल रहा है), में सबसे अधिक 28 मौतें हुई हैं। कैलाबारजोन क्षेत्र में 15 मौतें हुई हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि फिलीपींस के अन्य क्षेत्रों में भी ट्रामी से संबंधित मौतों की सूचना मिली है। इस वर्ष फिलीपींस में आने वाला 11वां तूफान ट्रामी मुख्य लूजोन द्वीप से होकर गुजरा, जो बिकोल और कैलाबारजोन क्षेत्रों में विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन का कारण बना। मृतकों के आंकड़े बढ़ सकते हैं, क्योंकि पुलिस और अन्य एजेंसियां ट्रामी के प्रभाव का आकलन करना जारी रखे हुए हैं। एजेंसी ने कहा कि शुक्रवार तक देश भर में 293 सड़कें और 67 पुल अभी चलने लायक नहीं हैं। कुछ क्षेत्रों में बिजली अभी भी बहाल नहीं हुई है। राज्य मौसम ब्यूरो ने कहा कि शुक्रवार सुबह उत्तरी फिलीपींस में इलोकोस सुर प्रांत से 255 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में ट्रामी को देखा गया। यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था, जिसमें 95 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं और 151 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं चल रही थीं। राज्य मौसम ब्यूरो ने शुक्रवार दोपहर या शाम को ट्रामी के फिलीपींस से बाहर निकलने का अनुमान लगाया है। फिलीपींस में हर साल औसतन 20 तूफान आते हैं।

चिली की राजधानी में स्कूल विस्फोट के दो दिन बाद 23 छात्र अस्पताल में भर्ती

सैंटियागो, एजेंसी। चिली की राजधानी सैंटियागो के एक स्कूल में बुधवार को हुए धमाके में घायल हुए 35 में से 23 छात्र अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंत्रालय ने बताया कि दो घायल छात्रों की हालत बेहद गंभीर है, जबकि आठ अन्य गंभीर स्थिति में हैं। अच्छी बात यह है कि इस घटना में किसी की मौत नहीं हुई है। शिक्षा मंत्री निकोलस कैटलडो ने स्थानीय मीडिया को बताया कि शुक्रवार को 12 छात्रों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। कैटलडो ने इस बात को खारिज किया कि यह घटना एक अलग घटना है, जैसा कि स्कूल हेड मारिया अलेजांद्रा बेनावाइडेस ने पहले मीडिया से कहा था। स्थानीय पुलिस के अनुसार, बारोस अराना नेशनल बोर्डिंग स्कूल के कुछ छात्र बुधवार को सार्वजनिक सड़कों पर विस्फोटक उपकरण लॉन्च करने की तैयारी कर रहा था। लेकिन इन उपकरणों में अज्ञात कारणों से एक बाथरूम में ही विस्फोट हो गया।

अमेरिकी चुनाव में सेंध लगाने में जुटा चीन! डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर भी हैकर्स का हमला

वाशिंगटन, एजेंसी। चीन के हैकर दुनिया के कई देशों में साइबर अटैक कर चुके हैं। वहीं अब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बीच खबर है कि पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और उनके साथी उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस के फोन को निशाना बनाया गया है। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक चीनी हैकर अब अमेरिका में शीर्ष नेताओं के डेटा को निशाना बनाना चाहते हैं। चीनी हैकरों ने राष्ट्रपति जो बाइडेन के सीनियर अधिकारियों को भी टारगेट किया था। इसी सप्ताह अमेरिकी अधिकारियों ने जानकारी दी कि चीनी हैकरों ने जिनके फोन को निशाना बनाया था उनमें डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस भी शामिल हैं। वहीं ट्रंप के प्रचार प्रवक्ता स्टीव चेउंग ने कहा कि कमला हैरिस ही चीन का उत्साहवर्धन कर रही हैं। अभी तक यह नहीं पता चल पाया है कि हैकर कोई जानकारी निकाल पाए हैं या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमना और पूर्व अधिकारियों के फोन हैकर करने की कोशिश हो रही थी। शुक्रवार को एफबीआई और अमेरिकी साइबर सिक्योरिटी एजेंसी ने कहा, अमेरिकी सरकार इस बात की जांच कर रही है कि क्या चीन से अमेरिका के कमर्शल टेलिकम्यनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर में दखल देने की कोशिश की गई है। सीआईएसए और एफबीआई ने संबंधित कंपनियों को नोटिस भी जारी किया है और कहा है कि वे तकनीकी सुधार करें। सबसे पहले न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप और जेडी वेंस के फोन हैक करने की कोशिश की गई है। कई महीनों से चीनी हैकर अमेरिकी कंपनियों में घुसपैठ की कोशिश में लगे हुए हैं। वे अमेरिका की सुरक्षा से जुड़ी खुफिया जानकारी लेना चहते हैं। वहीं चीनी सरकार ने इन आरोपों को खारिज किया है।

ईरान पर हमले के बाद इजराइल बोला- हमारे विमान सुरक्षित लौटे, मध्यपूर्व में बढ़ा खतरा

दुबई, एजेंसी। इजराइल के ईरान पर हमले ने पूरे मध्य पूर्व में तनाव बढ़ा दिया है. यह पहली बार है कि इजराइल ने खुलेआम ईरान पर हमला किया है. ईरान पर 1980 के बाद किसी भी देश ने सीधा हमला नहीं किया है. इजराइल ने देर रात हमला शुरू किया और सूर्योदय होने से ठीक पहले इसे रोक दिया. इजराइली सेना ने कहा कि उसके सभी विमान सुरक्षित लौट चुके हैं. सेना ने कहा कि उसने उन जगहों को निशाना बनाया है, जहां पर ईरान मिसाइल निर्माण कर रहा है, और इन्हीं मिसाइलों से ईरान ने इजराइल पर हमला किया था. इजराइली सेना ने बताया कि उसने ईरानी हवाई क्षमता पर भी आक्रमण किया. इस हमले से पहले ऐसा माना जा रहा था कि इजराइल ईरान की परमाणु क्षमता पर हमला कर सकता है. हालांकि, इजराइल ने अमेरिका को आश्वासन दिया था कि वह परमाणु सुविधाओं और तेल प्रतिष्ठानों पर हमले नहीं करेगा. यहां आपको बता दें कि ईरान ने एक अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था. उसने 180 से अधिक मिसाइल छोड़े थे. ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री आवास पर भी हमला किया था. इजराइली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल ने कहा, ईरान सात अक्टूबर से लगातार इजराइल पर हमला कर रहा है, जिसमें ईरानी धरती से सीधे हमले भी शामिल हैं. इसलिए दुनिया के हर दूसरे संप्रभु देश की तरह,

इजराइल को भी जवाब देने का अधिकार है और यह उसका अपने देश के प्रति कर्तव्य भी है. हालांकि, इस हमले के बाद अमेरिका ने इजराइल को चेतावनी दी है कि वह आगे और हमले न करे.

क्या कहा ईरान ने : ईरान की सरकारी मीडिया ने इन धमाकों की पुष्टि की है. हालांकि, उसने कहा कि इससे उसे बहुत अधिक नुकसान नहीं पहुंचा है. धमाकों की आवाज ईरान में भी सुनाई दे रही थी. एयर डिफेंस सिस्टम पर हमले की कोशिश की गई है. ईरान की सेना ने कहा कि हमलों में इलम, खुजेस्तान और तेहरान प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया है और इससे बहुत अधिक नुकसान नहीं हुआ है.

मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि हमले की खबर के तुरंत बाद सामान्य खबरें दिखाई जाने लगीं. एपी न्यूज एजेंसी ने बताया है कि एक स्थानीय नागरिक ने सात विस्फोट सुने जाने को लेकर जानकारी दी है. सरफेस टू एयर मिसाइलों को स्पॉट किया गया. शहर में कई जगहों पर आग की ऊंची-ऊंची लपटें देखी गईं. ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं. क्या कहा अमेरिका ने अमेरिका चाहता है कि इस युद्ध का दायरा और अधिक न बढ़े. अमेरिका राष्ट्रपति को पल-पल की सूचना दी जा रही है. मेजर जनरल पैट राइडर ने शुक्रवार देर रात कहा कि अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने ईरान में सैन्य ठिकानों पर इजराइल के हमलों के बारे में अपने इजराइली समकक्ष योव गैलेंट से बात की. अमेरिका इस बात का पक्षधर है कि इजराइल को सेल्फ डिफेंस का अधिकार है, लेकिन इसे और अधिक बढ़ाने की जरूरत नहीं है.

क्या है पृष्ठभूमि : पिछले साल सात अक्टूबर को हमास और अन्य आतंकवादियों ने इजराइल पर हमला किया था. इस हमले में 1200 से अधिक लोग मारे गए और 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था. इसके जवाब में इजराइल ने हमास के खिलाफ कार्रवाई शुरू की. कई हमले किए. इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि जब तक सारे बंधकों को छुड़ा नहीं लिया जाता है, तब तक हमले जारी रहेंगे. लोकल हेल्थ अधिकारियों के मुताबिक इस युद्ध में अब तक 42 हजार पिलिस्तीनी मारे गए हैं. और मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे हैं. इजराइल के उत्तर में लेबनान है. दक्षिणी लेबनान से हिजबुल्लाह ने इजराइल पर हमला किया था. इजराइल ने हिजबुल्लाह के वरिष्ठ कमांडरों को मार गिराया. हिजबुल्लाह को ईरान का समर्थन प्राप्त है. ईरान में 1979 को इस्लामिक क्रांति आई थी. इसके बाद से ईरान और इजराइल एक दूसरे के कट्टर दुश्मन बने हुए हैं. ईरान तभी से इजराइल के खिलाफ कई आतंकवादी समूहों का साथ देता रहा है।

ईरान पर हमले के बाद अमेरिका ने ठोकी इजरायल की पीठ, नसीहत भी दी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने कहा है कि ईरान पर इजराइल के हमलों से हिसाब बराबर हो चुका है और अब दोनों

शत्रु देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद होने चाहिए। अमेरिका ने ईरान को अब इजराइल पर जवाबी हमले करने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। वाइट हाउस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके प्रशासन को लगता है कि इजराइली (सैन्य) अभियान के उपरांत अब दोनों देशों के बीच सीधे सैन्य हमले बंद होने चाहिए और उसने कहा कि अन्य सहयोगी देश भी इससे सहमत हैं। उन्होंने बताया कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन को उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने शुक्रवार को पूरे दिन अभियान के बारे में जानकारी दी। वाइट हाउस के नियमों के अनुसार नाम न उजागर करने की शर्त पर अधिकारी ने बताया कि इजराइली अभियान ''व्यापक, सटीक और लक्षित'' था। उन्होंने कहा कि अमेरिका की इस हमले में कोई संलिप्तता नहीं है। अमेरिका ने इजरायल की पीठ ठोकते हुए कहा है कि यहूदी देश ने बदला भी ले लिया और किसी परमाणु ठिकाने को निशाना भी नहीं बनाया है। बता दें कि शनिवार की सुबह ही इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया। इजरायल के इस मिसाइल अटैक को ईरान विफल नहीं कर पाया। ईरानी सेना ने एक वीडियो जारी कर दावा किया है कि कुछ मिसाइलों को रास्ते में ही नष्ट कर दिया गया। हालांकि इजरायल का कहना है कि उसने तेहरान में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है और उससे ईरान को नुकसान हुआ है। इजरायल ने कहा कि महीने भर से ईरान उसपर बलिस्टिक मिसाइल से अटैक कर रहा था। ऐसे में यह केवल जवाब भर दिया गया है। बता दें कि तेहरान में हमास चीफ की हत्या के बाद से ही ईरान बौखलाया हुआ है और लगातार इजरायल पर हमले की धमकी दे रहा है। वहीं लेबनान में हिजबुल्लाह चीफ की हत्या के बाद ईरान ने हमले भी शुरू कर दिए। पहले से ही आशंका थी कि इजरायल ईरान पर हमले कर सकताहै।

मलेशिया में बस-ट्रक की टक्कर में एक जापानी पर्यटक की मौत, 12 घायल

कुआला लुम्पुर, एजेंसी। मलेशिया में जापानी पर्यटकों को लेकर जा रही एक बस ट्रक से टकरा गई, जिससे एक पर्यटक की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी जापान की एक प्रमुख ट्रैवल एजेंसी जेटीबी कॉर्प ने शुक्रवार को दी।

यह हादसा बृहस्पतिवार को मध्य मलेशिया के पेरक प्रांत में हुआ, जब बस पेनांग से लोकप्रिय पर्यटन स्थल कैमरुन हाईलैंड की ओर जा रही थी, जो अपने चाय बागानों के लिए जाना जाता है। जेटीबी के अध्यक्ष और सीईओ ईजीरो यामाकिता ने टोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि हादसे में एक 70 वर्षीय महिला की मौत हो गई।

मलेशिया के दमकल एवं बचाव विभाग ने कहा कि बस में जापान के तीन पुरुष और आठ महिलाएं शामिल थीं। सभी वरिष्ठ नागरिक थे। बस चालक और एक स्थानीय टूर गाइड भी बस में मौजूद थे। सभी 13 पीड़ितों को स्ट्रेचर पर बाहर निकाला गया और दुर्घटनास्थल पर प्रारंभिक उपचार के बाद अस्पताल ले जाया गया। यामाकिता ने कहा कि कुछ पीड़ित गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन उनकी वास्तविक स्थिति अभी ज्ञात नहीं हो पाई है। दुर्घटना के कारण की जांच की जा रही है।

ईरान पर हमले के बाद बोला इजरायल- बदला पूरा हुआ, अपनी आत्मरक्षा में कदम उठाए

येरूशलम, एजेंसी। इजरायली सेना ने शनिवार को ईरान के सैन्य ठिकानों पर हमला किया। इजरायली सेना के मुताबिक यह हमला एक अक्टूबर को ईरानी मिसाइलों के हमले का बदला लेने के लिए किया गया है। इजरायल ने कहा है कि सभी संप्रभु देशों की तरह उसे भी अधिकार है वह अपनी आत्मरक्षा में कदम उठाए। उसने यह भी कहा है कि उसका मिशन पूरा हुआ। ईरान ने अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया है। वहीं, ईराक ने भी अपनी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी हैं। इन हमलों ने दोनों कट्टर दुश्मनों के बीच पूर्ण युद्ध का खतरा और बढ़ा दिया है। बता दें कि पश्चिम एशिया में ईरान समर्थित चरमपंथी समूह-गाजा में हमास और लेबनान में हिजबुल्लाह-पहले से ही इजरायल के साथ युद्धरत हैं। गौरतलब है कि ईरान ने पहले ही कहा है कि अगर उसके ऊपर हमला हुआ वह भी चुप नहीं बैठेगा। वहीं, अमेरिकी समाचार चैनल फॉक्स न्यूज के मुताबिक हमले से कुछ ही देर पहले व्हाइट हाउस को इसकी जानकारी मिली थी।

यह हमला ऐसे वक्त में हुआ है जब अमेरिकी विदेश सचिव एंटनी ब्लिंकेन समझौते और मिडिल ईस्ट में शांति के मकसद से इजरायल पहुंचे हुए हैं। इजरायल ने शनिवार सुबह सीरिया पर भी बम बरसाए, जिसके धमाके दमिश्क में सुनाई दिए। सितंबर अंत से इजरायल सीरिया और लेबनान के खिलाफ अभियान चला रहा है। उसके मुताबिक वह हिजबुल्लाह के आतंकी ठिकानों को नष्ट करने के लिए ऐसा कर रहा है। इस बीच

शुक्रवार को पत्रकारों के परिसर पर हमले के लिए इजरायल की आलोचना भी हो रही है। दक्षिण पूर्व लेबनान में हुए इस हमले में तीन पत्रकार मारे गए थे। अगली नोटिस तक ईरान-इराक की फ्लाइट्स कैंसिल इजरायल के हमले के बाद ईरान ने बड़ा कदम उठाया है। ईरान

के नागरिक उड्डयन संस्था के प्रवक्ता ने कहा कि ईरान में सभी रूट्स की फ्लाइट्स को अगली सूचना तक बंद कर दिया है। वहीं, इराक ने भी फ्लाइट्स का संचालन बंद कर दिया है। इराक ने यह फैसला ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के इलाकों में इजरायली हवाई हमलों के बाद लिया। इस बीच ईरान-इराक के एक गुट ने इजरायल पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। समाचार एजेंसी एएफपी ने इसकी जानकारी दी है। वहीं, अर्धसरकारी समाचार एजेंसी तंसीम के मुताबिक ईरान भी इजरायल पर जवाबी हमले के लिए तैयार है। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से कहाकि इस बारे में कोई शक नहीं है कि इजरायल को इस हमले का खामियाजा भुगतना होगा। वहीं, अमेरिका ने इजरायल के हमलों में खुद के शामिल होने की बात खारिज की है। एक अमेरिकी रक्षा अधिकारी ने बीबीसी को बताया कि ईरान पर हुए इजरायल के ताजा हमले में अमेरिका की कोई भूमिका नहीं है। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को ईरान ने इजरायली ठिकानों पर लगभग 180 मिसाइलें दागीं।

दक्षिण कोरिया में बढ़ रहे हैं लम्पी स्किन डिजीज के मामले

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) का एक और मामला सामने आया है, जिससे इस साल कुल मामलों की संख्या 14 हो गई है। कृषि मंत्रालय ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। नया मामला मंकयोंग के एक पशु फार्म में पाया गया, जो सियोल से करीब 140 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में है। मंत्रालय ने इस फार्म और उसके आसपास के छह क्षेत्रों में सभी जुड़े लोगों और वाहनों के लिए 24 घंटे का प्रतिबंध लागू किया है।

शुक्रवार को भी दक्षिण कोरिया में तीन और मामले सामने आए थे। सरकार ने कहा कि इस बीमारी के फैलाव को रोकने के लिए सभी उपलब्ध सैनिटाइजेशन वाहनों का इस्तेमाल किया जाएगा। एलएसडी एक संक्रामक बीमारी है जो गायों और भैंसों में त्वचा पर दाने, बुखार, भूख कम होना और दूध उत्पादन में गिरावट जैसे लक्षण पैदा करती है। गंभीर मामलों में इससे मौत भी हो सकती है। यह बीमारी मच्छरों और अन्य खून चूसने वाले कीड़ों से फैलती है। इसके

अलावा, राजधानी सियोल से पूर्व में 118 किलोमीटर दूर इनजे और दक्षिण में 80 किलोमीटर दूर डांगजिन में भी एलएसडी के अलग-अलग मामले पाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संक्रमण को रोकने के लिए प्रभावित फार्म को सील कर दिया गया है और क्वारंटीन उपाय लागू किए गए हैं। कृषि मंत्रालय ने सभी प्रांतों को सतर्क रहने और इस महीने के अंत तक सभी गायों का टीकाकरण पूरा करने का निर्देश दिया है। दक्षिण कोरिया में इस साल अगस्त में एलएसडी का पहला मामला सामने आया था, जो सियोल से 65 किलोमीटर दक्षिण में अंसियोंग के एक फार्म में पाया गया, जहां 80 गायें थीं। पिछले साल नवंबर के बाद यह पहली बार था जब दक्षिण कोरिया में एलएसडी का मामला पाया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि वे 2025 तक एक ऐसा जेनेटिक डायग्नोस्टिक किट विकसित करने की योजना बना रहे हैं जिससे संक्रमित गायों की पहचान कर, पूरे झुंड को नष्ट करने की बजाय केवल बीमार जानवरों को अलग किया जा सके।

ईरान का दावा- इस्राइली हमला नाकाम किया, अमेरिका ने तेहरान को दी चेतावनी

तेहरान, एजेंसी। इस्राइल के हवाई हमले के बाद ईरान ने बयान जारी कर कहा है कि उनके हवाई सुरक्षा सिस्टम ने इस्राइली हमले को नाकाम कर दिया। ईरान ने कहा कि कई मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया गया। जो मिसाइलें और रॉकेट गिरे हैं, उनसे बेहद कम नुकसान हुआ है। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी ने कहा कि हवा में ही इस्राइल की मिसाइलों को तबाह कर दिया गया। वहीं अमेरिका ने जवाबी हमले के लिए ईरान को चेताया है। साथ ही दोनों देशों को एक दूसरे पर सैन्य हमले बंद करने की सलाह दी है।

ईरान का दावा- इस्राइली हमला नाकाम किया : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान की राजधानी तेहरान में धमाके की छह आवाजें सुनी गईं। हवाई सुरक्षा सिस्टम ने तेहरान में तीन जगहों पर हमले को नाकाम कर दिया। ईरान ने इस्राइल पर जवाबी हमले की धमकी भी दी है। इससे पहले इस्राइली सेना ने बयान जारी कर ईरान पर हवाई हमले की जानकारी दी। इस्राइली सेना ने कहा कि ईरान के सैन्य ठिकानों पर पूरी सटीकता से हमले किए गए। इस्राइल ने ईरान के साथ ही सीरिया में भी ईरान समर्थित ठिकानों पर हमले किए। इस्राइली सेना के प्रवक्ता ने कहा कि हमारा संदेश साफ है कि अगर कोई भी इस्राइल को डराने-धमकाने की कोशिश करेगा तो उसे इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमने आज इसका नमूना दिखा दिया है। हम इस्राइल और इसके लोगों की सुरक्षा के लिए रक्षात्मक और आक्रामक दोनों तरीकों से तैयार हैं। इस्राइली सेना ने ईरान को जवाबी हमले को लेकर भी चेतावनी दी है।

सऊदी अरब ने की इस्राइली हमले की आलोचना : इस्राइल के ईरान पर हमले की सऊदी अरब ने आलोचना की है और इसे ईरान की संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। सऊदी अरब ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे संघर्ष को खत्म कराने के लिए एकजुट होकर कार्रवाई करें। वहीं हमले के बाद इस्राइल ने अपना हवाई क्षेत्र एहतियातन बंद करने का फैसला किया है। ईरान ने भी हमले के तुरंत बाद अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था और सभी उड़ानों को रद्द कर दिया था, लेकिन अब ईरान ने अपनी उड़ान सेवाओं को फिर से चालू करने का फैसला किया है।

अमेरिका ने ईरान को चेतावनी : वहीं अमेरिका भी इस्राइल के समर्थन में आ गया है और उसने ईरान को जवाबी हमले को लेकर चेतावनी दी है। अमेरिका ने कहा कि ईरान पर इजराइल के हमलों के बाद दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष सैन्य हमले बंद हो जाने चाहिए, उसने तेहरान को चेतावनी दी कि वह इजराइल के खिलाफ कोई जवाबी कार्रवाई न करे। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि इस्राइल ने ईरान पर हमले से पहले ही व्हाइट हाउस को इसके बारे में जानकारी दे दी थी।

जेलेंस्की का दावा- जंग में रूस उतारेगा नॉर्थ कोरियाई सैनिक:इसी हफ्ते होगी तैनाती; पश्चिमी देश बोले- इससे जंग भड़केगी

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शुक्रवार को दावा किया कि रूस अब जंग में नॉर्थ कोरिया के सैनिकों को उतारने की तैयारी में हैं। इन सैनिकों को इसी हफ्ते तैनात किया जाएगा। दूसरी तरफ पश्चिमी देशों ने इस कदम से जंग के भड़कने और इसका असर दूसरे क्षेत्रों खासतौर पर इंडो-पैसिफिक में होने की बात कही है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की खुफिया एजेंसियों ने जो जानकारी जुटाई है उसके मुताबिक नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रविवार से सोमवार के बीच जंग में भेजा जाएगा। यूक्रेन की खुफिया एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया ने रूस को 12 हजार सैनिक भेजे हैं। इनमें 500 अधिकारी और 3 जनरल शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को अमेरिका ने दावा किया था कि रूस में पहले से ही 3 हजार नॉर्थ कोरियाई सैनिक तैनात हैं। दावे के मुताबिक इन सैनिकों ने रूस के पूर्वी हिस्से में मौजूद सैन्य ठिकानों पर ट्रेनिंग दी गई है।

साउथ कोरिया बोला- नॉर्थ कोरिया ने पिछले हफ्ते 1500 सैनिक भेजे पिछले हफ्ते 18 अक्टूबर को साउथ कोरिया ने भी दावा किया था कि नॉर्थ कोरिया ने यूक्रेन जंग में रूस की मदद के लिए सैनिक भेजे हैं। साउथ कोरिया की खुफिया एजेंसी नेशनल इंटेलिजेंस सर्विसर (एनआईएस) ने बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एजेंसी ने अपने बयान में कहा कि 8 से 13 अक्टूबर के बीच नॉर्थ कोरिया के 1500 सैनिक, रूसी नौसेना के जहाजों से रूस के व्लादिवोस्तोक बंदरगाह पर पहुंचे है। ये सभी सैनिक नॉर्थ कोरिया की स्पेशल मिशन फोर्सेस का हिस्सा हैं। एजेंसी ने दावा किया कि नॉर्थ कोरिया जल्द ही कुछ और सैनिकों को रूस भेजेगा। एनआईएस ने कहा कि इन नॉर्थ कोरियाई सैनिकों को रूसी सेना की वर्दी, हथियार और

नकली पहचान पत्र दिए गए हैं। इन्हें तैनात करने से पहले रूसी माहौल में ढलने की ट्रेनिंग दी जा रही है। ये सभी सैनिक रूस के व्लादिवोस्तोक उस्सुरिस्क, खाबरोवस्क और ब्लागोवेशचेंस्क मिलिट्री बेस पर रह रहे हैं।

अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के बाद लौटे नासा के अंतरिक्ष यात्री अस्पताल में भर्ती

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरिक्ष यान के उतरने के तुरंत बाद, नासा ने कहा कि उसके एक अंतरिक्ष यात्री को चिकित्सा संबंधी समस्या हो गई है और एहतियात के तौर पर चालक दल को फ्लोरिडा के पेंसाकोला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। अंतरिक्ष स्टेशन पर लगभग आठ महीने तक रहने के बाद लौटे नासा के एक अंतरिक्ष यात्री को अज्ञात चिकित्सा समस्या के कारण अस्पताल ले जाया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इन अंतरिक्ष यात्रियों का अंतरिक्ष प्रवास बोइंग के कैप्सूल की खराबी और तूफान मिल्टन के कारण बढ़ गया था। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सप्ताह के मध्य में रवाना होने के बाद 'स्पेस एक्स' के कैप्सूल में लौटे ये अंतरिक्ष यात्री पैराशूट की मदद से फ्लोरिडा के तट के पास मैक्सिको की खाड़ी में उतरे। अंतरिक्ष यान के उतरने के तुरंत बाद, नासा ने कहा कि उसके एक अंतरिक्ष यात्री को चिकित्सा संबंधी समस्या हो गई है और एहतियात के तौर पर चालक दल को फ्लोरिडा के पेंसाकोला के एक अस्पताल में ले जाया गया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अंतरिक्ष यात्री की हालत स्थिर है और उसे एहतियाती उपाय के तौर पर अस्पताल में रखा गया है। अन्य अंतरिक्ष यात्री ह्यूस्टन लौट गये हैं।

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा सरकार के प्रमुख से मिलना डील होना नहीं

-वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं, अगर पत्रों पर निर्भर रहेंगे तो काम नहीं होगा

पुणे (एजेंसी)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि सरकार के प्रमुख जब हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलते हैं तो इन मुलाकातों में राजनीतिक परिपक्वता होती है। मुंबई के एक कार्यक्रम सीजेआई ने कहा कि हम राज्य या केंद्र सरकार के मुखिया से मिलते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई डील हो गई।

चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि हमें राज्य के सीएम के साथ बातचीत करनी होती है, क्योंकि वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं। यदि मुलाकात न करके केवल लेटर्स पर निर्भर रहें तो काम नहीं होगा। ये मीटिंग पॉलिटिकल मैच्योरिटी का एक साइन है। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी सीएम ने कभी भी मुलाकात के दौरान किसी लंबित केस के बारे में कुछ कहा हो। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट और सरकार के बीच का एडमिनिस्ट्रेटिव रिलेशन, ज्यूडिशियरी के काम से अलग है। सीएम या चीफ जस्टिस त्योहारों या शोक में एक-दूसरे से मिलते हैं। यह हमारे काम पर कोई असर नहीं डालता।

जजों को सोचने का समय नहीं

अदालतों में छुट्टियों को लेकर उठने वाले सवालों पर सीजेआई ने कहा- लोगों को यह समझना चाहिए कि जजों पर काम का बहुत बोझ है। उन्हें सोचने-विचारने का भी समय चाहिए होता है, क्योंकि उनके फैसले समाज का भविष्य तय करते हैं। मैं खुद रात 3:30 बजे उठता हूं और सुबह 6:00 बजे से अपना काम शुरू कर देता हूं। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट एक साल में 181 केस निपटाता है। जबकि भारतीय सुप्रीम कोर्ट में इतने केस तो एक ही दिन में निपटाए जाते हैं। हमारा सुप्रीम कोर्ट हर साल 50,000 केस निपटाता है।

कोलेजियम की जिम्मेदारी राज्य-केंद्र और ज्यूडिशियरी में बंटी

सीजेआई ने कहा कि कॉलेजियम सिस्टम एक यूनियन सिस्टम है, जहां जिम्मेदारियां अलग-अलग लेवल पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ज्यूडिशियरी में बंटी हैं। इसमें आम सहमति बनती है, लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है जब सहमति नहीं बन पाती। ऐसे में ज्यूडिशियरी के अलग अलग लेवल पर और सरकारों के अलग-अलग लेवल पर मैच्योरिटी के साथ निपटाया जाता है। मैं चाहता हूं कि हम एक आम सहमति बनाने में सक्षम हों। हर संस्थान में सुधार किया जा सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि इसमें बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। सीजेआई ने कहा कि जिस संस्था को हमने ही बनाया है, उसकी आलोचना करना बहुत आसान है। हर संस्था में बेहतरी का स्कोप होता है, लेकिन हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि बुनियादी तौर पर कुछ गड़बड़ है। ये संस्थाएं 75 साल से चल रही हैं। हमें डेमोक्रेटिक गवर्नेंस के हमारे सिस्टम पर भरोसा करना चाहिए, ज्यूडिशियरी भी इसी का एक भाग है।

पूरी दुनिया की न्यायपालिका में बदलाव आया

सीजेआई ने कहा कि सोशल मीडिया के कारण फैसला सुनाने में पूरी दुनिया की न्यायपालिकाओं में बदलाव आया है। हालांकि, जजों को अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है। जजों को सही भाषा का इस्तेमाल करना होता है। सोशल मीडिया हमारी सोसाइटी के लिए अच्छा है, क्योंकि यह यूजर्स को सोसाइटी के एक बड़े वर्ग तक पहुंचने में सक्षम बनाता है।

शाह करेंगे बंगाल में सदस्यता अभियान की शुरुआत

-भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने जानकारी देते हुए बांद्रा हादसे पर भी कह दी बड़ी बात...

कोलकाता। बीजेपी नेता राहुल सिन्हा ने रविवार को कई मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की, जिसमें मुंबई के बांद्रा टर्मिनल पर हुई भगदड़ की घटना और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे भी शामिल है। सिन्हा ने कहा कि देशभर में बीजेपी का सदस्यता अभियान जारी है। हालांकि, पश्चिम बंगाल में आरजी कर की घटना सहित कुछ अन्य कारणों से यहां सदस्यता अभियान की प्रक्रिया थोड़ी देर से शुरू हुई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्द ही बंगाल दौरे पर आएंगे, जहां वह सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे। इसके बाद, बंगाल में तेजी से इस अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि ज्यादा से ज्यादा नए सदस्य बनाए जा सकें। मुंबई में हाल ही में हुई भगदड़ के बारे में उन्होंने कहा कि यह एक दुखद घटना है। प्लेटफॉर्म पर भारी

भीड़ थी, जिसके कारण यह समस्या पैदा हुई। हालांकि, मुझे विश्वास है कि जिन परिवारों को नुकसान हुआ है या जो घायल हुए हैं, उनके लिए सरकार और रेलवे की ओर से व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि मैं घायलों के परिजनों के साथ खड़ा हूं। सिन्हा ने आगे कहा कि बीजेपी के खौफ के चलते टीएमसी में डर है। जब उन्हें पता चला कि पवन सिंह आसनसोल आने वाले हैं, तो उनमें खलबली मच गई, जिसके कारण उन्होंने भोजपुरी गीतों का कार्यक्रम रद्द करना पड़ा। इस तरह, राहुल सिन्हा ने बीजेपी की सदस्यता अभियान की योजनाओं के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक मुद्दों पर अपनी स्पष्ट राय रखी, जो पार्टी के लिए अहम है।

त्रिपुरा में अवैध रूप से प्रवेश कर रहे 12 बांग्लादेशी गिरफ्तार, एक बच्चा भी शामिल

अगरतला। बांग्लादेश में अराजकता और हिंसा के कारण अवैध घुसपैठ जारी है। अधिकारियों के मुताबिक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने त्रिपुरा में अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर रहे 12 बांग्लादेशी नागरिकों और एक बच्चे को गिरफ्तार किया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि अगरतला रेलवे स्टेशन के पास एक मोबाइल चेक पोस्ट बनाया गया था, जहां नौ बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी नागरिकों ने पूछताछ में बताया कि वह भारत में स्थायी रूप से बसने के लिए कोलकाता जाने की योजना बना रहे थे। एक अन्य अभियान में, दक्षिण त्रिपुरा में बेलोनिया के बीएसएफ जवानों ने मुहुरी नदी किनारे चार महिलाओं और दो बच्चों को हिरासत में लिया है। इनमें से तीन महिलाएं और एक बच्चा बांग्लादेशी हैं, जबकि एक महिला और एक बच्चा भारतीय हैं। यह भी बताया गया कि हिरासत में लिए गए लोग एक-दूसरे को जानते थे। पिछले साढ़े तीन महीनों में, सरकारी रेलवे पुलिस, बीएसएफ और त्रिपुरा पुलिस ने अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के बाद अगरतला रेलवे स्टेशन और त्रिपुरा के कई स्थानों से करीब 435 बांग्लादेशी नागरिकों और 55 से ज्यादाय रोहिंग्याओं को गिरफ्तार किया गया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि अवैध घुसपैठ और सीमा पार अपराधों को रोकने के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा और राज्य में अभियान तेज कर दिया है। बीएसएफ ने 24 अक्टूबर को बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से प्रवेश कराने के आरोप में दो भारतीय दलालों को भी गिरफ्तार किया था। बांग्लादेश में अशांति के बाद से, त्रिपुरा के साथ 856 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। रोहिंग्या भी बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में अपने शिविरों से भागकर अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर गए हैं, जहां 2017 से म्यांमार से आए 10 लाख से ज्यादा विस्थापित रोहिंग्या रह रहे हैं। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक बांग्लादेशी नागरिकों और रोहिंग्याओं ने बताया है कि वे नौकरी और आश्रय की तलाश में अवैध रूप से भारत में घुसे हैं।

मध्य प्रदेश में नाबालिग से छेड़खानी के आरोप में युवक गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में 14 वर्षीय छात्रा से छेड़खानी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।अमलाई पुलिस थाने के प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने बताया कि नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा ने आरोप लगाया कि लगातार छेड़खानी से परेशान होकर उसने स्कूल जाना बंद कर दिया। शर्मा के अनुसार, छात्रा ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 22 वर्षीय आरोपी ने कथित तौर पर लड़की को परेशान किया और उसका हाथ पकड़ने की भी कोशिश की। शर्मा के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा-74 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से उस पर आपराधिक बल प्रयोग या हमला करना), 78 (पीछा करना) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत शनिवार को मामला दर्ज किया।

गहरी खाई में गिरी कार, 5 की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी में सड़क हादसे में 5 लोगों की जान चली गई। एक शादी समारोह के बाद कार से लौट रहे लोग उस समय हादसे का शिकार हो गए जबकि कार पलट कर गहरी खाई में गिर गई। यह हादसा शनिवार देर रात को हुआ। जानकारी अनुसार मंडी में शनिवार देर रात कार सड़क से पलटकर 700 मीटर गहरी खाई में गिर गई। जब राहगीरों ने सुबह कार देखी तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इसके बाद पुलिस सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने सभी शवों को बरामद कर परिजनों की इस हादसे की सूचना दी। पुलिस के मुताबिक मंडी के चौहारघाटी के वरधाण में कार गहरी खाई में गिरी थी। जिससे 5 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे क शिकार हुए कार सवार सभी युवक धमच्याण गांव के बताए जा रहे हैं, जो बरोट में शादी समारोह में हिस्सा लेने गए थे। शनिवार देर रात जब वो घर वापस लौट रहे थे तभी हादसे का शिकार हो गए। घटना की जानकारी रविवार सुबह तब मिली जबकि एक भेड़पालनकर्ता ने सड़क से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में दुर्घटनाग्रस्त कार को देखा और पुलिस को सूचना दी। इस सड़क हादसे में मृत हुए लोगों की पहचान राजेश, गंगू, कर्ण, सागर और अजय के रूप में की गई है। कार हादसे के बाद चौहारघाटी में शोक छाया हुआ है।

रेव पार्टी में पकड़े गए 21 लडक़े, 14 लड़कियां

-साउथ के दिग्गज नेता का रिश्तेदार था आर्गनाइजर

हैदराबाद । तेलंगाना के साइबराबाद में रेव पार्टी का खुलासा हुआ है। एक हाई प्रोफाइल छापेमारी में फॉर्महाउस पर रेव पार्टी करते गुए 35 लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस रेव पार्टी के तार यअक्र के करीबी से जुड़ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, तेलंगाना के पूर्व मंत्री केटी रामाराव के रिश्तेदार माने जाने वाले राज पाकला के जणवाड़ा फार्महाउस पर एक हाई-प्रोफाइल छापेमारी में अवैध शराब और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल का खुलासा हुआ है। नरसिंगी पुलिस, विशेष अभियान दल, और आबकारी अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की गई। बताया गया कि मकिला पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत स्थित इस फार्महाउस में एक रेव पार्टी की सूचना मिलने पर छापेमारी कई गई थी। देर रात हुए इस छापे में अधिकारियों ने पार्टी में मौजूद 35 लोगों को हिरासत में लिया, जिसमें 21 पुरुष और 14 महिलाएं शामिल थीं। छानबीन के दौरान 10 l5 लीटर विदेशी शराब की सात बोतलें और दस भारतीय शराब की बोतलें भी बरामद की गईं, जिनके लिए कोई लाइसेंस नहीं था। यह राज्य के आबकारी कानूनों का उल्लंघन है।

किसानों को फ्री बिजली देने की बात कहकर मीटर लगा रही सरकार: राकेश टिकैत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने रविवार को यहां एक महापंचायत में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक वर्ष तक किसानों को फ्री बिजली देने की बात कही थी लेकिन अधिकारियों ने किसानों के खेतों पर मीटर लगाना शुरू कर दिया है।

उन्होंने पूछा कि अगर मीटर लग जाएंगे तो फ्री बिजली कैसे आएगी टिकैत ने यहां मुंडेरा में आयोजित किसान महापंचायत के बाद संवाददाताओं से कहा, 'अगर मीटर लगाना है तो 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले इस मुद्दे को अपने घोषणा पत्र में शामिल करना होगा नहीं तो किसान के खेत में मीटर नहीं लगेगा।' उन्होंने धान की कीमतों को लेकर आरोप लगाया कि पूर्वांचल में जौनपुर, मिर्जापुर और बलिया में 1200 रुपये प्रति क्विंटल के भाव में धान किसानों से लिया जा रहा है। टिकैत ने कहा कि यही हाल मक्का का है। भाकियू नेता ने कहा कि अकेले बिहार में एक लाख करोड़ रुपये का नुकसान फसलों को कम कीमत पर बेचने से किसानों को होता है और यह हाल सभी राज्यों का है। टिकैत ने आरोप लगाया, 'सरकार चाहती है कि लोग बंधुआ मजदूर बनकर रहें। यह एक बड़ी साजिश रची जा रही है। यह सरकार देश को श्रमिकों का देश बनाना चाहती है क्योंकि उद्योगों में श्रमिकों की भारी कमी है।'

उन्होंने कहा, 'अग्निवीर आने वाले दिनों में गार्ड का काम करेंगे क्योंकि अकेले अदाणी समूह को 25,000 गार्डों की जरूरत है। यह भर्ती (अग्निवीरों की) अडानी के लिए हो रही है। यह देश कृषि प्रधान देश से श्रमिक प्रधान देश बनेगा।

मोदी सरकार के कार्यकाल में देश में हुए 25 से ज्यादा ट्रेन हादसे, कई की गई जान

-बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर भगदड़ पर शिवसेना सांसद ने जताई चिंता, उठाए सवाल

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर रविवार तड़के हुई एक भगदड़ ने यात्री सुरक्षा और रेलवे प्रबंधन की खामियों को उजागर कर दिया है। हादसे के समय प्लेटफार्म पर यात्रियों की बहुत ज्यादा भीड़ थी, जिसके कारण कई लोग घायल हो गए हैं। इस घटना पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सांसद एवं प्रवक्ता संजय राउत ने गंभीर चिंता व्यक्त की है।

राउत ने कहा कि जब से पीएम मोदी की सरकार सत्ता में आई है, तब से देश में 25 से ज्यादा बड़े रेल हादसे हुए हैं। इनमें सैकड़ों लोग अपनी जान जा चुकी है। यह सवाल उठता है कि क्या यह स्थिति अब भी सहन की जाएगी? उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई जैसे शहर में जहां सबसे ज्यादा यात्री यात्रा करते हैं, वहां की रेलवे स्थिति पर गंभीर सवाल हैं। राउत ने आगे कहा कि सरकार बुलेट ट्रेन, मेट्रो और हाईस्पीड ट्रेन के बारे में बात करती है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और है। बांद्रा हादसे में घायल हुए यात्रियों का जिम्मेदार कौन है? उन्होंने यह भी कहा कि मुंबई से सबसे ज्यादा राजस्व मिलने के बावजूद शहर के विकास और नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी की जा रही है।

घटना के बारे में जानकारी देते हुए, रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बांद्रा टर्मिनस के प्लेटफार्म नंबर एक पर यात्रियों की अधिक भीड़ के कारण यह हादसा हुआ। इस भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिसकर्मी असमर्थ नजर आए। इसके परिणामस्वरूप, साप्ताहिक चलने वाली बांद्रा-गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन को रीशेड्यूल करना पड़ा।

इस घटना ने मुंबई की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था की सुरक्षा और प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। संजय राउत की प्रतिक्रियाओं ने न केवल रेलवे प्रशासन बल्कि स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियों की ओर भी ध्यान आकर्षित करती है। यह हादसा एक बार फिर से यह पुष्टि करता है कि समय रहते सुधार और व्यवस्थापन की जरूरत है, ताकि भविष्य में यात्रियों की सुरक्षा तय की जा सके।

जब बिहार में शराबबंदी लागू है तो राजद ने कंपनियों से क्यों लिया करोड़ों का चंदा?

-जदयू के नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर बोला जोरदार हमला

पटना (एजेंसी)। बिहार में जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा है बिहार में जब शराबबंदी लागू है तो फिर उन्होंने शराब बनाने वाली कंपनियों से चंदा क्यों लिया? नीरज ने यह बात एक संवाददाता सम्मेलन में कही। जदयू प्रवक्ताओं ने कहा कि बिहार को बदनाम करने के लिए तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव के ठीक पहले शराब बनाने वाली कंपनियों से इलेक्ट्राल बांड के रूप में 46.64 करोड़ रुपए लिए थे। शराबबंदी के विषय में उनका अनर्गल प्रलाप महज संयोग नहीं बल्कि एक राजनीतिक प्रयोग है।

नीरज ने कहा कि जहरीली शराब से होने वाली मौत पर राजनीतिक टिप्पणी करने से पहले तेजस्वी को एनसीआरबी का डाटा देख लेना चाहिए। राबड़ी देवी के शासनकाल (1999-2005) में जहरीली शराब से होने वाली मौत के आंकड़े मुताबिक पूरे देश में बिहार छठे स्थान पर था। वही, नीतीश कुमार के शासनकाल में जब शराबबंदी लागू नहीं थी तब बिहार आठवें स्थान पर था। शराबबंदी लागू होने के बाद बिहार 13वें स्थान पर आ गया। राबड़ी देवी के शासन काल में जहरीली शराब से 456 लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने सवाल किया क्या इसकी जिम्मेदारी लालू प्रसाद लेंगे? यह राजद को स्पष्ट करना चाहिए।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बयान जारी कर कहा कि राजो बाबू के निधन से समाजवादी आंदोलन और बिहार को अपूर्णीय क्षति हुई है। वे कर्मठ व अपने कार्यों के प्रति ईमानदार थे। प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि उनके सम्मान में राजद के राज्य कार्यालय में पार्टी का झंडा आधा झुका दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता प्रो. मनोज कुमार झा, राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव, प्रदेश के प्रधान महासचिव रणविजय साहू आदि ने शोक प्रकट किया है। राजो बाबू मधेपुरा से कांग्रेस व राजद के टिकट पर विधायक रहे थे। वार्ड कमिश्नर से शुरू हुई उनकी राजनीतिक-यात्रा नगरपालिका के अध्यक्ष, विधायक होते हुए उद्योग राज्य मंत्री तक पहुंची। बता दें शुक्रवार रात राजो बाबू में अंतिम सांस ली थी।

केंद्र का दीपावाली तोहफा, 80 साल से ज्यादा उम्र वालों को मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद मिलने वाली पेंशन में एक नई सुविधा जोड़ दी है। सरकार ने 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अनुकंपा भत्ता देने का फैसला लिया है। यह जानकारी लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय द्वारा दी गई है।

मंत्रालय के मुताबिक 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अब अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जिससे पेंशन का वितरण आसान और तेजी से किया जा सकेगा। सीसीएस (पेंशन) नियम 2021 के नियम 44 के तहत पेंशनर्स को मूल पेंशन के साथ अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता मिलेगा। जिसमें 80 से 85 साल के लिए मूल पेंशन का 20फीसदी, 85 से 90 के लिए मूल पेंशन का 30 फीसदी, 90 से 95 साल के लिए मूल पेंशन का 40 फीसदी, 95 से 100 साल के लिए मूल पेंशन का 50 फीसदी और 100 साल से ज्यादा उम्र के लिए मूल पेंशन का 100 फीसदी शामिल है। जैसा कि यदि किसी पेंशनर की आयु 81 साल है और उसे 5,000 रुपए की पेंशन मिल रही है, तो उसे अतिरिक्त पेंशन के रूप में 1,000 रुपए और मिलेंगे। इसी तरह 85 से 90 साल के पेंशनर को 1500 रुपए अनुकंपा भत्ता मिलेगा।

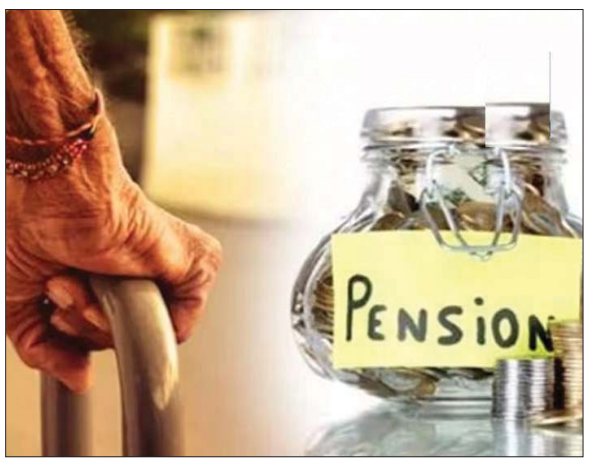

मंत्रालय के मुताबिक जब पेंशनर की आयु सीमा 80 साल तक पहुंचेगी, तो उस महीने के पहले दिन से अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता लागू हो जाएगा। यह निर्णय पेंशनर्स के जीवन-यापन को आसान बनाने के लिए लिया गया है, ताकि उन्हें कोई आर्थिक समस्या न हो। सभी पेंशनर्स को समय पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिले। इसके लिए मंत्रालय ने संबंधित विभागों और बैंकों को सूचना भेजने का निर्देश दिया है।

कहीं खुशी तो कहीं गम देकर गया चक्रवात दाना, खुशी से झूमी दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। चक्रवात दाना का असर खत्म हो गया है। जाते जाते कहीं खुशी तो कहीं गम देकर गया है। ओडिशा और पश्चिम बंगाल में तेज हवाओं के कारण जहां बिजली के पोल उखड़ गए तो कुछ घरों को भी नुकसान हुआ है। जबकि केरल के लिए मौसम विभाग ने भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। इसी बीच दिल्ली से राहत भरी खबर आ रही है। माना जा रहा है कि चक्रवात दाना के कारण दिल्ली को जहरीली हवा से काफी हद तक मुक्ति मिली है। और दिल्ली खुशी से झूम उठी है।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता में पिछले दो दिनों में सुधार देखने को मिला है। शनिवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 255 दर्ज किया गया, जो 'बहुत खराब' से 'खराब' श्रेणी में है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में एक्यूआई अभी भी 'बहुत खराब' है। इसके साथ ही, तेज हवाओं के चलते दिल्ली की हवा की गुणवत्ता भी बेहतर हुई है। यह बदलाव न केवल मौसम में सुधार लाने में सहायक रहा है, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली में वायु प्रदूषण के प्रमुख प्रदूषक पीएम10 और ओ3 हैं। परिवहन क्षेत्र इस प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदान दे रहा है, जिससे वायु गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। परिवहन से होने वाले उत्सर्जन का योगदान शनिवार को 14.8 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चिंता का विषय है। सीपीसीबी के अनुसार, दिल्ली में पीएम 2.5 का स्तर 110.6 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर दर्ज किया गया है, जो स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर सकता है। इस प्रकार, चक्रवात 'दाना' के प्रभाव से राहत मिलने के बावजूद, मौसम और वायु गुणवत्ता की स्थिति पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

24 घंटे में 152.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज

चक्रवात 'दाना' के प्रभाव से बारिश रुकने के बाद कई इलाकों से पानी कम होने से लोगों को राहत मिली है। शनिवार सुबह साढ़े छह बजे तक कोलकाता में 24 घंटे में 152.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कुछ क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।चक्रवात ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा और भद्रक जिले में करीब 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ दस्तक दी। इससे पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए, जिससे बुनियादी ढांचे और फसलों को गंभीर नुकसान हुआ।पश्चिम बंगाल में चक्रवात से संबंधित घटनाओं में चार लोगों की मौत हुई है। कोलकाता में स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन कुछ जिलों में जलभराव बना हुआ है, जिससे फसलें भी प्रभावित हुई हैं। आईएमडी ने पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर और झारग्राम जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई है।मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद है। अगले सप्ताह में किसी बड़ी मौसमी गतिविधि की संभावना नहीं है, जिससे स्थिति स्थिर रहने की संभावना है। हवा की

दिशा में बदलाव और गति में वृद्धि भी इस सुधार में योगदान कर सकती है, जिससे प्रदूषण स्तर में कमी आने की संभावना है। इस दौरान, लोग अपेक्षाकृत बेहतर वायु गुणवत्ता का अनुभव कर सकते हैं।